राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 216 पटना (बिहार) शनिवार, 07 जून 2025 पेज - 12 मूल्य : 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

11

संक्षिप्त समाचार

माजरा क्या है.. अचानक दिल्ली गए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, 12 दिनों में दूसरा दौरा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज अचानक दिल्ली गए हैं. मुख्यमंत्री जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी के साथ दिल्ली गए हैं. दिल्ली में देवेश चंद्र ठाकुर के गृह प्रवेश में शामिल होंगे.दिल्ली गए नीतीश कुमारः देवेश चंद्र ठाकुर सीतामढ़ी से जदयू के सांसद हैं और नीतीश कुमार के खास लोगों में से एक हैं. इसलिए उनके नए आवास के गृह प्रवेश के कार्यक्रम में भाग लेने मुख्यमंत्री का दिल्ली का कार्यक्रम बना है.दिल्ली क्यों गए सीएम?: दिल्ली में देवेश चंद्र ठाकुर के नए घर पर जदयू और एनडीए के नेता तो जुटेंगे ही साथ ही भाजपा नेताओं का भी आगमन होगा. ऐसे में मुख्यमंत्री की भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात हो सकती है.शाम को वापसीः सीएम सचिवालय से जो जानकारी मिल रही है, मुख्यमंत्री शाम तक पटना भी लौट आएंगे. जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री का दिल्ली का कार्यक्रम एक दिन का है.

पिछले दिनों दो दिन का था दौराः पिछले दिनों 24 मई को दो दिनों के दौरे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली गए थे. हालांकि नीति आयोग की बैठक में शामिल तो नहीं हुए, लेकिन प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एनडीए के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में शामिल हुए थे.

पीएम मोदी भी आए थे बिहारः उसके बाद प्रधानमंत्री दो दिनों के दौरे पर बिहार पहुंचे थे. 29 और 30 मई को प्रधानमंत्री का बिहार में लगातार 2 दिन कार्यक्रम था. इसमें नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री से कई मौके पर मुलाकात हुई.

कई मुद्दों पर हो सकती है चर्चाः हालांकि सीट शेयरिंग को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई. अब एक बार फिर से मुख्यमंत्री का अचानक दिल्ली दौरा चर्चा में है. बिहार विधानसभा चुनाव में अब बहुत ज्यादा समय नहीं है. ऐसे में सीट शेयरिंग सहित कई मुद्दों पर चर्चा होनी है. हालांकि पार्टी नेताओं के अनुसार मुख्यमंत्री देवेश चंद्र ठाकुर के गृह प्रवेश कार्यक्रम में भाग लेकर पटना लौट आएंगे.

बिहार में आंधी तूफान ने मचाई तबाही, वैशाली में घर पर गिरा विशाल पेड़, दबकर बुजुर्ग की मौत

संवाददाता द्वारा

वैशालीः वैशाली में तेज आंधी ने बड़ी तबाही मचाई है. जिले के महुआ अनुमंडल क्षेत्र में कई पेड़ धरासाई हो गया है. गोरौल के पिरोई गांव में भी एक विशाल बरगद का पेड़ जड़ से उखड़ कर झोपड़ीनुमा बथान पर गिर गया, जिसमें सोए एक 70 वर्षीय की मौत हो गई.

वैशाली में आंधीः आंधी की वजह से पेड़ के गिरते ही जोरदार आवाज हुई जिसके बाद घर और गांव के लोग दौड़ कर पहुंचे तो देखा कि पूरा पेड़ घर पर गिरा हुआ है. अंदर सोए गेनालाल सिंह की बिस्तर पर ही मौत हो चुकी थी. घटना की जानकारी गोरौल थाना की पुलिस को दी गई. सूचना पर गोरौल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है.

पुलिस ने जेसीबी पेड़ का हटाकर शव निकालाः गोरौल थाना की पुलिस जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची और घण्टो कड़ी मशक्कत कर पेड़ की टहनियों को काट कर वृद्ध का शव बाहर निकाला गया. तस्वीरों में आप देख सकते है कि कैसे बिस्तर पर ही सौये हाल में वृद्ध की मौत हुई है. जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

उद्घाटन और लोकार्पण किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर के कटरा में 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। वीर जोरावर सिंह की भूमि को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम भारत की एकता और दृढ़ संकल्प का भव्य उत्सव है। श्री मोदी ने कहा कि माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से कश्मीर घाटी अब भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जुड़ गई है। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लहमने हमेशा गहरी श्रद्धा के साथ ह्यकश्मीर से कन्याकुमारी तकह्ल कहते हुए मां भारती का आह्वान किया है, आज यह हमारे रेल नेटवर्क में भी एक वास्तविकता बन गई है।ह्व उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लाइन परियोजना केवल एक नाम नहीं है, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर की नई ताकत और भारत की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक है। क्षेत्र में रेल बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, उन्होंने चिनाब और अंजी रेल पुलों का उद्घाटन किया और जम्मू-कश्मीर के भीतर कनेक्टिविटी को बढ़ाते हुए वंदे भारत ट्रेनों को झंडी दिखाई। इसके अतिरिक्त, श्री मोदी ने जम्मू में एक नए मेडिकल कॉलेज की आधारशिला भी रखी, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिला। उन्होंने कहा कि 46,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं जम्मू-कश्मीर में विकास को गति देंगी, जिससे प्रगति और समृद्धि आएगी। प्रधानमंत्री ने विकास और परिवर्तन के इस नए युग के लिए लोगों को शुभकामनाएं और बधाई दीं। श्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की पीढ़ियों ने रेलवे कनेक्टिविटी का सपना लंबे समय से देखा था, आज यह सपना सच हो गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के हाल ही में दिए गए वक्तव्य का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सातवीं या आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र के रूप में भी श्री अब्दुल्ला इस परियोजना के पूरा होने का इंतजार कर रहे थे। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि लंबे समय से प्रतीक्षित इस आकांक्षा की पूर्ति जम्मू-कश्मीर के लाखों लोगों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो बेहतर कनेक्टिविटी और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

उन्होंने कहा कि यह उनकी सरकार के लिए सौभाग्य की बात है कि इस महत्वाकांक्षी रेलवे परियोजना ने उनके कार्यकाल के दौरान गति पकड़ी और अब सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस परियोजना में कई चुनौतियां थीं, जैसे कि कठिन भूभाग, खराब मौसम की स्थिति और पहाड़ों में गिरती चट्टानें, जिससे यह परियोजना बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण हो गई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा चुनौतियों का सामना करने और दृढ़ संकल्प के साथ उन पर विजय पाने का विकल्प चुना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चल रही सभी मौसमों में कार्यशील रहने वाली कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं इस प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं। उन्होंने हाल ही में खोली गई सोनमर्ग सुरंग और चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज पर यात्रा करने के अपने अनुभव को उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। श्री मोदी ने भारत के इंजीनियरों और श्रमिकों की इंजीनियरिंग प्रतिभा और अटूट समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब ब्रिज भारत की महत्वाकांक्षा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जहां लोग एफिल टॉवर देखने के लिए पेरिस जाते हैं, वहीं चिनाब ब्रिज की ऊंचाई उससे भी अधिक है, जिससे यह न केवल एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा उपलब्धि बन गया है, बल्कि एक उभरता हुआ पर्यटक आकर्षण भी बन गया है। इसी तरह, प्रधानमंत्री ने अंजी ब्रिज को इंजीनियरिंग का चमत्कार बताया, जो भारत का पहला केबल-समर्थित रेलवे ब्रिज है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये संरचनाएं केवल स्टील और कंक्रीट से बनी नहीं हैं, बल्कि भारत की शक्ति के जीवंत प्रतीक हैं, जो पीर पंजाल पहाड़ों के ऊबड़-खाबड़ ऊंचे स्थान पर खड़े हैं। श्री मोदी कहा कि ये उपलब्धियां एक विकसित राष्ट्र के लिए भारत के विजान का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो साबित करती हैं कि भारत की प्रगति का सपना जितना बड़ा है, उतना ही उसका लचीलापन, क्षमता और दृढ़ संकल्प भी है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि शुद्ध इरादे और अथक समर्पण भारत के रूपांतरण के पीछे की प्रेरक शक्तियां हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज दोनों ही जम्मू-कश्मीर में समृद्धि के उत्प्रेरक के रूप में काम करेंगे। उन्होंने कहा, ₹ये ऐतिहासिक परियोजनाएं न केवल पर्यटन को बढ़ावा देंगी बल्कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को भी लाभान्वित करेंगी, जिससे व्यवसायों और उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे₹। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जम्मू और कश्मीर के बीच बेहतर रेल संपर्क स्थानीय उद्यमियों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगा, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। श्री मोदी ने कहा कि कश्मीर के सेब अब कम लागत पर देशभर के प्रमुख बाजारों तक पहुंचेंगे, जिससे व्यापार में अधिक कुशलता आएगी। इसके अतिरिक्त, सूखे मेवे और कश्मीर के प्रसिद्ध पश्मीना शॉल और अन्य पारंपरिक हस्तशिल्प अब आसानी से देश के हर कोने में पहुंचाए जा सकेंगे, जिससे क्षेत्र के कारीगरों और उद्योग को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बेहतर संपर्क जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए आवाजाही और अधिक सुविधाजनक बनाएगा, जिससे भारत के विभिन्न हिस्सों में आवागमन सुगम हो सकेगा।

श्री मोदी ने संगलदान के एक विद्यार्थी की मार्मिक टिप्पणी साझा की, जिसने कहा कि अब तक केवल उन लोगों ने ही वास्तविक जीवन में रेलगाड़ी देखी थी जिन्होंने गांव से बाहर कदम रखा था। अधिकांश ग्रामीणों ने केवल वीडियो में ही रेलगाड़ियां देखी थीं। उन्हें विश्वास नहीं था कि शीघ्र ही उनकी आंखों के सामने से एक वास्तविक रेलगाड़ी भी गुजरेगी। प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि कई लोगों ने अब रेलगाड़ियों की समय-सारिणी को भी याद करना शुरू कर दिया है और वे नई कनेक्टिविटी को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने एक युवती की एक विचारशील टिप्पणी पर प्रकाश डाला, जिसमें उसने कहा कि अब मौसम यह तय नहीं करेगा

चिनाब और अंजी रेल पुल

नदी से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित वास्तुकला का चमत्कार चिनाब रेल पुल दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 1,315 मीटर लंबा स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और तेज हवा की स्थिति में दृढता के साथ अडिग रहने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पुल का एक प्रमुख लक्ष्य जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाना है। पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के जरिए कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में सिर्फ.3 घंटे लगेंगे, जिससे विद्यमान यात्रा समय में 2-3 घंटे की कमी आएगी।

अंजी ब्रिज भारत का पहला केबल-स्टेड रेल ब्रिज है जो इस चुनौतीपूर्ण भूभाग में राष्ट्र की सेवा करेगा।

कनेक्टिविटी परियोजनाएं और अन्य विकास पहल

प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित किया। 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना, जिसका निर्माण लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है, में 36 सुरंगें (119 किलोमीटर तक फैली हुई) और 943 पुल शामिल हैं। यह परियोजना कश्मीर घाटी और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री ने श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर और वापस जाने वाली दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी झंडी दिखाई।

नालंदा से गया तक छाए रहे राहुल गांधी, महिलाओं से किया संवाद

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

गयाः राहुल गांधी बिहार दौरा पर आए. इस एक दिवसीय दौरा के दौरान गया और नालंदा में जन संवाद का आयोजन हुआ. दोनों जिला एनडीए नेताओं का गढ़ माना जाता है. नालंदा में सीएम नीतीश कुमार और गया में जीतन राम मांझी का कब्जा रहा है. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राहुल गांधी दोनों के गृह जिला को फतेह करना चाह रहे हैं. इसी कड़ी में एक दिवसीय बिहार दौरा पर आए. गया एयरपोर्ट से सीधे राजगीर के लिए रवाना हुए. इसी बीच गहलौर में दशरथ मांझी के समाधि स्थल जाकर नमन किए और परिजन से मुलाकात किए. यहां से राजगीर और फिर गया वापसी हुई. यहां महिलाओं से संवाद किए.

गया में राहुल गांधी ने महिलाओं के साथ संवाद किया. इस दौरान वैशाली से आयी एक महिला ने कहा कि मनरेगा में उनलोगों को साल में सिर्फ 15 से 20 दिन काम मिलते हैं. अगर 100 दिन काम मिले तो अच्छा होगा. इसपर राहुल गांधी ने कहा कि 100 दिन से अगर ज्यादा मिले तो? जवाब मिला तब तो बहुत ही अच्छा होगा. नालंदा में राहुल गांधी ने कहा कि जातीय जनगणना के दो मॉडल हैं, एक बीजेपी का और एक तेलंगाना का. बीजेपी के मॉडल में सवाल कुछ अफसरों ने बंद कमरे में तय किए. उन अफसरों में देश की 90% आबादी का कोई प्रतिनिधि नहीं था. आप लोग भ्रम में मत रहिए, ये जो जाति जनगणना कर रहे हैं, वो असली नहीं है. जिस दिन इन्होंने असली जाति जनगणना कर दी, उसी दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी.

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी को सरेंडर करने की आदत है. मैं आरएसएस से लड़ता हूं और यह बात गहराई से कह रहा हूं कि जैसे ही थोड़ा दबाव पड़ता है, ये लोग तुरंत चिट्ठी लिखने लगते हैं. अब तो जमाना बदल गया है, चिट्ठी नहीं, व्हाट्सएप कर देंगे. ट्रंप ने 11 बार कहा कि उन्होंने मोदी जी से सरेंडर करवा लिया. मोदी जी इसका खंडन भी नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि वो सच्चाई है.

राजगीर में संविधान सुरक्षा सम्मेलन करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि देश की 90% आबादी की सत्ता और फैसलों में कोई भागीदारी नहीं है. मुझे अपने देश की सच्चाई जाननी है, इसलिए मैं देश का एक्स-रे करना चाहता हूं. प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि हिंदुस्तान में जाति नहीं है, तो फिर वे खुद ओबीसी कैसे हो गए? मेरा लक्ष्य है- जातीय जनगणना. मैंने संसद में मोदी जी की आंखों में आंख डालकर कहा कि देश में जाति जनगणना होकर रहेगी.

राजगीर पहुंचे राहुल गांधी ने संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित किया. उन्होंने पहले बिहार की पुरानी परिभाषा सत्य, न्याय और अहिंसा की जमीन कहा. लेकिन नयी परिभाषा 'क्राइम कैपिटल' ऑफ इंडिया बिहार कहा. उन्होंने कहा कि जापान, कोरिया, चाइना, वियतनाम में बिहार से सोच गयी लेकिन लेकिन आपकी सरकार ये सब भूल गए. बड़े शब्दों में बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया. कांग्रेस नेता राहुल गांधी नालंदा के राजगीर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत दलित अतिपिछड़ा के क्षेत्रीय नेताओं द्वारा किया गया. दरअसल राहुल गांधी संविधान सुरक्षा सम्मेलन के एक दिवसीय दौरे पर बिहार आए हैं.

एक दिवसीय बिहार दौरा पर पहुंचे राहुल गांधी नालंदा के राजगीर पहुंच गए हैं. सीएम नीतीश कुमार के गृह जिला पर राहुल गांधी की नजर है. दिल्ली से सीधे गया एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से राजगीर आए. सजन संवाद को संबोधित करने के बाद फिर गया के लिए रवाना हो जाएंगे.

नीतीश कुमार को बड़ा झटका, मुकेश सहनी ने 'खेला' कर दिया

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : बिहार में नीतीश कुमार को झटका लगा है. जदयू के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रवक्ता डॉ सुनील कुमार सिंह शुक्रवार को मुकेश सहनी की पार्टी श्क्ध में शामिल हो गए. मुकेश सहनी ने डॉ सुनील कुमार सिंह एवं अन्य चिकित्सकों को अपने पार्टी की सदस्यता दिलवाई.

15 वर्षों तक खउब्र के रहे साथ : डॉ सुनील कुमार सिंह की गिनती जदयू के वरिष्ठ नेताओं में होती थी. वे 15 वर्षों तक जदयू में पार्टी के प्रवक्ता एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के पद पर थे. डॉक्टर सुनील कुमार सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि नीतीश कुमार के सुशासन बाबू की छवि को देखते हुए उन्होंने राजनीति में कदम रखा. 15 वर्षों तक उन्होंने जदयू के साथ निष्ठा पूर्वक जुड़कर काम किया. लेकिन अब नीतीश कुमार की वैसी छवि नहीं रही, यही कारण है कि उन्होंने जदयू छोड़ने का फैसला किया.

"नीतीश कुमार की जो राजनीतिक छवि सुशासन बाबू की थी, वह अब नहीं है. उनकी शारीरिक एवं मानसिक स्थिति अच्छी नहीं है. एक उम्र होने के कारण नीतीश कुमार की सेहत भी ठीक नहीं रह रही है. यही कारण है कि जिस तरीके का शासन नीतीश कुमार के राज में पहले था, वैसा शासनकाल नहीं चल रहा है. नीतीश कुमार अब चाटुकारों से चारों बगल से घिर चुके हैं. यही कारण है कि जदयू छोड़ने का फैसला कर लिया और अब मुकेश सहनी के नेतृत्व में आगे की राजनीति करेंगे."- डॉ सुनील कुमार सिंह, वीआईपी में शामिल नेता

मुकेश सहनी की आंखों में विजन : डॉ सुनील कुमार सिंह ने मुकेश सहनी से मुलाकात को लेकर एक अजीब बयान दिया. उन्होंने कहा कि मुकेश सहनी उनके पास अपनी आंख दिखाने के लिए आए थे. मुकेश सहनी की आंख देखने के क्रम में उन्हें उनके आंख में पूरे बिहार की तरक्की का विजन दिखाई दिया. जिधर जिधर उसकी आंख घूमती थी, पूरा बिहार उन्होंने घूमते हुए देखा. यही कारण है कि उनके साथ-साथ अपने डॉक्टर में भी मुकेश सहनी के साथ जुड़ने का फैसला लिया.

'सुशासन का असली मॉडल वीआईपी के पास' : डॉ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मुकेश सहनी जिस तरीके से बिहार के विकास को लेकर सोच रहे हैं लग रहा है कि असली सुशासन का मॉडल उन्हीं के पास है. विकास को लेकर हर एक बिंदु पर मुकेश सहनी के पास जो विजन ,है इस विजन पर आगे काम कर बिहार अपनी तरक्की कर सकता है. बिहार के हर वर्ग के लोगों के लिए उनके मन में काम करने का एजेंडा है. इसी से प्रभावित होकर वे लोग आज उनके साथ जुड़े हैं. 'बिहार में निरंकुश सरकार' : श्क्ध सुप्रीमो मुकेश साहनी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि आज जिस तरीके से बिहार में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं, कोई देखने वाला नहीं है. अस्पताल में यदि कोई मरीज भर्ती होता है तो बिना देखे डॉक्टर उसे पटना रेफर कर देते हैं. पूरे स्वास्थ्य सिस्टम को बदलने की जरूरत है, ताकि जहां भी कोई मरीज इलाज के लिए जाए वहां इसका संक्षिप्त इलाज हो सके. बंद कमरे में आज ब्यूरोक्रेट बिहार की सरकार चला रहे हैं. "बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी.

मोदी जी को सरेंडर करने की आदत है', राहुल गांधी ने बिहार को कहा 'क्राइम कैपिटल'

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

नालंदा : "मोदी जी को सरेंडर करने की आदत है. मैं आरएसएस से लड़ता हूं और यह बात गहराई से कह रहा हूं कि जैसे ही थोड़ा दबाव पड़ता है, ये लोग तुरंत चिट्ठी लिखने लगते हैं. अब तो जमाना बदल गया है, चिट्ठी नहीं, व्हाट्सएप कर देंगे. ट्रंप ने 11 बार कहा कि उन्होंने मोदी जी से सरेंडर करवा लिया. मोदी जी इसका खंडन भी नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि वो सच्चाई है." कुछ इसी अंदाज में राहुल गांधी ने पीएम मोदी और केन्द्र सरकार पर बिहार के नालंदा से निशाना साधा.

जाति जनगणना के बहाने ढट मोदी को घेरा : एक दिवसीय दौरे पर राहुल गांधी बिहार पहुंचे. इस दौरान उन्होंने राजगीर अंतर्राष्ट्रीय समागम केंद्र में संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित किया. मेरा लक्ष्य जाति जनगणना है. मैंने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि जाति जनगणना होगी. बीजेपी वाले कभी असली जाति जनगणना नहीं कराएंगे क्योंकि इन्होंने जिस दिन असली जाति जनगणना करा दी, उसी दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी.

"नरेंद्र मोदी हर भाषण में कहते थे- मैं डइउ हूं. फिर जातिगत जनगणना पर कहते हैं कि हिंदुस्तान में तो जाति ही नहीं है, अगर हिंदुस्तान में जाति नहीं है, तो नरेंद्र मोदी कैसे डइउ हो गए."- राहुल गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता

'बिहार बना क्राइम कैपिटल' : राहुल गांधी ने बिहार की वर्तमान स्थिति, जातिगत जनगणना, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय पर केंद्र व राज्य सरकारों को कठघरे में खड़ा किया. उन्होंने कहा कि बिहार सत्य, न्याय और अहिंसा की भूमि है, लेकिन आज इसे क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया बना दिया गया है.

"मैं 2004 में राजनीति में आया. मैंने जब भारत को गहराई से समझा, तब पाया कि देश की राजनीति में 90% लोगों की कोई भागीदारी ही नहीं है. पहले सरकार इलाज कराती थी, अब लोगों को लाखों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं. सरकार निजी अस्पतालों को जमीन देती है, लेकिन आम आदमी की सेहत की जिम्मेदारी से भाग रही है."- राहुल गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता

इखढ का करारा पलटवार : इधर, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बिहार दौरे पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, ₹राहुल गांधी सिर्फ चुनाव के समय ही चुनावी राजनीति में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए बाहर निकलते हैं. वे और उनके परिवार के लोग लंबे समय तक सरकार में रहे, न तो उन्होंने दलितों, न महिलाओं और न ही बिहार के उत्थान के लिए काम किया."

"बिहार को बर्बाद करने वालों, बिहार में हत्या, लूट, अपहरण और बलात्कार का उद्योग चलाने वालों के साथ सत्ता में बैठकर उन्होंने बिहारियों को कैसे अपमानित किया. ऐसी मानसिकता वाले लोग सिर्फ सत्ता की लोलुप्ता में घड़ियाली आंसू बहाते हैं. बिहार के लोग सब जानते हैं, इसका कोई असर नहीं पड़ेगा."- विजय कुमार सिन्हा, उपमुख्यमंत्री, बिहार

दशरथ मांझी के घर पहुंचे राहुल गांधी : बता दें कि राजगीर पहुंचने से पहले गया जिले के गहलौर गांव पहुंचे. 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के परिवार से मुलाकात की. दशरथ मांझी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की. दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी और उनके परिवार के लोगों के साथ कुछ वक्त बिताया

संक्षिप्त समाचार

बकरीद पर्व को लेकर कोडरमा पुलिस प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

कोडरमा संवाददाताः विजय यादव

बकरीद पर्व 2025 को शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर कोडरमा जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) के नेतृत्व में कोडरमा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च से पूर्व एसपी अनुदीप सिंह द्वारा पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ब्रिफिंग के बाद उपायुक्त ऋतुराज (भा.प्र.से.), एसपी अनुदीप सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह (भा.प्र.से.), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह, सर्जन्ट मेजर, तथा अन्य पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं सुरक्षाकर्मियों की उपस्थिति में फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च कोडरमा, तिलैया, चंदवारा, डोमचांच, नवलशाही, मरकच्चो, जयनगर समेत जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में निकाला गया।

शिक्षक के पुत्र अमन कुमार मिश्रा ने कला संकाय में किया हंटरगंज प्रखंड टॉप

दिव्य दिनकर, संवाददाता हंटरगंज (चतरा)।

हंटरगंज प्रखंड के खुटि-केवाल खुर्द गांव निवासी शिक्षक अजय कुमार मिश्रा एवं माता सांत्वना देवी के पुत्र अमन कुमार मिश्रा ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 में कला संकाय से 500 में 426 अंक प्राप्त कर प्रखंड टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। अमन की इस सफलता से परिवार, शिक्षकों और गांव में हर्ष का माहौल है। अमन के पिता अजय मिश्रा बिहार के मोहनपुर स्थित एक निजी विद्यालय में शिक्षक हैं और वहीं से परिवार की जीविका चलाते हैं। अमन ने आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई उत्क्रमित मध्य विद्यालय, हंटरगंज से की, जबकि इंटर तक की शिक्षा रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय, हंटरगंज से प्राप्त की। उसने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुप कुमार, शिक्षक विनय कुमार सिंह सहित परिवारजनों ने अमन को मिठाई खिलाकर बधाई दी। अमन ने बताया कि वह रोजाना करीब 10 घंटे पढ़ाई करता था और आगे चलकर आईएएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहता है।

जिला स्थापना समिति (पंचायत) की बैठक आयोजित, प्रखंड समन्वयकों की संविदा नवीकरण पर हुआ निर्णय

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय कक्ष में जिला स्थापना समिति (पंचायत) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत राज स्वशासन परिषद अन्तर्गत संविदा पर कार्यरत प्रखंड समन्वयकों की सेवा अवधि नवीकरण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।बैठक में गठित समिति द्वारा जिले के 05 प्रखंडों के समन्वयकों के कार्यों की समीक्षा की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारियों द्वारा 14वें एवं 15वें वित्त आयोग तथा अन्य योजनाओं में संबंधित समन्वयकों के कार्यों का मूल्यांकन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। सभी 05 प्रखंड समन्वयकों के कार्यों को संतोषजनक पाया गया है, जिस पर समिति ने उनकी संविदा अवधि के विस्तार की अनुशंसा की।उपायुक्त हेमंत सती ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समन्वयकों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में समन्वयकों की भूमिका अहम है, ऐसे में उनकी सतत निगरानी और मूल्यांकन आवश्यक है।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इनर व्हील क्लब ऑफ देवघर ने पर्यावरण दिवस पे लगाए पौधे

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर इनर व्हील क्लब, देवघर की अध्यक्ष अर्चना भगत द्वारा दीनबंधु स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझा। कार्यक्रम के दौरान अर्चना भगत ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं, और यदि हम उन्हें आज से ही पर्यावरण के प्रति जागरूक करेंगे, तो वे आने वाले समय में धरती को हरा-भरा और सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। उन्होंने बच्चों को समझाया कि प्रकृति से प्रेम करना और पेड़ लगाना न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए जरूरी है इस अवसर पर बच्चों ने पौधे लगाए और यह संकल्प लिया कि वे न सिर्फ पेड़ लगाएंगे, बल्कि उनकी देखभाल भी करेंगे।

हम सबका यह सामूहिक प्रयास हो कि माननीय राष्ट्रपति देवों की नगरी देवघर से एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर प्रस्थान करेः- उपायुक्त

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक- 06.06.2025 को उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने तीर्थपुरोहित समाज व पंडा धर्मरक्षणि सभा के अध्यक्ष, महामंत्री व सदस्यों ने मुलाकात कर माननीय राष्ट्रपति के आगमन को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने माननीय राष्ट्रपति के आगमन के दौरान बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना के संबंध में विमर्श किया। साथ हीं बाबा मंदिर में माननीय राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था, विधि व्यवस्था व आवश्यक प्रोटोकॉल को लेकर बरती जाने वाली सावधानियों से सभी को अवगत कराया। इस दौरान उपरोक्त के अलावे नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, मंदिर प्रबंधक संतोष कुमार, मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

ईद उल जुहा (बकरीद) पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

असामाजिक तत्वों के साथ सोशल मीडिया पर रखी जायेगी नजर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक 06.06.2025 को समाहरणालय सभागार में ईद उल जोहा (बकरीद) पर्व को लेकर समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले में शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने एवं विधि व्यवस्था के संधारण को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही अनुमंडल व प्रखंड स्तर पर शांति समिति की बैठक की जानकारी से उपायुक्त अवगत हुए। बैठक में जिला उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाया जाए। इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। आगे उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को पर्व के दौरान शहर के समस्त चौक चौराहों व महत्वपूर्ण स्थान पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुरक्षा बल तैनात करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही उपायुक्त ने असामाजिक तत्वों के अलावा सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने का

निर्देश दिया ताकि किसी शरारती तत्व द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह न फैलाई जाय, ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा बकरीद की नमाज के लिए जिले के विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा करने की समय की भी जानकारी दी गई। उन्होंने बकरीद के दिन पूरे शहरी क्षेत्र में साफ-सफाई करने का निर्देश दिया। पेयजल विभाग को निर्देश दिया कि क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था समुचित रखेंगे। बिजली विभाग के अधिकारियों से कहा कि बिजली की व्यवस्था अच्छी रहे, ताकि बकरीद के दिन लोगों को परेशानी नहीं हो। इसके अलावा उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं सभी पुलिस पदाधिकारी को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है। साथ ही चौबीसों घंटे कंट्रोल रूम को एक्टिव रखने का निर्देश दिया गया, ताकि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी किसी को न हो। इस दौरान उपरोक्त के अलावा* अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपी, सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, टाउन थाना प्रभारी, ट्राफिक इन्स्पेक्टर डीएमएफटी की टीम व संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

मगध कोल परियोजना में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह के साथ मनाया

दिव्य दिनकरःसंवाददाता

टंडवाःचतरा। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर, महाप्रबंधक कार्यालय, बाचरा और परियोजना कार्यालय, कुंडी में बहुत उत्साह के साथ समारोह आयोजित किया गया।इस वर्ष के विषय के आसपास केंद्रित था प्लास्टिक प्रदूषण की सफाई₹की शुरूआत एक झंडा फहराने के समारोह के साथ हुई,जो महाप्रबंधक नृपेंद्र नाथ द्वारा जीएम कार्यालय में और परियोजना अधिकारी एस सत्यनारायण द्वारा परियोजना कार्यालय, कुंडी में आयोजित किया गया। इसके बाद पर्यावरण दिवस शपथ ली गई, जहां सभी उपस्थित लोगों ने पृथ्वी को प्रदूषण से बचाने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया। सीएमडी (अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक) के संदेश को भी इस कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किया गया,कंपनी की टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं के लिए चल रही प्रतिबद्धता को रेखांकित चर्चा हुआ। पर्यावरण जागरूकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए, निबंध लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण आयोजित किया गया।जिसे छात्रों और कर्मचारियों से उत्साही भागीदारी रहा। उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण कई स्थानों पर आयोजित ट्री प्लांटेशन ड्राइव, जिसमें पार्टिशा,नये जीएम कार्यालय चामातु (अर्पिता महिला मंडल द्वारा), और कोयला स्टॉक नंबर 36 शामिल हैं एक पेड माँ के नाम₹ (मां के नाम में एक पेड़) शीर्षक से पहल के तहत कुल मिलाकर, लगभग 200 पौधे लगाए गए। इसके अतिरिक्त, स्थानीय ग्रामीणों और मगध ओसीपी और मगध-संघमित्रा क्षेत्र के कर्मचारियों के बीच 400 पौधों को वितरित किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।इस आयोजन में कई गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों की उपस्थिति देखी गई, जिसमें जीएम नृपेन्द्र नाथ, प्रोजेक्ट ऑफिसर एस सत्यनारायण, एसओ (ई एंड एम) नालिन चंद,(ई एंड एफ)मनीष सिन्हा, अधिकारियों के साथ अभिषेक आनंद,राजेश कुमार,मिरीजकक, अमरजीत कुमार,उनकी सक्रिय भागीदारी और प्रोत्साहन ने सभी उपस्थित लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ एक दृढ़ रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया और एक क्लीनर, हरियाली भविष्य में योगदान दिया।

देवघर में स्वास्थ्य सेवाओं के मूल्यांकन व एक्शन प्लान बनाने हेतु रेज टूल पर आधारित बैठक का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर, स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी निगरानी और मूल्यांकन के उद्देश्य से जिला सिविल सर्जन के निदेर्शानुसार, रेज टूल की बैठक का आयोजन देवघर के सदर अस्पताल सभागार में डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा एसीएमओ की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य रेज टूल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का सटीक मूल्यांकन और सुधार की रणनीति तैयार करना था। उपरोक्त के अलावे बैठक में डॉ प्रभात रंजन उपाधीक्षक सदर अस्पताल, समरेश सिंह जिला कार्यक्रम प्रबंधक, प्रवीन सिंह डीपीसी, डॉ. शरद कुमार वरीय दंत चिकित्सा पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शब्दकांत मिश्रा, डॉ पुष्पा, राजीव रंजन - एनयूएचएम और पीएसआई इंडिया के राज्य प्रतिनिधि सुनील कुमार, जिला प्रतिनिधि प्रशांत कुमार सिंह, सहित अन्य स्वास्थ्य पदाधिकारी

उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य केंद्रों पर सेवाओं की गुणवत्ता और निगरानी के लिए रेज टूल के प्रयोग को लेकर विशेष चर्चा हुई। इसके माध्यम से स्वास्थ्य योजनाओं की सटीक स्थिति का आकलन कर सेवाओं में पारदर्शिता और सुधार लाने पर जोर दिया गया। डॉ. शर्मा ने कहा, ह्लरेज टूल के उपयोग से स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी अधिक सटीक होगी और इसके परिणामस्वरूप सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा। बैठक के समापन पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश ने स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की सराहना की और भविष्य में सहयोग की अपेक्षा की।

झारखंड इंटर कला रिजल्टः राज्य में सातवां और देवघर जिला टॉपर बनकर

स्वीटी बरनवाल ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय केंदुआ देवीपुर का किया नाम रौशन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड राज्य में इंटर कला का रिजल्ट गुरुवार को जारी हो गया। जिसमें राज्य में सातवां और देवघर जिला के टॉपर बनकर केंदुआ निवासी स्वीटी बरनवाल ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय केंदुआ का किया नाम रौशन की है। स्वीटी बरनवाल के पिता संजय बरनवाल ने इसी विद्यालय के सामने एक छोटा सा गुंगटी में छोटा का स्टोर चलाते हैं। वहीं माता रेणुका देवी वर्णवाल गृहणी हैं। स्वीटी बरनवाल ने अपने दम पर बिना ट्यूशन के सिर्फ व सिर्फ विद्यालय के शिक्षक के मार्गदर्शन में पढ़ाई कर 500 में 460 लाई है। जो राज्य में सातवां और जिला टॉपर रही। उसने मोबाइल पर संवाददाता को बताई है कि वे अभी पुणे में माता जी के साथ हैं। जहां अपनी बहन के घर घुमने गई हैं। वह अच्छे परिणाम आने से काफी खुश हैं। उसने यह भी बताई कि वह बंगाल बोर्ड से मीट्रिक की परीक्षा 70 प्रतिशत अंक के साथ पास कर वापस अपने गांव आकर इस विद्यालय में इंटर कला में नामांकन ली और अंग्रेजी कोर, हिंदी इलेक्टिव, इतिहास, भूगोल और कंप्यूटर विषय रखी। इसके बाद लगातार दो वर्ष उत्क्रमित उच्च विद्यालय केंदुआ देवीपुर के प्रधानाध्यापक दिलीप मंडल के निर्देशन में और शिक्षकगण राजेंद्र महतो, अमर प्रसाद, अवधेश मंडल,

गौरव कुमार व सोनू कुमार के द्वारा कक्षा में उचित मार्गदर्शन में अध्ययन कर बेहतर परिणाम हासिल की। उसने बताई हैं कि वे ऑनर्स पेपर के रूप में भूगोल या इतिहास विषय रख सकती हैं। लेकिन एक अच्छे कॉलेज देवघर से बाहर रांची में तलाश हैं। वहीं रहकर वे ऑनर्स के साथ कॉम्पिटिन की तैयारी करेगी। उनके पिता संजय बरनवाल बताते हैं कि बेटी की रिजल्ट से उसके और परिवार का मनोबल बढ़ा है। आगे उसकी पढ़ाई जारी तन मन से रखेंगे। कहा कि हम अभिभावक के कम पढ़े लिखे होने के बावजूद मेरी बेटी अच्छा परिणाम लाकर नाम रोशन की है। वहीं माता रेणुका देवी बरनवाल ने उसकी आगे की पढ़ाई के लिए उसे हौसला बढ़ाएंगे और हमलोग जितना हो सके भरपूर सहयोग करेंगे। उसे उसके घरवाले ने मोबाइल और सोशल मीडिया पर लगातार बधाई दे रहे हैं।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का कार्यकर्ता सम्मेलन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के बरनवाल सेवा सदन में दिनांक 09 जून 2025, दिन सोमवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने के लिए आज बैठक सम्पन्न हुआ यह सम्मेलन प्रमंडलीय अध्यक्ष आदरणीय प्रमोद चौधरी की अध्यक्षता और जिला अध्यक्ष राजकुमार बरनवाल की देखरेख में आज का तैयारी समिति की बैठक संपन्न कराया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में वैश्य उपजाति के सभी समुदाय के प्रतिनिधि सादर आमंत्रित हैं!

विशेष सम्मान समारोह!

इस अवसर पर, हमें यह घोषणा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमंडलीय महासचिव, आदरणीय गजेंद्र केसरी जी,अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर चयनित होने पर ! उनकी इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए,मुख्य रूप से वैश्य मोर्चा के केंद्र सचिव ध्रुप साह की उपस्थिति में, गजेंद्र केसरी को पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया। आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है!

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मदरसा इस्लामिया महमूदिया एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट (रजिस्टर्ड) द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष जनाब शाकिर इस्लाही, रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष जनाब शमीम अख्तर आजाद एवं समाजसेवी जमील अख्तर ने मिलकर पौधे लगाकर ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणामों के प्रति जनता को जागरूक किया। इन समाजसेवियों ने पर्यावरण संरक्षण को हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य बताया और युवाओं से अधिकाधिक वृक्ष लगाने की अपील की। उन्होंने

कहा कि पेड़-पौधे न केवल वातावरण को स्वच्छ रखते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करते हैं। इस अवसर पर स्थानीय बच्चों और बुजुर्गों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, और संकल्प लिया कि वे आने वाले वर्षों में भी पर्यावरण की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

मंडरो प्रखंड में विधेयक के नेतृत्व में दिव्यांगों एवं वृद्धों के बीच निःशुल्क मेडिकल उपकरणों का वितरण

मंडरोः आकांक्षी प्रखंड मंडरो में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिमको) द्वारा पूर्व में आयोजित असेसमेंट कैंप के माध्यम से चयनित दिव्यांग तथा वृद्ध ग्रामीण लाभुकों को निःशुल्क मेडिकल उपकरणों का वितरण किया गया। यह वितरण एडीप तथा राष्ट्रीय व्योश्री योजना के तहत किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन थे । जिनके कर-कमलों से कुल 77 लाभुकों के बीच विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैशाखी, कान की मशीन, छड़ी, स्मार्टफोन, चश्मा तथा अन्य दैनिक उपयोग में आने वाले सहायक उपकरण शामिल थे।इस अवसर पर विधायक श्री सोरेन ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक इस प्रकार की सहायता पहुँचाना सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने लाभुकों से उपकरणों का सही उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने की अपील की।कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी मेघनाथ उरांव, झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा स्थानीय प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा लाभुकों के परिवारजन उपस्थित रहे।

मानव सेवा ही धर्मःअमित मिश्रा

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े लायन अमित मिश्रा ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत कपिल फाउंडेशन सामाजिक संस्था को 51 छाता डोनेट किया।यह छाता धूप एवं बरसात के पानी से बचने के लिए फाउंडेशन द्वारा जरूरत मंद लोगों के बीच वितरण किया जाएगा।मौके कपिल फाउंडेशन के संरक्षक गगन कुमार ने अमित मिश्रा के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा लायन अमित मिश्रा में सेवा की भावना कुट कुट कर भरी हुई है पूर्व में ही उन्होंने फाउंडेशन को सामाजिक सहयोग

की थी।इसके पूर्व कपिल फाउंडेशन एवं बृहत अशोक नगर व्यापार संघ के तत्वावधान मे अशोक नगर स्थित होटल कावेरी में लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के लायन अमित मिश्रा को आगामी सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर गर्म जोशी से स्वागत किया गया।इस मौके पर बृहत अशोक नगर व्यापार संघ के अध्यक्ष निशांत चंद्रयान,सचिव आकाश देव एवं अजय कुमार,अमर सिंह,जिम्मी जी,कपिल फाउंडेशन के गगन कुमार,वीनू शर्मा,राजकिशोर राणा एवं अन्य लोग मौजूद थे। अपनी प्रतिक्रिया मे लायन अमित मिश्रा ने कहा गरीब जरूरतमंदों की सेवा करने से मन मे सकून मिलता है।मानव सेवा ही धर्म है।यह जानकारी लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के पीआरओ शिव किशोर शर्मा ने दी है।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के लिए प्रखंड स्तरीय योग प्रशिक्षण का आयोजन हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

साहिबगंजः बोरियो प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के लिए प्रखंड स्तरीय योग प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। बीपीओ राजेश्वरी प्रसाद सिन्हा ने बताया कि प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण शिक्षकों को दिया गया। प्रशिक्षित शिक्षक का आगामी 9 जून को अपने-अपने संकुल में जाकर सुबह 8:00 बजे सूर्य नमस्कार योग का प्रशिक्षण देंगे। संकुल स्तरीय योग प्रशिक्षण में प्रत्येक विद्यालय से एक-एक शिक्षकों को भाग लेना है। मौके पर अवधेश कुमार सिंह, महेंद्र ठाकुर, अमित कुमार सिंह, सोना मुर्मू, गंगा प्रसाद साह, प्रदीप कुमार सिंह, आदि शिक्षकगण उपस्थित थे।

अभाविप रफीगंज इकाई के द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रफीगंज इकाई के द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रांशु सिंह राजपूत के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, रफीगंज प्रखंड के आरबीआर हाई स्कूल में पौधा रोपण किया गया !हार्दिक सिंह राजपूत ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में 5 जून को मनाया जाता है। वर्ष 1972 में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने हेतु 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने की थी। इसे 5 जून से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में चर्चा के बाद शुरू किया गया ! जिसमे उपस्थित अनीश कुमार,मोहन कुमार,गुप्ता कुमार,श्याम कुमार ,विकाश कुमार के साथ अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे !

आर्म्स एक्ट में दोषी को दो साल की सजा सुनाई गई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में एसीजेएम -चार न्यायधीश प्रदीप चंद्रा ने बारूण थाना कांड संख्या -277/09 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए एक मात्र अभियुक्त को सजा सुनाई है, अनुमंडलीय अभियोजन पदाधिकारी संजय कुमार सिंह और विकास कुमार ने बताया कि अभियुक्त सुरेन्द्र दुसाध, (पासवान)नवाडीह बारूण को आर्म्स एक्ट की धारा -25 में 02 साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है और धारा 26 में दो साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है, दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सुचक शिवनारायण महतो पुलिस अवर निरीक्षक बारूण ने 22/11/09 को अभियुक्त पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि अभियुक्त पर पिछले दो केस में वारंट और कुर्की आदेश के पालन में दलबल के साथ अभियुक्त के घर गया,न्यायिक आदेश के पालन के दौरान अभियुक्त के बिछावन के नीचे से लोहे के देशी पिस्तौल बरामद किया गया जिसकी दस्वावेज मांगने पर कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया तब जप्ति सुची बनाकर प्राथमिकी दर्ज किया गया था।

मांडर, सड़क दुर्घटना में स्कूटी पर सवार चार घायल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - एनएच 75 में मांडर थाना के समीप गुरुवार की रात को एक कार की चपेट में आकर स्कूटी पर सवार दो बच्चों समेत एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गये. घायलों में स्कूटी चालक मघी उरांव 45 वर्ष, उसकी पत्नी सुमरी उरांव 35 वर्ष, पुत्री खुशी उरांव 12 वर्ष व आकाश मिंज 8 वर्ष शामिल हैं. मघी उरांव को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना रात करीब नौ बजे की बताया जा रहा है कि चान्हो के लुंडरी गांव निवासी मघी उरांव अपनी पत्नी व बच्चों के साथ ब्राम्बे से एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद स्कूटी में अपने घर जा रहा था. इसी क्रम में सामने से आ रहे एक कार ने उन्हें चपेट में ले लिया. हादसे के बाद घायलों को मौके पर पहुंची पुलिस व ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया !

ऑपरेशन स्नो लेपर्ड में शहीद हुए सारण के सपूत देव किशोर साह को पटना एयरपोर्ट पर दी गई राजकीय श्रद्धांजलि

पटनाः

देश की रक्षा करते हुए ऑपरेशन रल्लङ्गद्ध छीङ्गस्त्रंश् में वीरगति को प्राप्त हुए बिहार के लाल नायक (ठ') देव किशोर साह को आज पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सारण जिले के बनियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनों बाबुरिया टोला निवासी शहीद देव किशोर साह (No 4293321K), 19 बिहार रेजिमेंट के जवान थे। उन्होंने 5 जून 2025 को दुर्गम परिस्थितियों में युद्ध जैसी कार्रवाई करते हुए मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। शहीद का पार्थिव शरीर 6 जून को सुबह 9:15 बजे पटना एयरपोर्ट पहुंचा, जहां उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर राज्य सरकार, सैन्य अधिकारियों और पुलिस प्रशासन के साथ-साथ भूतपूर्व सैनिकों ने भी उनकी वीरता को नमन किया। गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, पटना के एसएसपी अवकाश कुमार, और सैनिक कल्याण निदेशालय, बिहार के निदेशक ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर वीर सपूत को श्रद्धांजलि दी। देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद देव किशोर साह की यह शहादत न सिर्फ बिहार, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उनकी वीरता, साहस और समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री से की मुलाकात

नक्सल ऑपरेशन की उपलब्धियों और बस्तर के विकास की दी जानकारी

नई दिल्ली, ।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में माओवादी विरोधी अभियानों की अब तक की सफलताओं और बस्तर अंचल में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया गया है। विगत डेढ़ वर्ष में चलाए गए सघन अभियानों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। 1,428 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो बीते पांच वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। मुख्यमंत्री साय ने अवगत कराया कि 205 मुठभेड़ों में 427 माओवादी मारे गए, जिनमें संगठन के शीर्ष नेता महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं। इसके साथ ही, राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है, जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि इन सुरक्षा कैंपों के आसपास बसे गांवों तक अब बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुँचाई जा रही हैं। ह्यनियद नेल्लानार योजनाह्न के अंतर्गत चिन्हित 146 ग्रामों में एकीकृत रूप से 18 प्रकार की सामुदायिक सेवाएं और 25 प्रकार की शासकीय योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों का विश्वास शासन तंत्र में बढ़ा है। गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री साय द्वारा प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से माओवादी गतिविधियों पर निर्णायक नियंत्रण संभव हो रहा है और केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहायता देती रहेगी।

कोर्ट द्वारा नियुक्त प्रबंधन में गहराया यूनिटेक का संकट, कुप्रबंधन से 40,000 करोड़ की संपत्ति मूल्य को नुकसान

घर खरीदारों को नहीं मिला न्याय, पुनरुद्धार देने में असफल रहा कोर्ट-नियुक्त नेतृत्व

नई दिल्ली ,।

कभी भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र की सबसे मजबूत कंपनियों में शुमार रही यूनिटेक लिमिटेड आज नेतृत्व और सुशासन के गहरे संकट का सामना कर रही है। 2020 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रबंधन के अधीन आने के बाद भी, कंपनी की स्थिति लगातार बिगड़ती गई है, जिससे पारदर्शिता, नियत और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस संकट के केंद्र में हैं प्रबंध निदेशक युधवीर सिंह मलिक, जिनके कार्यकाल में कंपनी को बढ़ते घाटे, संपत्तियों के गलत मूल्यांकन और बढ़ती कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। विशेषज्ञों और हितधारकों का मानना है कि जिस पुनरुद्धार की उम्मीद थी, वह अब नौकरशाही की जकड़ में फंस कर रह गया है, जिससे विश्वास की हानि और कंपनी की असली संभावनाएं दब गई हैं। यूनिटेक के पास नोएडा, गुरुग्राम और चेन्नई जैसे क्षेत्रों में हजारों एकड़ प्रमुख जमीन है। जानकारों का मानना है कि इन जमीनों का विवेकपूर्ण मुद्रीकरण कंपनी के बकाया दायित्वों का समाधान कर सकता था और रुकी हुई आवासीय परियोजनाएं भी शुरू की जा सकती थीं। लेकिन वर्तमान रिजॉल्यूशन प्लान (RP) में नोएडा की जमीन की कीमत मात्र 5,641 करोड़ बताई गई है, जबकि स्वतंत्र अनुमान इसके 40,000 करोड़ से अधिक होने की बात कहते हैं। इतना ही नहीं, प्फ्छ में चालू परियोजनाओं से संभावित आय को नजरअंदाज किया गया है और मूल्यांकन में पुराने मानकों का प्रयोग किया गया है, जिससे जानबूझकर मूल्य को कम दिखाने की आशंका जताई जा रही है। मलिक के कार्यभार संभालने के बाद से यूनिटेक को 5,000 करोड़ से अधिक का संचयी घाटा हो चुका है। केवल नोएडा प्राधिकरण के बकाया भुगतान 2,700 करोड़ से बढ़कर 11,000 करोड़ हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट दिवालियापन नहीं बल्कि समय पर निर्णय न लेने, खराब वित्तीय प्रबंधन और बाजार की अनदेखी का परिणाम है। कंपनी के कानूनी मामलों में भी तेजी से वृद्धि हुई है। समाधान की बजाय प्रबंधन ने नौकरशाही रवैया अपनाया है जिससे लंबित विवाद और देरी और बढ़ गई है।

न्यायपालिका और सरकार से अपील

हितधारक माननीय सर्वोच्च न्यायालय और केंद्र सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि वे मौजूदा नेतृत्व को हटाएं, वर्तमान प्फ्छ की समीक्षा करें और ऐसा नेतृत्व नियुक्त करें जो न्यायपालिका के मूल उद्देश्य को ईमानदारी से पूरा कर सके, घर खरीदारों को न्याय और यूनिटेक का पुनरुद्धार।

एनएफआर महिला कल्याण संगठन ने फिक्की एफएलओ नॉर्थईस्ट के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मनाया

मालीगांव, :

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे महिला कल्याण संगठन (एन.एफ.आर.डब्लू.डब्ल्यू.ओ.) ने फिक्की एफएलओ नॉर्थईस्ट के सहयोग से 5 जून 2025 को गुवाहाटी के मालीगांव स्थित अपने सिरिशा रेल उद्यान में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पौधारोपण अभियान का नेतृत्व एन.एफ.आर.डब्ल्यू.डब्लू.ओ. की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव ने अन्य पदाधिकारियों के साथ मिलकर किया, जिससे नेतृत्व और प्रतिबद्धता को एक मजबूत संदेश मिले। ह्लवैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करनाह्व थीम पर केंद्रित इस पहल में जागरूकता संदेश के साथ पौधारोपण गतिविधियाँ शामिल थीं। यह पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति एन.एफ.आर.डब्ल्यू.डब्लू.ओ. की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) अपने ₹गो ग्रीन इनिशिएटिव₹ के तहत पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए हरित पहलों के व्यापक स्वरूप को सक्रियता से आगे बढ़ा रहा है। प्रमुख कार्यों में 2025 के अंत तक 100% बिजलीकरण की दिशा में तेजी से प्रगति होना शामिल है, जिसमें 70% से अधिक रेल नेटवर्क अब तक कवर हो चुका है, जो कार्बन-तटस्थ परिवहन के भारतीय रेलवे के विजन के अनुरूप है। अक्षय ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देने के लिए, पू. सी. रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और कारखानों में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित कर रहा है। वर्षा जल संचयन, जल निकायों की बहाली और पानी की बबार्दी को कम करने के लिए प्रमुख स्थानों पर स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट और क्विक वाटरिंग प्लांट की स्थापना कर जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में, एनएफआर अपने नेटवर्क में अपशिष्ट पृथक्करण, खाद तैयार करने, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने और भस्मक एवं जैव-शौचालय स्थापित कर जीरो-वेस्ट स्टेशनों को बढ़ावा दे रहा है। इसके अलावा, वनरोपण और हरित क्षेत्र विकास परियोजनाएँ बड़े पैमाने पर शुरू की जा रही हैं। इन पहलों के माध्यम से, एनएफआर एक स्वच्छ, हरित और अधिक सुदृढ़ रेल पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। अपने परिचालन के क्षेत्र में पर्यावरण की रक्षा और स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति एनएफआर की प्रतिबद्धता दृढ़ है। एनएफआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ और फिक्की एफएलओ द्वारा जागरूकता पहलों के साथ बुनियादी संरचना का अपग्रेड करते हुए, यह जोन रेलवे विकास को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ने में उदाहरण पेश कर रहा है।

जिला पदाधिकार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक संपन्न हुई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति, श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जिले में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं की प्रवृत्ति, उनके कारणों, तथा रोकथाम हेतु उठाए जा सकने वाले ठोस एवं प्रभावी उपायों पर गंभीरतापूर्वक विमर्श किया गया। बैठक के आरंभ में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले में विगत महीनों में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार मई 2025 तक जिले में सड़क दुर्घटनाओं में 177 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 100 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने इसे अत्यंत ही गंभीर और चिंताजनक बताया तथा संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा को लेकर विभागीय समन्वय और कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। जिला पदाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने हेतु सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थलों पर आवश्यक संरचनात्मक सुधार जैसे-साईनेज, चेतावनी बोर्ड, रंबल स्ट्रिप्स एवं स्पीड ब्रेकर इत्यादि की शीघ्र स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अभियंताओं को दिया। साथ ही, उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की रोकथाम हेतु जिले में हेलमेट एवं सीट बेल्ट जाँच अभियान को और अधिक सघन, सुनियोजित तथा परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता जताई। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग, बिहार, पटना से प्राप्त निदेशों के आलोक में औरंगाबाद जिले में लगातार विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक तथा सभी थाना प्रभारी नियमित रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट की जांच कर रहे हैं। नियम उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए शमन शुल्क की वसूली की जा रही है। अप्रैल और मई 2025 में विभाग द्वारा निर्धारित 72 लाख रुपये के राजस्व लक्ष्य के विरुद्ध 1 करोड़ 21 लाख 66 हजार रुपये की राशि वसूली गई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 168.97 प्रतिशत है, जो अभियान की सफलता को दशार्ता है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में संचालित वाहनों की सघन जांच की जा रही है, जिसके तहत अब तक 48 डिफाल्टर वाहनों पर शमन की कार्रवाई की गई है तथा यह प्रक्रिया सतत रूप से संचालित है ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हिट एंड रन मामलों की अद्यतन जानकारी साझा करते हुए यह बताया गया कि 1 अप्रैल 2022 से अब तक जिले में इस श्रेणी के अंतर्गत कुल 350 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 335 मामलों को जिला पदाधिकारी द्वारा अनुमोदित कर बीमा कंपनी (ऋक्रछ, मुंबई) को अग्रसारित किया गया है। इनमें से अब तक 259 लाभुकों के खातों में मुआवजा राशि का भुगतान हो चुका है। वहीं नन हिट एंड रन श्रेणी में जिले से कुल 122 मूल संचिकाओं को ट्रिब्यूनल कोर्ट, गया में भेजा गया है, जिनका निराकरण प्रचलन में है।बैठक में सभी सदस्यों द्वारा सड़क सुरक्षा की दिशा में सामूहिक प्रयास, जन-जागरूकता अभियान, विभागीय समन्वय तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा सड़क सुरक्षा की दिशा में सामूहिक प्रयास, जन-जागरूकता अभियान, विभागीय समन्वय तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक द्वारा सभी थानाध्यक्षों को निदेशित किया गया कि प्रत्येक माह सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सभी अभिलेख जैसे-प्राथमिकी प्रतिलिपि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, बीमा कागजात आदि की एक प्रति जिला परिवहन कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि मामलों के निपटारे में विलंब न हो और संबंधित लाभुकों को समय पर सहायता प्राप्त हो सके। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), सिविल सर्जन औरंगाबाद, परियोजना निदेशक एनएचएआई सासाराम, एनएच-139 एवं एनएच-120 के प्रतिनिधिगण, जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक सहित अन्य विभागीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

होटल मैनेजमेंट में भविष्य उज्जवल होगा विद्यार्थियों का

रिपोर्ट – निशांत कुमार

हसपुरा(औरंगाबाद) देश - दुनिया का प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से संबद्ध बोधगया स्थित आईएचएम के प्रोफेसरों की टीम ने शुक्रवार को हसपुरा प्रखंड के कई शिक्षण संस्थानों का दौरा किया। छात्रों के साथ वार्ता कर बारहवीं के बाद होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में विभिन्न डिग्री कोर्स के बारे में जानकारी दिया।टीम में शामिल कॉलेज के प्रफेसर अभिषेक कुमार सिन्हा, डॉ. वैभव सिंह चौहान व काउंसलर ऐश्वर्या रॉय ने बताया की आज पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों की सबसे बड़ी समस्या नौकरी की है। परंपरागत कोर्स में उतना जॉब अपॉरचुनिटी नहीं है। पढ़ाई में औसत दर्जे का छात्र भी अगर होटल मैनेजमेंट का तीन वर्षीय स्नातक कोर्स या डेढ़ बर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर लेते है तो उनकी नौकरी पक्की है।क्योंकि देश के अंदर और बाहर होटल मैनेजमेंट किये छात्र - छात्राओं का भारी मांग है।अभी स्थिति ऐसी है कि एक छात्र को दो से तीन नियोक्ता संस्थानों से आकर्षक सैलेरी पर जॉब का ऑफर आता है। आईएचएम बोधगया की टीम सबसे पहले ब्लॉक परिसर में बिहार सरकार द्वारा संचालित कुशल युवा केन्द्र के छात्र - छात्राओं के साथ मीटिंग किया।इस दौरान छात्रों - छात्राओं के सवालों का जबाब देते हुए बताया की होटल मैनेजमेंट का क्षेत्र सिर्फ होटल व्यवसाय ही नहीं है जहाँ भी लोगों को रुकना या खाना होता है वहाँ इस कोर्स का मांग है। यह संस्थान बिहार सरकार व भारत सरकार के पर्यटन विभाग का सयुक्त उपक्रम है। छात्रों को प्रमाण पत्र जेएनयू दिल्ली से निर्गत किया जाता है।सबसे बड़ी बात यह है की इस कोर्स को करने के लिए कोई उम्र सीमा नहीं है।12वी पास किसी भी उम्र का छात्र एंट्रेंस परीक्षा पास कर दाखिला ले सकता है। नए सत्र में एडमिशन के लिए 10 जून तक ऑनलाइन फॉर्म भरने का समय है इच्छुक छात्र विभागीय वेवसाइट पर आवेदन कर सकते है। आईएचएम के टीम ने हसपुरा आईटीआई हसपुरा, आनंद संगीत महाविद्यालय के छात्रों के साथ मीटिंग कर उन्हें कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए।होटल मैनेजमेंट बहुत ही लोकप्रिय प्रोफाइल है महानगरीय छात्रों खूब आकर्षित करता है यह सौभाग्य की बात है कि अब बोधगया में भी आईएचएम का संस्थान है।इस मौके पर केवाईपी संचालक शम्भू शरण सत्यार्थी, आईटीआई के निदेशक श्रीकांत प्रसाद, आनंद संगीत महाविद्यालय के निदेशक अरविंद कुमार वर्मा,अभय कुमार, शिक्षक सुनील बॉबी समेत कई लोग उपस्थित थे।

बिहार के पठारी जिलों में मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए शुरू हुई तालाब निर्माण योजना, मिलेगा 80 तक अनुदान

पटनाः

बिहार सरकार मत्स्य पालन के जरिए उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा दे रही है। पशु और मत्स्य संसाधन विभाग के मत्स्य निदेशालय के द्वारा पठारी क्षेत्र तालाब निर्माण आधारित मत्स्य पालन कि योजना (२ू एवं २३) वर्ग के लिए शुरू किया है इस योजना के मुख्य उद्येश्य तालाब निर्माण एवं सम्बद्ध सहायक ईकाइयों का अधिष्ठापन कर मत्स्य पालन को बढ़ावा देकर रोजगार का सृजन करना है। इस योजना का क्रियान्वयन दक्षिण बिहार के चिन्हित पठार बाहुल्य जिला यथा बांका, औरंगाबाद, गया, कैमुर, नवादा, जमुई, मुंगेर एवं रोहतास में किया जा रहा है। इस योजनान्तर्गत मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए 1 एकड़ क्षेत्र में न्यूनतम 0.4 एकड़ जल क्षेत्र को तालाब निर्माण पर पैकेज इकाई के तहत अनुदान राशि का लाभ दिया जा रहा है। इसके अलावा तालाब का निर्माण, टयूबवेल एवं सोलर पंप का अधिष्ठापन, निर्मित तालाब हेतु उन्नत इनपुट एवं तालाब क्षेत्र का निर्माण कराया जा रहा है। मत्स्य पालन से रोजगार को बढ़ावा देने हेतु इस योजना में लाभुको को संबद्ध इकाईयों के अधिष्ठापन पर रू 16.70 लाख प्रति एकड़ जल क्षेत्र का 80 प्रतिशत सब्सिडी अनुदान दिया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति अधिकारिक वेबसाइट https://state.bihar.gov.in/ahd/CitizeHome.html पर एवं संबंधित जिला मत्स्य कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। यह योजना बिहार के पठारी क्षेत्र में मत्स्य पालन को एक उद्यम के रूप में स्थापित करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

जिले के वरीय अधिवक्ता बृजा प्रसाद सिंह को सरकारी वकील दर्जा प्राप्त हुआ

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

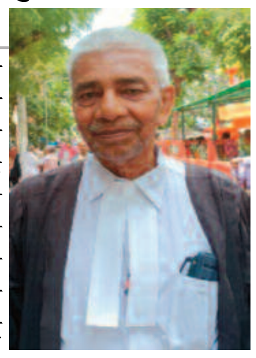

औरंगाबाद :- जिला विधिज्ञ संघ के वरीय अधिवक्ता बृजा प्रसाद सिंह को बिहार सरकार ने सरकारी वकील (जी. पी) बनाया है , लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल,जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, अशोक पासवान,अरबिंद कुमार केनेडी, दिलीप कुमार,अजय कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद, पूर्व जी. पी बैजनाथ प्रसाद कर्ण, स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता,संतन प्रसाद सिंह, रामप्रवेश ठाकुर, सुर्दशन यादव, भगवान सिंह,सोनु सिंह, नीरज कुमार सिंह, संतोष कुमार, ब्रजेश तिवारी, सिद्धार्थ,अभय कुमार सिंह, हरिहर प्रसाद सिंह, संजय कुमार सिंह, कामख्या प्रसाद, सत्येन्द्र दुबे, कृष्णा प्रसाद,लक्ष्मण प्रसाद,रवि कुमार वर्मा, प्रमोद कुमार सिंह, सतीश कुमार स्नेही,रजी अहमद,लोरिक यादव ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

निर्जला एकादशी के दिन विष्णु धाम में किया गया पूजा पाठ विशेष फलदाई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में निर्जला एकादशी के मौके पर विष्णु धाम परिसर स्थित भगवान विष्णु एवं सभी देवी देवताओं की षोडशोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की गई ।वर्तमान महंत बालकानंद ब्रह्मचारी के नेतृत्व में वेद मंत्रोंच्चार के साथ बताने के संगम तट के पवित्र जल से सभी देवी देवताओं का जलाभिषेक किया गया ।तत्पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने विष्णु धाम परिसर का अवलोकन करते हुए बताया कि विष्णुधाम प्रकृति का अनमोल धरोहर है मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर अवस्थित इस स्थल का वर्णन पुराणों में भी वर्णित है ।निर्जला एकादशी के संबंध में महंत जी ने बताया कि इस एकादशी को करने से चौबीस एकादशी करने का फल प्राप्त होता है। इस एकादशी का महत्व अति महत्वपूर्ण है जो व्यक्ति निर्जला एकादशी के दिन संगम तट में स्नान कर भगवान विष्णु की विशेष पूजा अर्चना करता है और दूसरे दिन विशेष मुहूर्त में पारण करता है उसे अक्षय पूर्ण की प्राप्ति होती है इस दिन विष्णु धाम में किए गए पूजा अर्चना विशेष फलदाई होती है। मौके पर पत्रकार अजीत मिश्रा,आचार्य मधुसूदन त्रिवेदी,समाजसेवी विजय गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने किया बापू टावर का अवलोकन,कहा झ्र बिहार ने बापू की स्मृति को संजोया है

पटनाः

शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने पटना के गर्दनीबाग स्थित बापू टावर संग्रहालय का अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय की विभिन्न दीघाओं में प्रदर्शित ऐतिहासिक चित्रों, म्यूरल्स, ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों, लघु फिल्म और अन्य प्रदर्शनियों के माध्यम से बापू के जीवन, उनके विचारों और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी स्मृतियों को गहराई से समझा। साथ ही, बिहार सरकार द्वारा गांधी जी के सिद्धांतों पर आधारित योजनाओं का भी अवलोकन किया। तुषार गांधी ने संग्रहालय की प्रत्येक गैलरी और रैम्प का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि चित्रों, म्यूरल्स, कटआउट्स, प्रोजेक्टर स्क्रीन और ऑडियो-विजुअल माध्यमों से गांधी जी के विचारों और जीवन यात्रा को अत्यंत प्रभावशाली और जीवंत ढंग से प्रस्तुत किया गया है। बापू टावर संग्रहालय के निदेशक विनय कुमार ने तुषार गांधी को पुष्पगुच्छ, शाल और स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर संग्रहालय के उप निदेशक ललित कुमार सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी नीलिमा साहू सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सनफ्लॉवर: पटना में 70 किलो सोना और 5500 किलो चांदी जब्त, ऋळ चोरी का बड़ा खुलासा

पटनाः

बिहार वाणिज्य कर विभाग ने पटना के बाकरगंज इलाके में स्थित तीन प्रमुख ज्वेलरी थोक विक्रेताओं के यहां छापेमारी कर बिना हिसाब-किताब के 70 किलो सोना और 5500 किलो चांदी जब्त की है। इस बड़ी कार्रवाई से GST चोरी की एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। कमिश्नर-कम-सचिव संजय कुमार सिंह (IAS) के दिशा-निर्देशन में वाणिज्य कर विभाग की 14 अधिकारियों की एक छोटी टीम ने ₹ऑपरेशन सनफ्लॉवर नामक विशेष अभियान के तहत 5 जून की दोपहर से 6 जून की शाम तक यह सघन तलाशी अभियान चलाया। तीन माह की खुफिया निगरानी के बाद हुई कार्रवाई इस कार्रवाई से पहले विभाग ने तीन महीने तक बारीकी से खुफिया जानकारियाँ एकत्र कीं। उसके बाद बारी पथ रोड, बाकरगंज, पटना स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठानों और संबंधित आवासीय परिसरों पर छापेमारी की गई। यह इलाका पटना का प्रमुख सराफा बाजार माना जाता है। छापे के दौरान दस्तावेजों और बिलिंग प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जो ऋळ चोरी के इरादे को दशार्ती हैं। विभाग की योजना के अनुसार टीम को जानबूझकर छोटा रखा गया ताकि बाजार में व्यापारिक गतिविधियों में कम से कम बाधा पहुंचे। स्वैच्छिक टैक्स जमाः अब तक ₹2 करोड़ की वसूली तीनों व्यापारियों द्वारा लगभग ₹2 करोड़ टैक्स की राशि स्वेच्छा से जमा कर दी गई है। वहीं, आज ही एक अन्य कार्रवाई के दौरान आयरन और स्टील सेक्टर से ₹40 लाख की वसूली भी की गई है। अब इन मामलों में उचित कर, ब्याज और जुमार्ने की गणना की जाएगी। वाणिज्य कर विभाग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऋळ चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाते रहेंगे।

जिले के सभी धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर वृक्षारोपण करने का प्रस्ताव किया गया पारित

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर के अधिवक्ता संघ भवन में जनेश्वर विकास केंद्र एवं जन विकास परिषद के तत्वाधान में पर्यावरण रक्षक सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष रामजी सिंह ने की ।कार्यक्रम का का उद्घाटन दीप प्रज्वलन करते हुए जेल अधीक्षक डा दीपक कुमार, चपरा धाम के संस्थापक अशोक कुमार सिंह,प्रोफेसर शिवपूजन सिंह, प्रोफेसर रामाधार सिंह, साहित्यकार रामकिशोर प्रसाद सिंह, , ज्योतिषाचार्य शिव नारायण सिंह, सुमन लता, प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सिंह,अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजय सिंह ने संयुक्त रूप से किए। इसके बाद जन विकास परिषद के उपाध्यक्ष रामचंद्र सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह, अशोक सिंह ने अतिथियों को माल्यार्पण कर तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया। पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शहर के चयनित हुए लोगों को सम्मानित किया गया नदी बचाओ अभियान के प्रति अपने सजग और लोगों मैं जागरूकता लाने के लिए अधिवक्ता देवकांत कुमार सिंह को एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रांत प्रमुख पर्यावरण के क्षेत्र में वृक्षारोपण के माध्यम से लोगों में जागृति लाने के लिए गोल्डी सिंह को, बेहद बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने के क्षेत्र में रामाशीष सिंह को, पूजा सिंह को धीरेंद्र सिंह को, और अपने काव्य पाठ के माध्यम से पर्यावरण के प्रति लोगों जागरूक करने के लिए लवकुश प्रसाद सिंह को एवं धर्मेंद्र कुमार सिंह को प्रमाण प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सभी को पर्यावरण रक्षक सम्मान से सम्मानित करते हुए लोगों ने सभी का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया किं इसके बाद स्वस्थ मानव जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण अनिवार्य विषय पर संगोष्ठी की शरूआत गयी। विषय प्रवेश कराते हुए वि ने कहा कि ऐसे लोगों को सम्मा रने का मूल उद्देश्य है कि ताकि यक्ति को अपने पर्यावरण रक्षा के जागरूक किया जाए यदि हर व्य अपने पर्यावरण के प्रति सजग तभी हम सभी मिलकर पर्यावर संतुलित बनाए रखने में सार्थक त होंगे, उन्होंने लोगों से अपील वे केवल पर्यावरण दिवस पर ही बल्कि अन्य शुभ अवसरों पर पौधरोपण करें। अपने पर्यावरण रक्षा का प्रति लोगों को जागरूक करें अन्यथा आने वाला समय और विकराल रूप ले सकता है, पेड़ पौधा सुरक्षित है तभी हमारे जीवन आधार है। दीपक सिंह ने कहा कि बस तस्वीर में आने के लिए पौधारोपण करने से हम पर्यावरण के रक्षा नहीं कर सकते उस पौधे की सेवा का भी जिम्मेवारी हम सबको उठानी होगी, तभी भारत को हरा भरा भारत बना सकते हैं,भारत की संस्कृति जंगलों में प्रकृति के बीच पुष्पित पल्लवित और विकसित हुई है. सनातन संस्कृति के व्यवहार संस्कार सभी प्रकृति से जुड़े हैं. सनातन में प्रकृति मां जैसी पूजनीय है. उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक सुरक्षा पर्यावरण की सुरक्षा से ही संभव है, प्रोफेसर शिवपूजन सिंह एवं रामधर सिंह एवं दिनेश प्रसाद सिंह एवं अशोक सिंह सभी ने संयुक्त रूप से कहा किविकसित भारत का संकल्प पर्यावरण की रक्षा के बिना अधूरा होगा. उन्होंने कहा कि विकसित भारत, मजबूत भारत के साथ हमे हरित भारत भी बनाना है. भारत की सनातन परम्परा ने मां भारती का स्वरूप शस्य, श्यामला, सुजलाम, सुफलाम है, इसके लिए हर व्यक्ति को एक वृक्ष के रक्षा की जिम्मेवारी उठानी होगी। सुमन लता एवं रामजी सिंह रामकिशोर प्रसाद शिव नारायण कहा कि जैसे जन्मदात्री मां बच्चे को जन्म देती है, पालन पोषण करती है. वैसे ही धरती मां भी हम सबका पालन-पोषण करती है. धरती को हरा-भरा बनाना व बंजर होने से बचाना जीवमात्र के कल्याण के लिए जरूरी है। कार्यक्रम का धन्यवाद यापन करते हुए कार्यक्रम संयोजक आदित्य श्रीवास्तव में लोगों से अपील करते हुए कहा कि कहा कि पर्यावरण के संरक्षण के बिना विकसित भारत का संकल्प अधूरा होगा इसलिए अपने पर्यावरण की रक्षा के प्रति हर व्यक्ति को दायित्व उठाना होगा। अंत में जिले के सभी धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर युद्ध स्तर पर वृक्षारोपण करने का प्रस्ताव रखा गया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस मौके पर सीता थापा महोत्सव के अध्यक्ष विनय कुमार सिंह, उमंगा महोत्सव अध्यक्ष संजय सिंह, कोषाध्यक्ष ललन सिंह , परताधाम अध्यक्ष अशोक सिंह, पूर्व पुलिस पदाधिकारी सिंहेश्वर सिंह, पूर्व रेडक्रास सचिव मनोज कुमार सिंह , शिक्षक नेता रामभजन सिंह प्रो राजेंद्र सिंह, सत्यचंडी महोत्सव अध्यक्ष राजेंद्र सिंह,,,, आदि मौजूद थे

कुबार्नी की वीडियो, आपत्तिजनक फ ो वायरल करने पर कार्रवाई

बकरीद को लेकर शहर के पठान टो मस्जिद में हुई बैठक

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के शहर के पठान टोली मस्जिद परिसर में लगा हिंदुस्तान जिंदाबाद, हिंदू मुस्लिम एकता जिंदाबाद के नारे खुले में कुबार्नी न करे न किसी तरह, सार्वजनिक जगह पर कुबार्नी ना करें पर्दे के अंदर कुबार्नी दें किसी भी तरह का बयान देने से बचे औरंगाबाद : कुबार्नी को लेकर मुस्लिम समुदाय ने शुक्रवार जुम्मे की नमाज शहर के पठान टोली मस्जिद परिसर में प्रेस कांफ्रेंस अयोजित कल शनिवार को कुबार्नी का पर्व मनाया जाएगा जिसको लेकर पैगाम ए इंसानियत के जिलाध्यक्ष मो. शहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान, पठान टोली मसजिद के इमाम हाजी गुलाम रसूल कादरी, उप इमाम मो. सलीम अख्तर, मस्जिद के सैयद सोनू, सदर टिक्का खान, मसजिद के अध्यक्ष मो. शहनवाज आलम, सदस्य दानिश खान, मो. सद्दाम, मो. भोलू खान, मो अमन खान सहित ने संबोधित करते हुए कहा कि जिला में आपसी भाईचारा कायम रखते हुए कुबार्नी पर्व को शांति से मानना है किसी तरह के अफवाह पर ध्याम नही देना है। पैगाम इंसानियत के जिला अध्यक्ष सल्लू खान ने कहा कि इस मौके पर सभी मुसलमानों पर कुबार्नी करना फर्ज है और दुनिया के सभी धर्मों में इसका तसव्वुर मौजूद है लेकिन कुबार्नी करते हुए इस बात का कास ख्याल रखें कि कोई ऐसा काम ना करें जो दूसरे भाईयों के धर्म को ठेस नहीं पहुंचे सल्लू खान ने कहा कि शांति को कायम रखना हमारी जिम्मेदारी है और की गई कुबार्नी की ऐसी चीजें बाहर ना फेकें। जिस से बदबू फैले और गंदगी हो। यह काम शरियत के खिलाफ है। साफ-सफाई का ख्याल रखे। कहा कि सेहत की हिफाजत और समाज को बीमारियों से बचाना हमारी जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन की गाइडलाइनस का पालन करें और गंदगी को मिट्टी में दफन कर दिया जाए। सफाई सुथराई और भाईचारे को बरकरार रखें। शहर में आपसी भाईचारा के साथ निकल गया कुबार्नी पर को शांति पर मनाने को लेकर सल्लू खान ने कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट या वीडियो या किसी भी धर्म आस्था को थे। पहुंचने का कोई भी काम करेगा तो उसे बक्शा नहीं जाएगा। किसी भी हाल में धर्म स्थल पर ठेस पहुंचने वाले को किसी तरह से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों को सख्त कार्रवाई करने का काम भी किया जाएगा। जिला प्रशासन के साथ हम सभी को एक दूसरे के सहयोग से औरंगाबाद शहर में इस बार तक कुबार्नी का पर्व शांतिपूर्वक तरीके से हर हाल शांतिपूर्वक में मनाया जाएगा और लोग से से निपटने के लिए समाज के लोग सभी धर्म के लोग एक साथ है जो भी लोग हैं। उपद्रवियों तत्व के लोग गंदा काम करेंगे। हम वैसे लोगों के लिए किसी भी धर्म के हो उनको बक्सा नहीं जाएगा समाज का माहौल बिगड़ता वाले के साथ ही हाल बुरा होगा। शहर को अमन चैन और शांति बनाकर रखना हम सभी का कर्तव्य है। मो. इबरार, मो. अफरोज आलम, मो. निसार, सैयद असलम उर्फ चुन्ना अमीन खान, मो. शमसेर, मो. कमाल, मो. जुनेद, मो. चांद सहित ने कहा की किसी भी हाल से औरंगाबाद शहर हमेशा शांति कर रहा है और इस बार भी शांति से पर मनाया जाएगा।

बिहार में ग्रामीण संपर्क का नया कीर्तिमान : 1843 सड़कें और 852 पुल हुए तैयार

पटनाः

बिहार सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और पुल निर्माण को प्राथमिकता दी है। पिछले एक दशक में इसमें अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों की सर्वांगीण प्रगति को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने ग्रामीण अवरसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के अंतर्गत सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्यों को तेजी से क्रियान्वित किया है। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 991 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार के अनुसार राज्यभर में 2024 ग्रामीण सड़कों (5250.62 किमी) और 1211 पुलों के निर्माण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी। इनमें से अब तक 1843 सड़कों (4818.36 किमी) तथा 852 पुलों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह आंकड़े राज्य के ग्रामीण संपर्क ढांचे में हो रहे क्रांतिकारी बदलाव को दशार्ते हैं।

प्रमंडलवार स्थिति निम्नानुसार है—

पटना प्रमंडल के अंतर्गत पटना, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिलों में कुल 542 सड़कों और 191 पुलों की स्वीकृति दी गई थी। इनमें अब तक 493 सड़कों और 159 पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। तिरहुत प्रमंडल के अंतर्गत मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, वैशाली, सीतामढ़ी एवं शिवहर जिलों में कुल 301 सड़कों और 210 पुलों की स्वीकृति दी गई, जिनमें से 266 सड़कों और 152 पुलों का कार्य पूरा हो चुका है। पूर्वी चंपारण में सर्वाधिक 96 सड़कों और 41 पुलों का निर्माण कार्य संपन्न हुआ है, जबकि मुजफ्फरपुर में 52 सड़कों और 16 पुलों का काम पूर्ण हुआ। सारण प्रमंडल के सारण, सिवान और गोपालगंज जिलों में कुल 125 सड़कों और 55 पुलों में 117 सड़कों और 42 पुलों का कार्य पूरा हो चुका है। पूर्णिया प्रमंडल में पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज जिलों में 106 सड़कों और 282 पुलों में 102 सड़कों और 148 पुलों का निर्माण संपन्न हो चुका है। किशनगंज में सभी 21 सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। भागलपुर प्रमंडल के भागलपुर और बांका जिलों में 49 सड़कों और 28 पुलों में 46 सड़कों और 24 पुलों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मगध प्रमंडल के गया, जहानाबाद, औरंगाबाद, नवादा और अरवल जिलों में कुल 265 सड़कों और 109 पुलों की स्वीकृति दी गई थी। इनमें से 248 सड़कों और 93 पुलों का कार्य पूर्ण हुआ है। दरभंगा प्रमंडल के दरभंगा, समस्तीपुर और मधुबनी जिलों में 253 सड़कों और 187 पुलों की स्वीकृति मिली थी, जिनमें से 223 सड़कों और 141 पुलों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। कोसी प्रमंडल के सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिलों में कुल 97 सड़कों और 58 पुलों को स्वीकृति दी गई थी, जिनमें से 82 सड़कों और 36 पुलों का निर्माण कार्य पूरा हुआ। मुंगेर प्रमंडल के मुंगेर, जमुई, बेगूसराय, खगड़िया, शेखपुरा और लखीसराय जिलों में 286 सड़कों और 91 पुलों की स्वीकृति दी गई थी। इनमें से 266 सड़कों और 71 पुलों का कार्य पूर्ण हुआ। ग्रामीण संपर्कता बढ़ने से बदल रही गांवों की तस्वीर ग्रामीण संपर्कता सुदृढ़ होने से ग्रामीण अंचलों में कृषि विकास के साथ-साथ औद्योगिक संभावनाओं को भी गति मिल सके।

हत्या की साजिश रच रहे थे सस्पेंड कांस्टेबल सहित 4 लोग,STF ने मारा छापा तो घर में मिला हथियारों का जखीरा; चारों गिरफ्तार

Samastipur:

बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (STF) ने दो व्यक्तियों की हत्या की साजिश रचने के आरोप में शुक्रवार को एक निलंबित कांस्टेबल समेत चार लोगों को समस्तीपुर जिले से गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एसटीएफ ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से एक एके-47 राइफल, एक इंसास राइफल, एक बंदूक, चार मैगजीन और 130 कारतूस बरामद किये हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, निलंबित कांस्टेबल के परिसर से कई अचल संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए गए।

निलंबित कांस्टेबल के परिसर पर छापेमारी

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किये गए लोगों की पहचान सरोज सिंह (निलंबित पुलिस कांस्टेबल), निशांत कुमार राय, परशुराम सिंह और मुन्ना यादव के रूप में हुई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (STF) कुंदन कृष्णन ने शुक्रवार को बताया, एसटीएफ ने जिला पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार सुबह सुल्तानपुर इलाके में, निलंबित कांस्टेबल के परिसर पर छापेमारी की। इस बारे में गुप्त सूचना मिली थी कि ये चारों आरोपी प्रिंस मुखिया और नवीन सिंह नाम के दो लोगों की हत्या की साजिश रच रहे थे। उन्होंने इस मकसद को पूरा करने के लिए हथियार और गोला-बारूद खरीदा था। एडीजी ने बताया कि जब सुरक्षाकर्मी सरोज सिंह के परिसर में पहुंचे, तो वह अपने साथियों के साथ भागने लगा और उन्होंने पुलिस पर गोलीबारी भी की। उन्होंने बताया, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उन पर काबू पा लिया। उनके (आरोपियों के) पास से एके-47 राइफल और एक इंसास राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। आरोपियों की गोलीबारी में कोई सुरक्षाकर्मी घायल नहीं हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने आत्मरक्षा में गोली नहीं चलाई।ह्व अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और मामले की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि सरोज सिंह के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कहलगांव थाना में पत्रकार के ऊपर साजिश के तहत दर्ज हूआ एफआईआर

एफआईआर करने वाला व्यक्ति कई गैरकानूनी धंधे में हैं शामिल, आएदिन देता रहता है प्रशासन और आम जनता को चुनौती

दिव्य दिनकर

भागलपुर/ कहलगांव ऐसे में एक पत्रकार कैसे निर्भीक होकर कार्य करेगा, जबकि सामाजिक स्तर हो या देश की बात की जाए तो एक पत्रकार ही निष्पक्ष रूप से सभी को आईना दिखाता है' साजिश के तहत आरोपी के बारे में एक स्वर से कई पत्रकार आम जनता से लेकर अधिवक्ता ने भी पत्रकार की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है' जी हां कहलगांव अनुमंडल के निर्भीक पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल लगातार जनता के बीच कई भरस्टाचार कुंवयवस्था समस्या को उजागर कर और जनहित की खबरों को प्रकाशित कर विकास की मुख्य धारा में जोड़ने का काम कर रहे हैं , इसके बावजूद भी असामाजिक तत्व के द्वारा इनके ऊपर झूठा केस कर फसाया गया है' भागलपुर और कहलगांव अधिवक्ता संघ के सदस्य अधिवक्ता जयशंकर सिंह, अधिवक्ता सचिन मिश्रा अधिवक्ता सिंटू जी, अधिवक्ता संतोष यादव, अधिवक्ता रवी जी, अधिवक्ता राजीव सिंह, अधिवक्ता सोनू सिंह सहित कई अधिवक्ताओं ने इसकी कड़ी निंदा की, पत्रकार ने आला अधिकारियों को आवेदन देकर लगाया मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग ताकि स्थानीय पत्रकार निर्भीक होकर कार्य कर सके काम, बिना जांच किया एफआईआर दर्ज करने को लेकर साधना चैनल, केलांचल टाइम्स दैनिक अखबार, दिव्य दिनकर दैनिक अखबार, हर्ष उजाला दैनिक अखबार, शुभ भास्कर दैनिक अखबार, केपिटल भारत, जनयुग समाचार, टिवी तंत्र, आप तक चैनल, न्यूज फॉर बिहार, रफ्तार न्यूज, अंग भारत दैनिक अखबार सहित कई पत्रकारों ने घटना पर निंदा व्यक्त किया

वही भाजपा नगर अध्यक्ष उत्तम चौधरी ने निंदा व्यक्त करते हुए कहा प्रशासन करें निष्पक्ष जांच वरिष्ठ अधिवक्ता व गांधी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने कहा पत्रकार पर झूठा केश करना लोकतंत्र की हत्या, पत्रकार की आवाज दबाने का कुत्सित प्रयास हैं पत्रकार के द्वारा कहलगांव श्रीकृष्ण गौशाला में व्याप्त भ्रष्टाचार और कुव्यवस्था का लगातार

पदार्फाश करने को लेकर तथा गौशाला मामले से पीछे नहीं हटने के कारण गौशाला कमेटी के लोगों के द्वारा साजिश रचते हुए पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल पर कहलगांव थाना मे एससीएसटी सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया हैं जो काफी दुःखद हैं क्मालूम हो कि कहलगांव शहर में स्थित श्री कृष्ण गौशाला में कई तरह के व्याप्त भ्रष्टाचार घोटाला को उजागर करना एक पत्रकार को काफी महंगा पड़ गया क कहलगांव के पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल ने श्री कृष्ण गौशाला में व्याप्त कई घोटाले सहित काफी भ्रष्टाचार को अखबार के माध्यम से उजागर किया था, भ्रष्टाचार और घोटाले को उजागर करने के बाद श्री कृष्ण गौशाला कमेटी की काफी किरकिरी हुई थीक मौजूद भ्रष्टाचार की जानकारी स्थानीय जनता, समाजसेवी, पत्रकार तथा मानवाधिकार कार्यकर्ताओ ने एकजुट होकर छाती पर काला कपड़ा लगाकर श्री कृष्ण गौशाला कहलगांव में धरना प्रदर्शन और मुदार्बाद कहकर नारेबाजी भी की थीकधरना प्रदर्शन में आवाज उठाने वाले समाजसेवी मानवाधिकार कार्यकर्ता व पत्रकारो को श्रीकृष्ण गौशाला कमेटी के द्वारा षड्यंत्र रचते हुए कई तरह से परेशान तथा प्रताड़ित करना शुरू कर दिया गया, इस प्रताड़ना की सूचना कई पत्रकारो ने लगातार प्रकाशित भी किया था और पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल ने स्थानीय प्रशासन ऊढ ,रउ्ड थानाप्रभारी सहित जिले के आला अधिकारियों डीएम एसपी डीआईजी आईजी सहित राज्य के महामहिम राज्यपाल महोदय मुख्यमंत्री महोदय के अलावे माननीय न्यायाधीश महोदय हाईकोर्ट पटना तथा माननीय न्यायाधीश महोदय सुप्रीमकोर्ट नई दिल्ली को देकर काररवाई की मांग की हैं दिए गए पत्र के आलोक में प्रशासन द्वारा कार्यवाही प्रारंभ करने के बाद गौशाला कमेटी के लोग काफी बौखला गए और गौशाला कमेटी में शामिल कई मामलों में अभियुक्त बने वर्तमान कोषाध्यक्ष व पूर्व सचिव विजय संथालिया और वर्तमान सचिव केशव जोशी और अन्य शामिल लोग कई आपराधिक लोगों के साथ मिलकर सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक और व्हाट्सएप पर गलत-सलत मनग्रहंथ आरोप लगाना और धमकी देना शुरू कर दियाकफिर भी पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल बिना किसी डर और भय के समाचार लिखना जारी रखाक तब गौशाला कमिटी में शामिल लोग कई आपराधिक लोगों के साथ मिलकर साजिश रचते हुए हत्या के अभियुक्त व्यक्ति पोली पासवान और राजेश चौधरी जैसे लोगों को तैयार कर पत्रकार पर कहलगांव थाने में झूठा मामला दर्ज करवा दियाक जिसका प्रमाण पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल के पास मौजूद हैक पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल ने स्थानीय प्रशासन सहीत जिला के आला अधिकारियों को आवेदन देकर अनुरोध किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए ताकि सत्य सामने आ सके और पत्रकारो पर लगातार हो रहे हमले और झूठे एफआईआर से सुरक्षा की जा सकेक ज्ञात हो की जिस व्यक्ति ने पत्रकार पर कहलगांव थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है वह व्यक्ति कहलगांव में गेसिंग का धंधा ब्राउन शुगर बेचने का धंधा और शराब बेचने का धंधा करता है और आए दिन सोशल मीडिया पर प्रशासन को और आम जनता को अभद्र गाली गलौज करता रहता है जिसका प्रमाण कई पत्रकारों के पास तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद हैक अब देखा जाएगा कि स्थानीय प्रशासन क्या कार्रवाई करती है? क्या पत्रकार को न्याय मिल पाता हैं?

केंद्र सरकार का वक़्फ़ उम्मीद पोर्टल गैरकानूनी और अदालत की अवमानना

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने केंद्र सरकार के शुरू हो रहे वक़्फ़ उम्मीद पोर्टल को गैरकानूनी और अदालत की अवमानना बताया है।उन्होंने बताया कि शीघ्र ही इस सरकारी कदम के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने गुरुवार क एक बयान में कहा कि संसद से पास कराया गया वक्फ कानून इस समय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। सभी मुस्लिम संगठनों ने इसे खारिज कर दिया है। विपक्षी दलों, मानवाधिकार संगठनों, साथ ही सिख, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यकों ने भी इसे अस्वीकार्य करार दिया है। अफसोस की बात है कि इसके बावजूद सरकारवक़्फ़ उम्मीद पोर्टल की शुरुआत कर रही है और इसमें वक़्फ़ संपत्तियों के पंजीकरण को अनिवार्य बना रही है। यह पूरी तरह से सरकार की गैरकानूनी कार्रवाई है और स्पष्ट रूप से अदालत की अवमानना है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अनुसार यह पंजीकरण पूरी तरह उस विवादास्पद कानून पर आधारित है, जिसे न्यायालय में चुनौती दी गई है और जिसे संविधान के विरुद्ध बताया गया है। इसलिए मुस्लिम समुदाय एवं राज्य वक़्फ़ बोर्डों से अपील है कि जब तक न्यायालय इस संबंध में कोई निर्णय नहीं देता, तब तक वक़्फ़ संपत्तियों को इस पोर्टल पर दर्ज न किया जाए।

मंत्री कपिल मिश्रा ने बवाना में श्रीकृष्ण गौशाला का दौरा किया, बोले- गौशालाओं के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के विकास एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने बवाना स्थित श्रीकृष्ण गौशाला सुल्तानपुर डबास का दौरा किया। मंत्री मिश्रा ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गौशाला के दौरे के दौरान मंत्री मिश्रा ने वहां रह रहे गौवंशों की देखरेख, स्वच्छता, पोषण और पुनर्वास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। गौशालाओं के संचालकों से विस्तार से चर्चा भी की। मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण की रीढ़ हमारा पशुधन और गौमाता हैं। गौशालाएं केवल पशुधन की देखरेख का केंद्र नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विरासत का प्रतीक भी हैं। दिल्ली सरकार गौवंश संरक्षण और गौशालाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पिछली सरकार के समय गौमाताओं के साथ हुए अन्याय को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मन में काफी पीड़ा है। इसलिए बेसहारा गौवंश की देखरेख, स्वच्छता, पोषण और पुनर्वास की व्यवस्थाओं के लिए जल्द गौसेवा आयोग अस्तित्व में आएगा। मंत्री मिश्रा ने मौके पर मौजूद गौ-सेवकों को बताया कि दिल्ली सरकार ने गौशालाओं को आधुनिक बनाने के लिए बजट 2025-26 में बड़ी धनराशि का प्रावधान किया है। दिल्ली की सभी गौशालाओं से जुड़ी जो भी देनदारियां हैं, उस बकाया राशि को चुकता किया जा रहा है। सरकार ने पहली किस्त के रूप में 10 करोड़ रुपये की बड़ी धनराशि जारी की है।

दिल्ली विधानसभा में सौंदर्यीकरण अभियान की शुरुआत, पर्यावरणीय जागरूकता और सुंदरता का प्रतीक बनेगी विधानसभा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज विश्व पर्यावरण दिवस पर विधानसभा में सौंदर्यीकरण अभियान की शुरूआत की घोषणा की। उन्होंने विधानसभा परिसर में आयोजित एक पौधारोपण कार्यक्रम में कहा कि दिल्ली विधानसभा को पर्यावरणीय जागरूकता और सुंदरता का प्रतीक बनाया जाएगा। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा सिर्फ एक राजनीतिक केंद्र नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह एक ऐसा सुंदर और प्रेरणादायक स्थान बने, जो दिल्ली के नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे। उन्होंने बताया कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अनुरूप है, जिसमें हर नागरिक से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का आह्वान किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विधानसभा परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे। इनमें फूलदार और सजावटी वृक्ष, सुंदर झाड़ियां, ताड़ के पेड़, बांस के गुच्छे, लताएं और ग्राउंडकवर्स शामिल हैं। साथ ही खुशबूदार पौधों की भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे विधानसभा परिसर का वातावरण सुंदर ही नहीं बल्कि सुगंधित बने। गुप्ता ने कहा कि इस ऐतिहासिक परिसर को सुंदर बनाकर हम जनता का ध्यान पर्यावरण की ओर आकर्षित करना चाहते हैं।

हैदराबाद में ऑटो-रिक्शा चालक की मौत पर एनएचआरसी ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को हैदराबाद के तेलंगाना में एक 35 वर्ष के ऑटो-रिक्शा चालक की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने पुलिस महानिदेशक तेलंगाना को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने पुलिस की कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 13 मई को राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन में पुलिस द्वारा कथित तौर पर शारीरिक यातना दिए जाने के बाद एक 35 वर्षीय ऑटो-रिक्शा चालक की मौत हो गई थी। पीड़ित का अपनी पत्नी के साथ कुछ विवाद था। जो उसे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पुलिस स्टेशन ले गई थी। दंपति की काउंसलिंग के बाद व्यक्ति को एक कमरे में ले जाया गया। जहाँ पुलिसकर्मियों ने उसे रबर बेल्ट से बुरी तरह पीटा।

'कश्मीर में खुशहाली' वाले बयान पर खुर्शीद का यू-टर्न, तल्ख अंदाज में दिया जवाब - 'मैं वहां नहीं रहता'

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने अपने उस बयान पर यू-टर्न ले लिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद समृद्धि आई है। उन्होंने कहा कि वह केंद्र शासित प्रदेश में नहीं रहते और इसलिए इसके बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। समाचार एजेंसी से बात करते हुए कांग्रेस सांसद सलमान खुर्शीद ने कश्मीर में खुशहाली वाले बयान के बारे में पूछे जाने पर तल्ख अंदाज में कहा, मुझे नहीं मालूम, आप ही बताइए कि विकास हुआ है या नहीं। आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं? मैं कश्मीर में नहीं रहता। मैं कभी-कभी ही वहां जाता हूं। कश्मीर में असली मुद्दा राज्य का दर्जा है। चुनाव में वहां से चुने गए लोग मांग कर रहे हैं कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। इस मुद्दे पर हम सब

एकमत हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि हम इस मुद्दे पर ध्यान दें। उन्होंने ऐसे वक्त में बयान दिया है, जब कश्मीर पर उनके बयान को लेकर कांग्रेस नेताओं में फूट देखने को मिल रही थी। सलमान खुर्शीद से पहले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के केंद्र सरकार के फैसले को सही बताया था। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भेजे गए प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे सलमान खुर्शीद ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि यह बहुत सफल रहा। हमारा उद्देश्य स्पष्ट था और हमने पांच देशों के साथ जो बातचीत की और हमारा उद्देश्य आतंकवाद को हमेशा के लिए समाप्त करना था। भारत के साथ विश्व का भी एक लक्ष्य है, आतंकवाद आज भारत के लिए समस्या बना है, कल दूसरे देश के लिए समस्या बन सकता है। हमने उनसे कहा - आपके देशों में भी समय-समय पर आतंकवादियों ने प्रहार किया है, इसलिए साथ मिलकर ऐसा कदम उठाना होगा जिससे आतंकवाद को हमेशा के लिए समाप्त किया जा सके।' उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के दौरे को सफल बताते हुए कहा कि वह अपनी पार्टी और सरकार को इसके बारे में जानकारी देंगे। पार्टी भी उस सफलता को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में वह खुद नहीं गए थे, पार्टी ने उन्हें भेजा था।

इसके लिए उन्होंने पार्टी का आभार जताया है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने राहुल गांधी के पीएम मोदी के सरेंडर वाले बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सही हैं। मैं उनका समर्थन करता हूं।

मैं उनकी पार्टी से जुड़ा हूं और अपने राजनीतिक दिशा-निर्देश लेकर ही अपनी राजनीति करता हूं। मेरे लिए बहुत स्पष्ट है, मैं राहुल गांधी की पार्टी में हूं, मैं उनका समर्थन करता हूं और उनके निर्देशों के अनुसार काम करता हूं।

एनसीपीसीआर ने अलग-अलग घटनाओं में 32 बच्चों को तस्करी से बचाया

एजेंसी

नई दिल्ली ।राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने अलग-अलग घटनाओं में 32 बच्चों को बाल तस्करी से सफलतापूर्वक बचाया। यह बचाव अभियान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए गए। इन बच्चों को पश्चिम बंगाल और बिहार से बाल श्रम के उद्देश्य से राजस्थान, पंजाब और हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में तस्करी कर ले जाया जा रहा था।आयोग ने बताया कि बिहार और पश्चिम बंगाल से बच्चों की तस्करी के बारे में शिकायत मिली थी। इसपर कार्रवाई करते हुए एनसीपीसीआर ने आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम किया। अभियान के दौरान सासाराम रेलवे स्टेशन पर हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस से 8 बच्चों और मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन से 24 बच्चों को बचाया गया। इन मामलों में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015, बाल और किशोर (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी 32 बच्चों को आगे की देखभाल और पुनर्वास के लिए संबंधित बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया है।

पर्यावरण दिवस पर बायो प्लास्टिक को किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने बायो प्लास्टिक को लॉन्च किया। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सचिव अभय करंदीकर सहित कई देशों के राजनयिक, पर्यावरण विद और पर्यावरण को संरक्षित बनाने में लगी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

इस अवसर पर कंपनी (उखी इंडिया) के प्रबंध निदेशक विशाल विवेक ने बताया कि वर्ष 2019 में दो और सहयोगियों संदीप त्यागी और प्रियंका सिंह के सहयोग से यह स्टार्ट अप शुरू हुआ। उन्होंने देखा कि सामान्य दिनचर्या में उपयोग होने वाली प्लास्टिक कभी नष्ट नहीं होती, बल्कि और समस्या बन जाती है। बायो प्लास्टिक किसानों द्वारा उत्पादित भूसी, उच्छ घास आदि द्वारा बनाई जाती है। इसका उपयोग सामान्य प्लास्टिक के जैसा ही होता है। एक समय के बाद वह स्वतः नष्ट हो जाता है। हमने इसके उत्पादन के लिए आईआईटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग और कई संस्थानों से सहयोग मिलने उपरांत किया है। इस

तकनीकी से किसान, व्यवसाय, पर्यावरण और बायो इकोनॉमी में प्रमुखता से लाभ होगा।

इस उत्पाद की विशेषता है कि इसे आईआईटी मंडी और दिल्ली ने सराहा है। कंपनी का दावा है 180 दिनों में इस प्लास्टिक के उत्पाद स्वतः खत्म होना शुरू हो जाते हैं। कंपनी को कई ई-कॉमर्स कंपनी से ऑर्डर मिल रहे हैं। भारत में हर साल लगभग 9.46 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक वेस्ट निकलता है। सिंगल यूज प्लास्टिक से सभी नदियां प्रदूषित हो रही हैं। बायो प्लास्टिक के उपयोग से किसानों की आर्थिक स्थिति सही होगी, फसलों की सहायता से ही प्लास्टिक बना ली जाएगी और बाहर से इंपोर्ट होने वाली बायो प्लास्टिक को कीमत भी कम रहेगी।

एआईआईए के छात्रों ने नाटक के जरिए प्लास्टिक के खतरों के प्रति किया जागरूक

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने मेरी लाइफ अभियान के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मनाया। एआईआईए की निदेशक डॉ. मंजूषा राजगोपाला के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी कार्यक्रम इस वर्ष की थीम-प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना के ईर्द गिर्द रही। इस कार्यक्रम में द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल रही जिसमें एक प्रभावशाली पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें स्नातकोत्तर और पीएचडी शोधार्थियों, संकाय सदस्यों, संस्थागत कर्मचारियों और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। इस मौके पर छात्रों ने ÷प्लास्टिक की दुनिया, प्रकृति का विनाश÷ नामक एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को दर्शाया गया तथा आयुर्वेदिक ज्ञान को एक स्थायी विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता और मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता जैसे शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पर्यावरण दिवस के मौके पर एआईआईए परिसर में 500 से अधिक औषधीय और देशी पौधे लगाए गए और घर-आधारित हर्बल खेती को प्रोत्साहित करने के लिए मरीजों को 200 पौधे वितरित किए गए। छात्रों को प्लास्टिक के प्राकृतिक विकल्पों का प्रस्ताव करने के लिए एआईआईए मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक प्रो. एमएम राव, डीन पीजी प्रो. योगेश बडवे और द्रव्यगुण विज्ञान विभाग की प्रमुख और मेरी लाइफ अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. मीना एस. देवगड़े ने भाग लिया।

दिल्ली को करोड़ों की सौगात

एजेंसी

नई दिल्ली।दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ बैठक की। बैठक में दिल्ली में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

इसमें राजधानी में वाहनों की भीड़भाड़ को कम करने और प्रदूषण से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को करोड़ों रुपये की सौगात दी है। इस बैठक में परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब वर्मा, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह के साथ-साथ दिल्ली भाजपा के सांसदों ने हिस्सा लिया। दिल्ली सरकार के सभी वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन करते हुए कहा

कि दिल्लीवालों को डबल इंजन सरकार का लाभ मिला रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा 35,000 करोड़ रुपये की लागत से कई परियोजनाएं दिल्ली में कार्यान्वित की जा रही हैं। इससे पहले 64,000 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न प्रोजेक्ट पूरे किए जा चुके हैं। साथ ही 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू होने वाले आगामी प्रोजेक्ट्स की डीपीआर भी तैयार हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में वाहनों की भीड़ को कम करने (डीकंजेस्ट) करने और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। इनमें शिव मूर्ति से नेल्सन मंडेला रोड तक लगभग सात किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड टनल का निर्माण, आईएनए से एयरपोर्ट तक एलिवेटेड रोड, जो आगे फरीदाबाद और गुरुग्राम को जोड़ेगा। इस पर भी एलिवेटेड रोड बनाने का काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली से कटरा व अमृतसर को जोड़ने वाला हाइवे, जो अर्बन एक्सटेंशन रोड-II से कनेक्ट होगा और अर्बन एक्सटेंशन रोड-II का दूसरा एक्सटेंशन जो अलीपुर से ट्रोनिका सिटी और दिल्ली-देहरादून मार्ग को जोड़ेगा। इससे हरियाणा से देहरादून और नोएडा तक बिना दिल्ली में प्रवेश किए यातायात सुगम होगा। इसके अलावा, सराय काले खां से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट तक टनल के निर्माण की भी फिजिबिलिटी स्टडी की जा रही है।

दिल्ली के साकेत कोर्ट के लॉकअप में विचाराधीन कैदी की हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट में आज एक विचाराधीन कैदी की दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर हत्या कर दी। मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है। साकेत कोर्ट के लॉकअप में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक विचाराधीन कैदी पर दो अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर दिया। कैदी की पहचान अमन (24) निवासी गोविंदपुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। वह वर्ष 2017 के हत्या के प्रयास के मामले में आरोपित था। पुलिस के अनुसार अमन को कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था और घटना के समय खारजा नंबर-5 में कई अन्य विचाराधीन कैदी भी मौजूद थे। अचानक दो कैदी जितेन्द्र उर्फ जिट्टे (पुत्र जगदीश) और जयदेव उर्फ बच्चा पुत्र लालचंद ने अमन पर हमला कर दिया। जांच में सामने आया है कि जितेन्द्र और अमन के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। वर्ष 2024 में जब दोनों जेल के बाहर थे, तब अमन ने कथित तौर पर जितेन्द्र और उसके भाई पर चाकू से हमला किया था। उसी पुराने विवाद

के चलते यह झगड़ा हुआ। घटना के बाद अमन को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान अमन की मौत हो गई। पुलिस ने हमलावरों की पहचान कर ली है और आगे की कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में बकरीद पर गाय और ऊंट की कुर्बानी रोकने के लिए एडवाइजरी जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पशु कल्याण और सार्वजनिक स्वच्छता को बनाए रखने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने बकरीद के मौके पर गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित जानवरों की अवैध हत्या और बलि के खिलाफ सख्त एडवजाइजरी जारी की है। बकरीद 07 जून 2025 को मनाया जाएगा। जारी इस एडवाइजरी साफ कहा गया है कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। दिल्ली सरकार की ओर से बकरीद के दौरान कानूनी और स्वच्छ तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए सख्त दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि सभी बलि की रस्में सिर्फ निर्धारित जगहों पर ही होनी चाहिए। सड़कों, गलियों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर बलि देना सख्त मना है। इसके अलावा, बलि की रस्मों के फोटो या वीडियो लेने और सोशल मीडिया पर साझा करने पर भी रोक लगाई गई है, ताकि ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा न मिले। विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने सरकार के रुख को रेखांकित करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार हमारी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विरासत की रक्षा के

लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें पशु कल्याण एक अभिन्न हिस्सा है। हम त्योहार के उत्सव के दौरान किसी भी अवैध बलि या क्रूरता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। एडवकाइजरी का सख्ती से पालन अनिवार्य है और उल्लंघन करने वालों को कानून प्रवर्तन एजेंसियों से तत्काल कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। यह एडवाइजरी मौजूदा कानूनों के अनुसार है, जिसमें पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम 1960, पशु परिवहन नियम 1978, स्लॉटर हाउस नियम 2001, और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 शामिल हैं। इसमें बताया गया है कि पशु परिवहन नियम 1978 का अक्सर उल्लंघन होता है, जिससे जानवरों को परेशानी होती है। साथ ही पशु क्रूरता रोकथाम (स्लॉटर हाउस) नियम, 2001 के नियम 3 के तहत निर्धारित स्लॉटर हाउस के बाहर हत्या/कुर्बानी पर रोक है, खासकर उन जानवरों की जो गर्भवती हैं, जिनके बच्चे तीन महीने से छोटे हैं।

एक पेड़ मां के नाम के तहत जेपी नड्डा ने लगाया पौधा

एजेंसी

नई दिल्ली । एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने निर्माण भवन में पौधारोपण किया। पौधारोपण के बाद एक्स पोस्ट में नड्डा ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत मां प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के भाव से निर्माण भवन में एक पौधा लगाया। इस अवसर पर नड्डा ने सभी को इस अभियान में शामिल होने और हरित भविष्य की दिशा में सार्थक कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र एक मिशनः प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' के आह्वान के साथ, हम सभी प्लास्टिक कचरे को कम करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लें।

दिल्ली में बिजली तारों के जाल से मुक्ति दिलाने का वादा सरकार ने नहीं किया पूरा : देवेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र ने गुरुवार को कहा कि रेखा गुप्ता सरकार पर दिल्ली में बिजली तारों के जाल से मुक्ति दिलाने के वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि पुरानी दिल्ली, चांदनी चौक, सीलमपुर, करोल बाग, मुस्तफाबाद सहित दिल्ली भर की अनाधिकृत कालोनियों, झुग्गी बस्तियों, पुनर्वास कालोनियों में घरों के बाहर लटके बिजली तारों के मकड़ जाल अब भी वैसे ही है। मुख्यमंत्री ने बजट में बिजली तारों के जालों से निजात दिलाने का वादा किया है।

देवेंद्र यादव एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने अग्नि शमन सुरक्षा, उच्च जोखिम वाले भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुधार करने के लिए 100 करोड़ के बजट का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली की बर्बाद करने के बाद भी भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार दिल्ली को व्यवस्थित करने की बजाय सिर्फ घोषणाएं कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली की तारों के जाल से मुक्ति का वादा करके 100 करोड़ के बजट का

ऐलान तो कर दिया परंतु 2 महीने बीतने के बावजूद इस योजना पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि असल में भाजपा सरकार अभी तक दिल्ली में योजनाबद्ध तरीके से काम करने की कोई नीति ही तैयार नहीं कर पाई है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि अति असुरक्षित क्षेत्र चांदनी चौक, जामा मस्जिद, दरिया गंज, मटिया महल, शाहीन बाग, अलीपुर, जैसी अनाधिकृत कॉलोनियों वाले घनी आबादी वाले हैं, जहां सरकारें बार-बार घोषणा करने के बावजूद काम नहीं कर रही है। आंधी, बारिश में यहां लटकी तारे लोगों की जान को खतरा बन जाती है।

संयुक्त राष्ट्र को पाकिस्तान के खिलाफ करनी चाहिए कार्रवाई - आनंद शर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियान के तहत प्रमुख भागीदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने गुरुवार को कहा कि यह वैश्विक जनमत का निर्माण और उसे संगठित करने के लिए भारत द्वारा किया गया एक सामूहिक प्रयास था ताकि दुनिया को सीमापार से लगातार हो रहे आतंकवादी हमलों के बारे में जागरूक किया जा सके, जिनमें सबसे हालिया हमला पहलगाम में हुआ। यह भारत का सामूहिक प्रयास था ताकि दुनिया को हमारे दर्द और गुस्से से अवगत कराया जा सके। एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य आनंद शर्मा ने कहा कि सिर्फ प्रतिनिधिमंडल भेजने से बात पूरी नहीं हो जाती। उस देश की प्रकृति क्या है, उसका नैतिक अधिकार क्या है, उसका चरित्र क्या है, उसने अतीत में क्या किया और अब क्या कर रहा है, ये बातें ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। भारत ने कभी किसी पर हमला नहीं किया, भारत ने कभी किसी को धोखा नहीं दिया, भारत ने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया, उसने किसी की जमीन पर कब्जा नहीं किया तो, भारत और पाकिस्तान की तुलना कैसे की जा सकती है? यह गलत है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए समर्थन जुटाने का एक प्रयास था। हमारे खिलाफ बार-बार आतंकवादी हमले किए गए हैं, जिसमें पहलगाम हमला सबसे हालिया हमला है। हम जहां भी गए, हमने उन देशों के नेतृत्व को इस स्थिति के बारे में सूचित किया। दक्षिण अफ्रीका, कतर, मिस्र और इथियोपिया जैसे देशों ने भारत के प्रति अपनी सहानुभूति दिखाई है और आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की है। आतंकवादियों को पाकिस्तान और उसकी सेना से समर्थन मिलना जारी है और वे वहां अपने अड्डे बनाए हुए हैं। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक समुदाय को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति करना होगा जागरूक

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता हैं। यह एक वैश्विक संदेश देता है कि अब वह समय आ गया है जब मनुष्य और प्रकृति के बीच खोए हुए सन्तुलन को फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के परि उपसर्ग (चारों ओर) और आवरण से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

पांच वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी।

भारत का पहला पर्यावरण आंदोलन बिश्नोई आंदोलन था। अमृता देवी ने इस प्रयास का नेतृत्व किया था। जिसमें 363 लोगों ने अपने जंगलों के संरक्षण के लिए अपनी जान दे दी। पेड़ों की सुरक्षा के लिए उन्हें गले लगाने या आलिंगन देने की अवधारणा स्थापित करने वाला यह अपनी तरह का पहला आंदोलन था। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी। यदि समय रहते प्रदूषण जैसी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इसका खामियाजा संपूर्ण मानव जाति को भुगतना होगा। और इसके भयंकर परिणाम होंगे जो हमारे साथ भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भुगतेगी। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 80 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और दिमाग पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं।

संपादकीय

युद्ध और अ-शांति

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है, जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा। यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

कोरोना महामारी के मोर्चे पर सरकार की तैयारियां?

सनत जैन

भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। केवल 13 दिनों में संक्रमण के मामले 257 से बढ़कर 4026 तक पहुंच गए हैं। इसमे सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है, सरकार की ओर से इस बार कोई ठोस गाइडलाइन या रणनीति सामने नहीं आई है। अस्पतालों में कोविड वार्ड नदारद हैं। ऑक्सीजन सिलेंडरों की किल्लत फिर हो सकती है। पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य ढांचा चरमराने की कगार पर है। पीएम केयर फंड के माध्यम से जो अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगवाए गए थे, वे बंद पड़े हुए हैं। सरकार की ओर से अभी तक कोरोना के वायरस और इलाज को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसके कारण आम लोगों में डर और भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के विनाशकारी अनुभव के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें इस बार पूरी तरह बेपरवाह नजर आ रही हैं। न तो अस्पतालों में कोविड बेड आरक्षित किये गये हैं, ना ही कोरोना वायरस की टेस्टिंग को लेकर कोई दिशा निर्देश अथवा सख्ती शुरू की गई है। कई जिलों में आरटी-पीसीआर जांच सीमित हैं। ऐसे में असल संक्रमण की स्थिति का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे गंभीर चिंता यह है, इस बार कोविड के नए वैरिएंट्स–जैसे जेएन-1, एक्सबीबी1.16 और बीए.2.86–तेजी से फैल रहे हैं। इन पर पहले की वैक्सीन कारगर नहीं है। इसका दावा खुद स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। इलाज का कोई निष्कर्ष अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार इस पर कोई संज्ञान लेते नहीं दिख रही है।

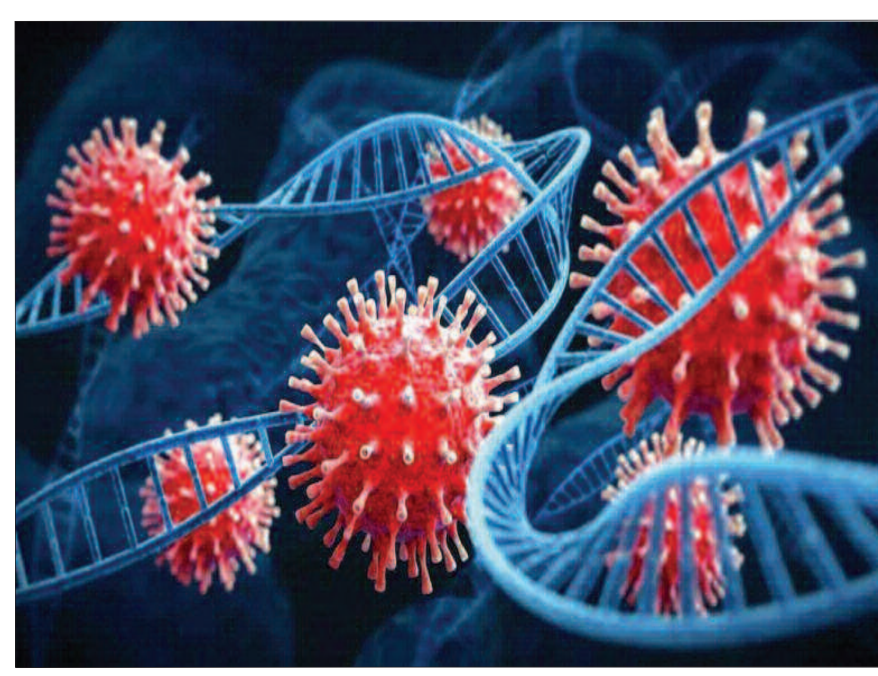

सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी है, कि वहां सामान्य मरीजों को भी ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। यदि संक्रमण और फैला तो सरकारी एवं निजी अस्पतालों मे कोरोना बीमारी के इलाज के नाम पर मनमानी एक बार फिर आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी। इससे निपटने के लिए कोई स्पष्ट नीति या तैयारी को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी से निपटने के लिए पूर्व योजना, संसाधनों का भंडारण, पारदर्शी रिपोर्टिंग एवं केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक हैं। दुर्भाग्यवश, यह सब समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक ही सीमित है। अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो देश एक बार फिर उसी अराजकता और भय के दौर में लौट सकता है, जो दूसरी लहर के समय देखा गया था। कोविड-19 में दूसरी और तीसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हुई थीं। सरकार ने 4.60 लाख मौत होना स्वीकार की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 30.7 लाख मौत भारत में होने की पुष्टि की थी। बीबीसी, टेलीग्राफ और कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी में बीमारियों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए थे उसमें भारत में कम से कम 30.7 मौतें होना बताया गया था।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत की जनसंख्या के हिसाब से कोरोना में मरने वालों की संख्या 0.3 फीसदी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 0.6 माना गया था। 2021 में इस महामारी के कारण जो विनाश हुआ था, उसको देखते हुए भारत से दुनिया के देशों को कोरोना के नए वायरस को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। वह भी तब जब इसकी कोई वैक्सीन नहीं है। अभी तक विश्व स्तर पर इसके इलाज के बारे में कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। ऐसे में चिंता और भी बढ़ जाती है।

सरकार को तुरंत कोरोना बीमारी के उपचार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। नए वैरिएंट्स पर वैज्ञानिक समीक्षा, उपचार, कोविड मरीज के लिए अस्पतालों में बेड आरक्षित करना, मुफ्त जांच, दवाओं की उपलब्धता और जनजागरूकता अभियान चलाना जल्दी से जल्दी शुरू करना होगा। यह समय आश्वासनों का नहीं, त्वरित कार्रवाई का है। महामारी को लेकर की गई लापरवाही की कीमत देश पहले ही भोग चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को कोरोना के इस नए वायरस को गंभीरता से लेना होगा। इसका इलाज किस तरह से हो जिसका लाभ मरीजों को मिले तथा कोरोना की बीमारी के जो विभिन्न किस्म के वायरस बार-बार नए-नए रूपों में जन्म ले रहे हैं। उसके लिए टीका विकसित करने जैसी स्थितियों पर विचार करना होगा। आशा की जाती है कि भारत सरकार और राज्य सरकारें त्वरित कार्यवाही करें। देश भर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में कोरोना वायरस से निपटने के लिए नई गाइडलाइन जारी करें। वायरस से किस तरीके से निपटा जा सकता है। इसका उपचार कैसे होगा इसकी जानकारी निचले स्तर तक भेजने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस दिशा में गंभीरता के साथ युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जानी चाहिए, यही समय की मांग है।

मुद्दा : कोमल मन पर भारी कठोर परवरिश

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में पश्चिम बंगाल के पंसकुरा में 7वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी मां ने सबके सामने उसको डांट दिया था। बच्चा अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गया है, जो झकझोर देने वाला है।

अपने सुसाइड नोट में बच्चे ने लिखा था कि मां मैंने चोरी नहीं की। बच्चे के ये आखिरी शब्द दिल को झकझोर कर रख देने वाले हैं। दरअसल, स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के कृष्णोंदु दास पर एक मिठाई की दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुराने का आरोप लगा था। मिठाई की ये दुकान गोसाईबेर बाजार में एक सिविल वॉलंटियर शुभांकर दीक्षित की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभांकर की गैरमौजूदगी में बच्चे ने दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुरा लिए थे। दुकान मालिक ने बच्चे को दुकान से थोड़ी दूर चिप्स के पैकेट के साथ देखा, तो उसके पीछे दौड़ पड़ा। उससे चोरी के बारे में पूछताछ की गई। उसने दुकानदार को पांच रुपये के हिसाब से तीन चिप्स के पैकेट के 15 रु पये दे दिए। इसके बाद भी दुकानदार नहीं माना। वह पैसे लौटाने के बहाने बच्चे को वापस दुकान पर ले गया और उसको मारा-पीटा। इतना ही नहीं, दुकानदार ने बच्चे से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई।

बच्चे के साथ ये सब अभी हुआ ही था कि उसकी मां को जैसे ही इस बारे में पता चला, वह भी उसे फिर से उसी मिठाई की दुकान पर लेकर गई और सबके सामने डांटा। इस बात से 13 साल का लड़का इस कदर आहत हो गया कि घर लौटते ही उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे तुरंत तामलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें कृष्णोंदु ने आत्महत्या करने से पहले अपनी नोटबुक में लिखा है कि मां मैंने कुरकुरे नहीं चुराए। मुझे वो सड़क पर पड़े मिले थे। मैंने चोरी नहीं की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मिठाई दुकानदार के बर्ताव की वजह से बच्चा ऐसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गया। तब से दुकान मालिक फरार है। परिवार इस बात को भी मान रहा है कि मां के सार्वजनिक रूप से डांटे जाने का भी बच्चे के मन पर गहरा असर हुआ। मां की डांट से बच्चा बहुत दुखी था। यह डांट उसके मन में घर कर गई। वह इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं कर सका।

असल में यह घटना उन मां-बाप के लिए किसी सबक से कम नहीं है, जो बात-बात पर सबके सामने अपने बच्चों को बुरी तरह डांट देते हैं, क्योंकि उम्र के इस पड़ाव में बच्चे बहुत ही कोमल और संवेदनशील होते हैं। वह हर बात को अपनी बेइज्जती से जोड़ लेते हैं। कई बार वह ऐसा कदम उठा लेते हैं, जिसके बाद पछताने के अलावा कोई और रास्ता परिवार के पास भी नहीं होता, इसलिए माता-पिता को बच्चों के साथ पेश आने में बहुत ही सतर्कता बरतनी चाहिए। किसी भी बात पर उनको समझाएं, न कि सबके सामने उन्हें डांटें। अगर डांटना बहुत जरूरी है, तो अकेले में ही डांटें। सबके सामने ऐसा करने से बचें, ताकि उनको बेइज्जती महसूस न हो।

चाइल्ड एक्सपर्ट का कहना है कि आज के दौर में बच्चों की परवरिश करना बिल्कुल भी आसान नहीं है। उन्हें अच्छे या बुरे की अहमियत समझाना बहुत जरूरी है, लेकिन प्यार और अपनेपन के साथ। हर बात पर उन्हें डांटना या पीटना ठीक नहीं है। कुछ एक्सपर्ट कहते हैं कि माता-पिता बच्चों को नहीं डांटें तो वे मनमानी करते हैं और अगर डांटें तो बच्चे दिल पर ले लेते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि मां-बाप बच्चों को कैसे समझाएं, क्योंकि बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है। छोटी-छोटी बातों का उनके मन पर गहरा असर होता है। अगर सबके सामने उनको डांट दिया जाए, तो वे इसे अपनी बेइज्जती समझ लेते हैं। आहत होकर कई बार वह गलत कदम उठा लेते हैं।

असल में परिवार को अब इस बात को समझना होगा कि बदलते माहौल में बच्चों की परवरिश यदि उसके अनुसार न हो, तो उसके परिणाम गंभीर होते हैं। आमतौर पर कुछ बच्चे काफी सहज और सरल होते हैं, तो कुछ बेहद ही संवेदनशील। ऐसे में उनके स्वभाव के अनुसार ही उनकी देखभाल करने की जरूरत होती है। बच्चों की भावनाओं का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। उनके कोमल मन को समझना भी बहुत जरूरी है। हर बात वह गलत हों, ऐसा जरूरी नहीं है। कई बार बच्चे सच बोल रहे होते हैं, तो भी उन्हें गलत मान लिया जाता है। परिवार को सही और गलत के निर्णय पर पहुंचने से पहले कई बार सोचना होगा। हर बात पर बाल मन का इस तरह तिरस्कार करना सही नहीं कहा जा सकता। हर बच्चे को कृष्णोंदु बनने से बचाना होगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

दांपत्य के वास्तविक गहने

स्त्री के सौंदर्य गहने

प्राचीन काल से ही स्त्री के सौंदर्य को बढ़ाने में गहनों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। बिना साज-श्रृंगार और आभूषणों के स्त्री सौंदर्य की कल्पना ही नहीं की जा सकती। पर उन गहनों से अलग भी कुछ गहने ऐसे है जो सोने-चांदी या हीरे-मोती से बने तो नहीं होते पर उन गहनों से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है वे।

खोते नहीं अपनी चमक

ये गहने ऐसे होते है जिनकी चमक कभी फीकी नहीं पड़ती और जिनका चलन भी नहीं बदलता, जबकि बाह्यं आभूषणों का चलन हमेशा बदलता रहता है। उन गहनों में से ही एक है- स्त्री का शालीन व्यवहार। जी हां, अच्छा व्यवहार और सलीका एक ऐसा अद्भुत अलंकरण होता है जो साधारण-सी स्त्री को भी असाधारण और आकर्षक बना देता है।

शालीन व्यवहार एक अहम गहना

आप कितनी भी फैशनेबल गहनों से लकदक हों लेकिन आपके बोलने, उठने-बैठने के अंदाज में शालीनता का अभाव हो तो आपके पहने गहने व्यक्तित्व में चार चांद लगाने के बजाय चांद उतारते नजर आएंगे। यूं तो सलीका और शिष्टता किसी भी इंसान के व्यक्तित्व को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, किंतु किसी भी स्त्री के लिए अपने पति के दिल की चिरस्थाई साम्राज्ञी बनने के लिए शालीनता एक अहम गहना होता है। पति और पूरे परिवार की दुलारी बनने में सलीका और शालीनता बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है।

कोर्टशिप के दौरान अथवा विवाह के आरंभिक दौर में तो आपकी हर अदा अपने प्रियतम को दीवाना बनाने के लिए काफी होती है। उन दिनों आप अपने जीवनसाथी को रिझाने और सम्मोहित करने के लिए उर्वशी, मेनका और रम्भा के सारे हथकंडे अपनाने से नहीं चूकतीं। आपकी मनमोहक अदाओं का जादू उन पर सर चढ़ कर बोलने लगता है। लेकिन धीरे-धीरे समय के साथ आपके हाव-भाव और स्टाइल में अनजाने ही ऐसे परिवर्तन आने लगते है कि शुरुआती दिनों की वह खुमारी ताजिंदगी एक 'हैगओवर' बन कर रह जाती है। ऐसा सबके साथ नहीं होता। विशेषकर आज के युग में जब मीडिया के माध्यम से इतने तरह-तरह के नुस्खे परोसे जा रहे है तो कोई भी जागरुक स्त्री भला उन्हे आजमाने से क्यों चूकेंगी। फिर भी यदि आप से कहीं भी कुछ चूक हो गई है तो आज से ही संभल जाइए। फायदे की सलाह हो तो लेने में क्या हर्ज है।

ऐसा भी न करें

बहुत सी स्त्रियां उम्र ढलने के साथ 'एजिंग सिन्ड्रोम' से पीड़ित होने लगती है। उन्हे लगता है कि अब हमारे नाज-नखरे दिखाने के दिन लद गए। लेकिन वे भूल जाती है कि उम्र बढ़ना एक स्वाभाविक शारीरिक प्रक्रिया है। आपका शरीर बूढ़ा हो रहा है लेकिन निगाहे कभी बूढ़ी नहीं होतीं। कहते है न सौंदर्य किसी व्यक्ति या चीज में नहीं देखने वाले की आंखों में होता है। अत- आपके प्रिय की आंखें अभी भी आपमें वही सौंदर्य तलाश कर रही होती है जो आपमें कभी था। जिसे आपने वक्त की चपेट में आकर अपनी लापरवाही और केयरलेसनेस की वजह से बहुत पीछे ढकेल दिया। अपनी रोज की दिनचर्या पर आप एक नजर डाल कर देखेंगी तो आप पाएंगी कि पिछले कुछ सालों में आपमें अनजाने में ही कुछ बुरी आदतें पनपने लगी है जो आपके पति को बहुत नागवार लगती है, पर वे शिष्टतावश आपको टोकते नहीं होंगे। आज आप गौर कीजिए कि इनमें से कौन सी खराब आदतें आपके आकर्षण को निरंतर कम करती जा रही है।

याद कीजिए वे दिन जब आप सुबह सज-संवर कर हाथ में चाय की प्याली थामे चूड़ियां खनकाती हुई अपने पति को जगाती थीं। तब वे अलसाई आंखों से आपकी अदाओं पर रीझते हुए अखबार व चाय की चुस्कियों का आनंद लेते थे।

अब आप सुबह उठती है, उलझे और बेतरतीब बालों का घोंसला बनाए, आंखों को मिचमिचाते हुए पति को चाय पकड़ाती है। पति आप पर उचटती नजर डालकर अखबार में सिर गड़ा लेते है। आप बेडरूम से अटैच्ड बाथरूम में ब्रश करती है और ब्रश करते-करते मुंह पर झाग लपेटे पति के पास आकर कोई जरूरी बात करने लगती है। खाने की टेबल पर समय की कमी के कारण ताबड़तोड़ खाना ठूंसती है। मुंह से खाने की आवाज निकालती है। खाने के बाद जोर-जोर से डकार लेने लगती है।

जम्हाई आने पर आस-पास बैठे लोगों का ध्यान रखे बिना मुंह फाड़कर बिना हाथ या रूमाल रखे जम्हाई लेती है।

उम्र का ध्यान रखते हुए परिधानों का चयन करिए। षोडशी बाला की तरह चुस्त व तड़क-भड़क के रंगीन कपड़े कहीं आपको मजाक का पात्र न बना दें।

यह ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि जैसे पहले आप अपने पहनावे को लेकर सजग थीं वैसी ही अब भी रहिए। पहनावे का सलीका उम्र का मोहताज नहीं है।

वजन बढ़ जाने पर भी नाभि-दर्शना साड़ी का मोह नहीं त्याग पा रही हैं तो देखने में अच्छा नहीं लगेगा।

आपको शर्ट और मिनी ड्रेसेज पहनने का शौक है भले ही वे आपके शरीर पर फब नहीं रही हों।

अगर आप इनमें से कोई भी बात अमल में ला रही हों तो कृपया आज ही से उन पर विराम लगा दें। इस बात का इंतजार न करे कि पति ने तो कुछ टोका ही नहीं फिर लोगों की चिंता क्यों करे।

बनाए रखें बेडरूम की गरिमा

उम्र बढ़ने के साथ अधिकांश महिलाएं शयन कक्ष की संवेदनशीलता का अर्थ खोने लगती है। उन्हे लगता है कि अब बच्चे बड़े हो गए, इतनी उम्र हो गई, अब क्या शयनकक्ष और क्या उसकी प्राइवेसी ?

लेकिन वे भूल जाती है कि हमारे शास्त्रों में भी स्त्री के पांच प्रमुख गुणों में एक गुण 'शयनेषु रम्या' पर बहुत जोर दिया है। शयन कक्ष ही वह मनोरम कक्ष है जहां दंपती अपने प्रारंभिक दिनों को बार-बार जीने के लिए प्रयास करते है।

कुछ स्त्रियां समय के साथ-साथ बाहरी कपड़ों और एक्सेसरीज पर तो ध्यान देती है लेकिन अपने इनरवेयर और नाइटी वगैरह में कटौती करने लगती है। लेकिन अब इन नुस्खों को भी अपना कर देखिए। आज भी आप वैसे ही इनरवेयर पहन कर देखिए जैसे आप पहले पहनती थीं। तितली के पंखों से नाजुक और खूबसूरत अंतर्वस्त्र निश्चय ही आपके पति के मूड को बदल देंगे।

अगर नाइटी पुरानी है तो बदल दें। उसकी जगह मुलायम झीने कपड़ों की फ्रिल लगी मुलायम नाइटी पहन कर देखिए। आप अपने को तरोताजा महसूस करने लगेंगी। आपके पहनावे पर आपका ही नहीं आपके पति का मूड भी निर्भर करता है, न यकीन हो तो हमारी सलाह अपना कर देखिए।

वजन बढ़ने पर आप अकसर पैर फैलाकर नब्बे डिग्री का कोण बनाकर सोती है। आपको तो निःसंदेह आराम मिलता होगा लेकिन देखने वालों को आपकी यह मुद्रा बहुत बेआरामी में डाल सकती है। सिर्फ बैठते-चलते समय ही नहीं बल्कि सोते समय भी पोस्चर पर ध्यान दें।

यूं तो खर्राटों पर किसी का भी वश नहीं है किंतु कोशिश कर के करवट बदल कर कुछ हद तक इन पर काबू पाया जा सकता है।

अपनाएं अरोमाथेरेपी को

शरीर की स्वच्छता के साथ-साथ उसे सुगंधित रखने की अपनी पुरानी आदत को बनाए रखें। अरोमाथेरेपी का दांपत्य जीवन में चामत्कारिक असर होता है। न हो तो अपना कर देखें।

यह ध्यान रखें कि अपनी कुछ आदतों में बदलाव लाकर, अपनी खूबियों को बरकरार रख कर आप अपने वास्तविक आभूषणों को धारण कर सकती है। ये गहने ऐसे होते है जिनके न खोने का डर रहता है न ही फीके पड़ने का। पहनने वाले आभूषण रहे या न रहे लेकिन इन वास्तविक आभूषणों के न रहने पर आप वास्तव में आभूषणविहीन हो जाएंगी।

11 टिप्स जिससे

घर का हर कोना रहे रोशन

घर में प्राकृतिक रोशनी, ताजी हवा और धूप का सही ढंग से आना बहुत जरूरी है। यह तभी संभव है, जब मकान बनवाते समय सही ढंग से प्लानिंग की जाए। आपकी इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए इंटीरियर डिजाइनर एस. शर्मा दे रहे हैं कुछ खास सुझाव

1. मकान में अच्छी रोशनी हो, इसके लिए यह बहुत जरूरी है कि प्लॉट खरीदते समय आप इस बात का ध्यान रखें वह कम से कम तीन तरफ से खुला हो।
2. हर कमरे में बड़ी खिड़किया और इनके ऊपर ओवर हेड वेंटिलेटर होना चाहिए, जिनके ऊपर ग्लास लगा हो। इससे घर में प्राकृतिक रूप से रोशनी आती रहेगी।
3. डाइनिंग स्पेस, लिविंग एरिया या लॉबी के पिछले हिस्से में स्लाइडिंग ग्लेज डोर लगवाना भी बेहतर विकल्प है। इसे बंद करने के बाद भी घर के भीतर हल्की रोशनी आती रहती है।
4. किचन में भी ऐसी बड़ी खिड़की होनी चाहिए, जिसमें शीशे के अलावा जाली के दरवाजे की भी व्यवस्था हो।
5. बेडरूम के लिए वे विंडो सबसे अच्छी रहती है, इसमें खिड़की के ऊपर छज्जा होता है और खिड़कियां बाहर की ओर खुलती हैं। इससे कमरे में बारिश का पानी नहीं आता और खिड़की से पर्याप्त हवा और रोशनी आती है।
6. बाथरूम में भी दो से सवा दो फुट की टिंटेड ग्लास वाली खिड़की एग्जॉस्ट फैन के साथ होनी चाहिए।
7. बेसमेंट में प्राकृतिक रोशनी पहुंचाने की सही तरीका यह है कि भूतल से चार फुट ऊपर जाकर वहीं वेंटीलेटर की व्यवस्था की जाए। इससे पूरे बेसमेंट एरिया में रोशनी के साथ सांस लेने के लिए पर्याप्त हवा भी मिलती है।
8. बेसमेंट एरिया में सन पाइप के जरिए भी प्राकृतिक रोशनी पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। इसमें रिफ्लेक्टिव पाइप द्वारा छत से कमरे तक प्राकृतिक रोशनी पहुंचाई जाती है, लेकिन काफी महंगी होने के कारण भारत में इस तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल नहीं होता।
9. घर के पैसेज एरिया में ट्रांसपेरेंट एस्बेस्टस शीट लगवा कर ग्लेज रूफ की व्यवस्था भी करवा सकती हैं, इससे आपके घर का यह हिस्सा खुला और हवादार दिखाई देगा।
10. अगर आपके घर में कोई ऐसा कमरा है, जिसकी दीवार की तरफ खिड़की बनाने की जगह नहीं है तो इसकी बीच की दीवार को हटाकर वहीं आप वुडन फ्रेम से बना ब्लॉक ग्लास वाला पार्टीशन वॉल लगवा दें। इससे आपके कमरे में पर्याप्त रोशनी पहुंच जाएगी।
11. रोशनी सभी को अच्छी लगती है, लेकिन मई-जून की तपती दुपहरी में यही रोशनी आंखों को चुभने लगती है। इससे बचने के लिए आप खिड़कियों के शीशे पर ब्लैक फिल्म लगवाएं। इसके अलावा आप लाइनिंग वाली कर्टन्स या मोटी ब्लाइंड्स की व्यवस्था कर सकती हैं।

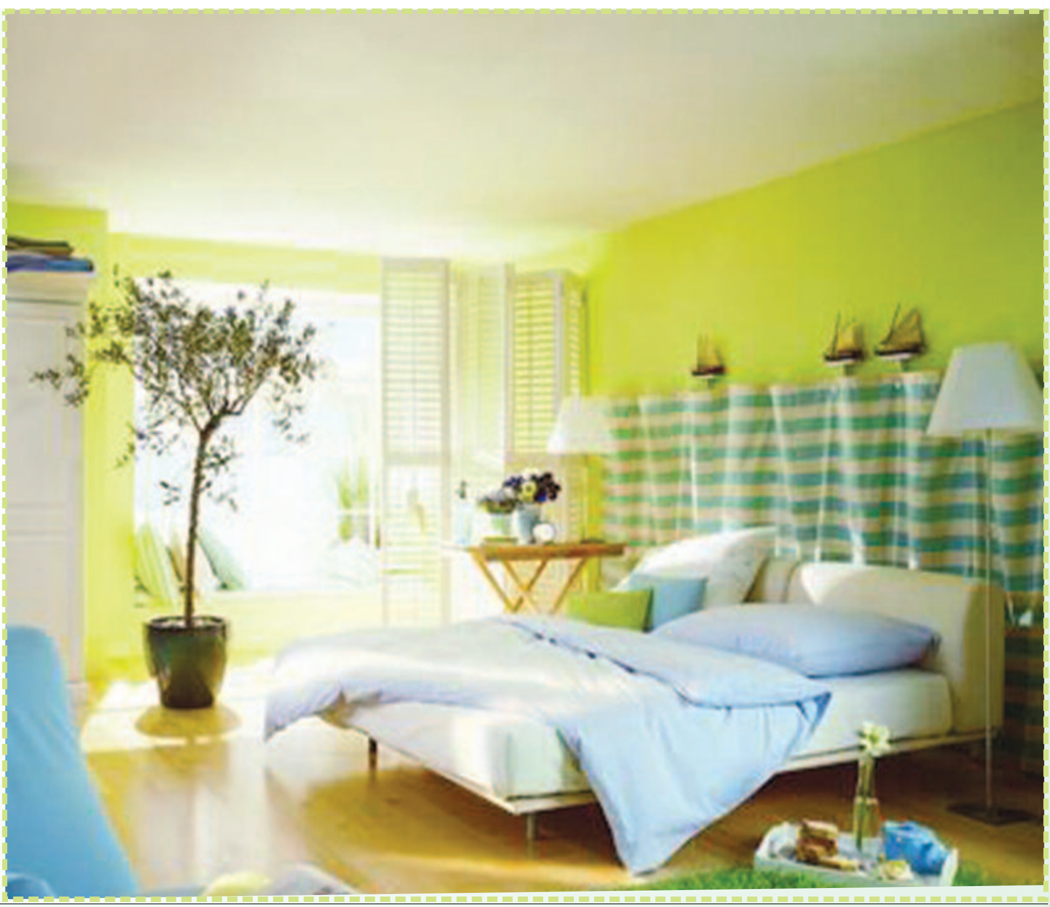

पुराने गुरुग्राम में मेट्रो निर्माण की धीमी गति पर भड़के केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत

गुरुग्राम। पुराने गुरुग्राम तक मेट्रो निर्माण में धीमी प्रगति से गुड़गांव के सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अब से वे हर चार महीने के अंतराल में मेट्रो की प्रगति की समीक्षा करेंगे। वे यहां गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) कार्यालय में उच्चस्तरीय बैठक ले रहे थे।राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि गुरुग्राम के पुराने हिस्सों को मेट्रो नेटवर्क से जोडऩा एक दीर्घकालिक आवश्यकता रही है, जिससे लाखों नागरिकों को दैनिक यातायात में राहत मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस परियोजना के लिए सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्य समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएं। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड के निदेशक एस.आर सांगवान ने बताया कि 15 मई को बिड ओपन की गई है। जिसमें आठ आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनका तकनीकी मूल्यांकन किया जा रहा है। बैठक में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, जीएमडीए सीईओ श्यामल मिश्रा, एचएसवीपी की प्रशासक वैशाली सिंह, डीसीपी ट्रैफिक राजेश मोहन, एचएमआरटीसी से चीफ आर्किटेक्ट नम्रता कलसी सहित जीएमडीए, गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड, नगर निगम गुरुग्राम तथा डीएचबीवीएन के अधिकारी शामिल रहे।

सीआरएसयू परिसर को स्वच्छता मॉडल के रूप में विकसित करने पर चर्चा

जींद। मुख्यमंत्री नायब सैनी के निर्देश पर चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत प्रदेश को स्वच्छ करने के मिशन पर निकले स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाषचंद्र ने को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ.रामपाल सैनी से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय को स्वच्छता के एक मॉडल के रूप में विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की। इससे पहले उन्होंने डा. सैनी के वाइस चांसलर पद पर नियुक्ति होने पर शुभकामनाएं दी। यूनिवर्सिटी के वीसी के साथ स्वच्छता पर चर्चा का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ावा देना और छात्रों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करना था। इस चर्चा में उन्होंने छात्रों और कर्मचारियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करने और उन्हें स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने पर अपनी बात रखी। उन्होंने विश्वविद्यालय में कचरा एप्लास्टिक का उपयोग कम करने और जल संरक्षण जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए समाज के नामचीन व्यक्तियों जैसे खिलाड़ी, लोक कलाकार, पूर्व सैनिक आदि का सहयोग लेने की बात कही।

सतकुंभा शक्ति और शांति का केंदः बड़ौली

सोनीपत। गन्नौर में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर भारत के 68 प्रमुख तीर्थों में से एक सिद्धपीठ सतकुंभा धाम में भारी संख्या में भक्त जुटे। जेष्ठ शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला यह पर्व दश-हर अर्थात् दस पापों के विनाश का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगा तथा अन्य पवित्र नदियों का स्मरण कर स्नान किया, पूजा-पाठ कराया और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। पीठाधीश्वर श्रीमहंत राजेश स्वरूप महाराज ने इस दिन के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पर्व पवित्र स्नान, आत्मशुद्धि और सेवा का उत्सव है। उन्होंने नव-निर्मित सत्संग सभागार, लंगर हॉल के उद्घाटन को सनातन संस्कृति के लिए एक प्रेरणादायक प्रयास बताया।मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली ने जनसेवा को ही अपने कार्यों का मूल उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि यह धाम शक्ति और शांति का केंद्र है, और यहां की ऊर्जा उन्हें सदैव समाज के लिए कुछ नया करने को प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा ही परमात्मा की सच्ची आराधना है और सनातन धर्म के संस्कार ही जीवन का मूल आधार हैं। देश-प्रदेश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु सतकुंभा धाम पहुंचे और आध्यात्मिक उल्लास के इस महापर्व में सहभागी बने। आयोजकों की ओर से अनंत भंडारा और व्यवस्थाओं ने इस आयोजन को भव्य और सफल बनाया।

समाधान शिविर में अवैध पीजी के खिलाफ उठी आवाज

हिसार। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनी गई और मौके पर ही त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने स्पष्ट किया कि प्रशासन आमजन की शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और इसी सोच के तहत सप्ताह में दो बार समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

लघु सचिवालय स्थित सभागार मेंआयोजित समाधान शिविर के दौरान रामपुरा मोहल्ला रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान आशीष गोदारा (कुकी) ने मौहल्ले की एक गंभीर समस्या को प्रशासन के समक्ष पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कई अवैध पीजी (पेइंग गेस्ट हाउस) संचालित हो रहे हैं, जिनमें दिन-रात संदिग्ध औरअनुचित गतिविधियां होती हैं। इससे स्थानीय निवासियों का जीना दूभर हो गया है और सामाजिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है।गोदारा ने कहा कि इन अवैध पीजी में बिना किसी पंजीकरण और निगरानी के बाहरी लोगों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे सुरक्षा संबंधी खतरे भी उत्पन्न हो रहे हैं।

प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता, रासायनिक खेती से बढ़ रही बीमारियां : आचार्य देवव्रत

एजेंसी

हिसार। गुजरात के राज्यपाल एवं प्राकृतिक खेती के प्रबल समर्थक आचार्य देवव्रत ने कहा है कि देश को टिकाऊ कृषि की ओर अग्रसर करने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना अब समय की मांग बन चुकी है। उन्होंने रासायनिक खेती के दुष्परिणामों का जिक्र करते हुए कहा कि अत्यधिक रासायनिक खाद और कीटनाशकों के प्रयोग से न केवल मिट्टी की उर्वरता नष्ट हो रही है, बल्कि इसके कारण स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है जिससे कैंसर, शुगर और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों की संख्या भी बढ़ रही है।राज्यपाल आचार्य देवव्रत यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित प्राकृतिक खेती सम्मेलन में किसानों व उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। आचार्य देवव्रत ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं प्राकृतिक खेती को अपनाने के कई प्रयास किए और इसके परिणाम अत्यंत सकारात्मक रहे। उन्होंने किसानों को बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल स्वास्थ्यवर्धक फसल उत्पादन का माध्यम है, बल्कि यह मृदा की उर्वरता को बनाए रखती है, जल संरक्षण में सहायक होती है और उत्पादन की लागत को भी काफी हद तक कम कर देती है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल

किसानों की आय में वृद्धि होती है, बल्कि उपभोक्ताओं को भी सुरक्षित और पोषणयुक्त भोजन मिलता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक खेती अपनाने से उत्पादन बिलकुल नहीं घटता है।राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन'का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि देश के एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाए। इस मिशन के अंतर्गत वर्ष 2025 -26 के लिए 1481 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे इस योजना का लाभ लें और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अपनाएं।आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि वे मिलकर एक व्यापक रणनीति बनाएं ताकि देश को रासायनिक खेती के दुष्चक्र से बाहर निकाला जा सके और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और समृद्ध भारत का निर्माण किया जा सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खेती को त्यागते हुए प्राकृतिक खेती अपनाकर न केवल अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं, बल्कि पर्यावरण की रक्षा भी करें।

अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाएः कृष्ण कुमार

एजेंसी

रेवाड़ी। बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस पर बावल में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए कहा कि वे अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाए। यह अपनी मां को अनमोल तोहफा होगा। विधायक ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान-2.0 के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण जरूरी है। पर्यावरण हरा-भरा रहेगा, तभी जीवन भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सभी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाए, जिससे व्यक्तिगत भावनाएं और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का अद्भुत मेल स्थापित हो सके।

हिसार व गुरुग्राम में स्थापित होगी प्राकृतिक तथा जैविक मंडियां : नायब सैनी

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की बड़ी घोषणाएं

एजेंसी

हिसार,। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की है कि प्राकृतिक खेती तथा जैविक खेती से उत्पादित गेहूं, धान, दालों आदि उत्पादों के लिए प्राकृतिक तथा जैविक मंडी की स्थापना गुरुग्राम में की जाएगी। साथ ही, प्राकृतिक तथा जैविक खेती से उत्पादित फल, सब्जियों के लिए हिसार में भी प्राकृतिक खेती तथा जैविक मंडी की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा, प्राकृतिक तथा जैविक खेती के उपज के उचित मूल्य निर्धारण के लिए हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण के तहत एक समिति का गठन किया जाएगा।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित प्राकृतिक खेती

सम्मेलन को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्राकृतिक खेती से प्राप्त उत्पादों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग के लिए प्रति किसान 20 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक और जैविक खेती की उपज की जांच के लिए प्रयोगशालाएं भी स्थापित की जाएंगी। ये प्रयोगशालाएं किसानों की फसल की निशुल्क जांच करेंगी।मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि खंड पूंडरी, जिला कैथल में कृषि विभाग की 53 एकड़ भूमि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को नीलामी के आधार पर पट्टे पर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत में पंचायती भूमि में से 10 प्रतिशत भूमि या कम से कम एक एकड़ भूमि प्राकृतिक खेती के लिए आरक्षित की जाएगी।

यह भूमि केवल भूमिहीन किसानों को नीलामी के माध्यम से दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी और पंचायती जमीन पर जो भी किसान प्राकृतिक खेती करेगा, उन किसानों को भी प्राकृतिक खेती योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में कच्चे माल के भंडारण और संस्करण के लिये चार ड्रम की खरीद के लिए तीन हजार रुपये प्रति किसान दिया जाएगा। एक देसी गाय की खरीद पर 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी।नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के लोग वायु, जल व मिट्टी के संरक्षण का संकल्प ले रहे हैं और इन्हें हर प्रकार से प्रदूषण मुक्त करने के उपाय पर विचार कर रहे हैं। इस समय प्राकृतिक खेती इन सभी समस्याओं का समाधान है।

प्राकृतिक खेती न केवल हरियाणा की कृषि को नई दिशा देगी, बल्कि पूरे देश के लिए यह प्रेरणा का एक स्रोत पर बनेगी। उन्होंने कहा कि आज जब हम खाद्यानों के मामले में आत्मनिर्भर तो हैं लेकिन इसके लिए हमें बहुत बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ी है।

सोनीपत को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प

सोनीपत। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर निगम द्वारा पुलिस लाइन, बाजारों एवं नगर निगम कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण, जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक मुक्त सोनीपत बनाना और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। पुलिस लाइन परिसर में मेयर राजीव जैन, विधायक निखिल मदान, पुलिस आयुक्त ममता सिंह, निगम आयुक्त हर्षित कुमार, डीसीपी हेड क्वार्टर नरेंद्र कादियान, प्रशिक्षु आईएएस अतुल कुमार और पार्षद नीतू दहिया ने पौधारोपण कर नागरिकों से आग्रह किया कि वे एक-एक पेड़ अपनी मां के नाम से लगाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए पर्यावरण संरक्षण अभियान को सफल बनाएं।

दिल्ली यशोभूमि में होगा शहरी स्थानीय निकायों का सम्मेलन, गुरुग्राम में ठहरेंगे अतिथि

एजेंसी

गुरुग्राम। जुलाई के पहले सप्ताह में दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि में देश के शहरी स्थानीय निकायों का सम्मेलन होगा। सम्मेलन में भाग लेने आने वाले देश के सभी राज्यों व केंद्रीय शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों के ठहरने की व्यवस्था गुरुग्राम में होगी।

सम्मेलन की तैयारियों को लेकर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने अधिकारियों के साथ बैठक की। लोक सभा की ओर से इस सम्मेलन की मेजबानी हरियाणा विधान सभा को सौंपी है। इसी को लेकर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में अधिकारियों के साथ बैठक करके तैयारियों पर चर्चा की। हरविन्द्र

कल्याण ने कहा कि राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन 3-4 जुलाई को प्रस्तावित है। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 500 से अधिक डेलिगेट्स भागीदारी करेंगे। इस सम्मेलन का मुख्य आयोजन स्थल गुरुग्राम से सटे द्वारका में स्थित यशोभूमि होगा, जबकि सभी डेलिगेट्स के ठहरने की व्यवस्था गुरुग्राम में की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का अपना एक राष्ट्रीय महत्व है। ऐसे में भारत की अतिथि देवो भव- की परंपरा के अनुरूप सभी अतिथियों की गुरुग्राम में मेजबानी की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष ने डेलिगेट्स के स्वागत, ठहरने, आयोजन स्थल तक आवागमन, राउंड द क्लॉक स्वास्थ्य सुविधाएं, यातायात प्रबंधन व सुरक्षा सहित अन्य इंतजामों को लेकर जिला प्रशासन गुरुग्राम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही कहा कि डेलिगेट्स की सुविधा के लिए नई दिल्ली स्थित हवाई अड्डे व रेलवे स्टेशन पर लोकसभा सचिवालय की सहायता से हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। गुरुग्राम के पीडब्लूडी रेस्ट हाऊस में इस आयोजन के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

केवल एक दिन खानापूर्ति की बजाय हर दिन मनाएं पर्यावरण दिवस : एमसी मेहता

एजेंसी

हिसार। प्रख्यात पर्यावरणविद एवं रमन मैग्सेसे अवार्डी पद्मश्री एमसी मेहता ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत हमें अपने घरों से करनी होगी, तभी हम इस बारे में दूसरे को जागरूक कर पाएंगे। केवल पांच जून को ही पर्यावरण दिवस मनाकर खानापूर्ति नहीं करनी है, बल्कि हमें हर दिन पर्यावरण दिवस मनाना है। पद्मश्री एमसी मेहता यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से विश्व पर्यावरण दिवस पर 'प्लास्टिक प्रदूषण पर पूर्ण विराम' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सेवानिवृत प्रो. एससी जैन व कुलसचिव डा. विजय कुमार कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इससे पूर्व पद्मश्री एमसी मेहता ने विश्वविद्यालय में नवनिर्मित 'रिसोर्स मैनेजमेंट एवं सस्टेनेबिलिटी सेंटर' का लोकार्पण किया। इस केन्द्र से प्रतिदिन विश्वविद्यालय परिसर से 1.5 टन कचरे को वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेस करके संसाधन में बदला जाएगा। पद्मश्री एमसी मेहता ने कहा कि हमें सरकार के भरोसे नहीं बैठना होगा कि सरकार ही प्रदूषण को रोकेगी बल्कि हमें आम जन को, शिक्षाविदों व युवाओं को इसके प्रति जागरूकता लानी होगी, तभी यह कार्य पूरा हो पाएगा। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से अनुरोध किया।

केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का सभी को मिले लाभः कृष्णपाल गुर्जर

एजेंसी

पलवल। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की अध्यक्षता में जिला सचिवालय स्थित सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की आकलन एवं मूल्यांकन बैठक आयोजित हुई, जिसमें केंद्र व प्रदेश सरकार से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति बारे विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी जिला में करवाए जाने वाले विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन भी लें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए यह सुनिश्चित करें कि समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को योजनाओं का भरपूर लाभ मिले। वहीं उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में दिव्यांगों व बुजुर्गों को कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण व मोटरराइज साईकिल देने के लिए जिला स्तर पर शिविर का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने जिला में चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी लेने के साथ-साथ जिला परिषद की ओर से मनरेगा स्कीम, डी प्लान के तहत किए जा रहे कार्यों, नगर परिषद, लोक निर्माण विभाग,

संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेते हुए विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले में टूटी सडक़ों की मरम्मत करवाने के लिए भी पीडब्ल्यूडी, नगर परिषद और मार्किट कमेटी के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में पब्लिक हेल्थ, कृषि, कल्याण विभाग, समाज कल्याण, मार्केटिंग बोर्ड सहित अन्य विभागों व निगमों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर उनका विवरण शीघ्र अति शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अपने विभागों की प्रोग्रेस रिपोर्ट न देने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

सीएम फ्लाइंग ने की राजकीय आईटीआई में छापेमारी

एजेंसी

जींद। सीएम फ्लाइंग ने राजकीय आईटीआई में छापेमारी की। यहां वाशबेसिन और शौचालयों को लेकर सीएम फ्लाइंग ने आईटीआई प्रशासन को कुछ हिदायतें दी हैं। सुबह सीएम फ्लाइंग की टीम डीएसपी पवन शर्मा के नेतृत्व में कैथल रोड स्थित राजकीय आईटीआई में पहुंची। यहां टीम ने सबसे पहले उपस्थित शिक्षकों की जांच की। जांच में जिन शिक्षकों की हाजिरी लगी हुई थी वह सभी उपस्थित पाए गए। इसके बाद सीएम फ्लाइंग ने बाकी चेकिंग की। बाद में सीएम फ्लाइंग ने यहां के शौचालय और वाश बेसिन को चेक किया। सफाई की व्यवस्था में सीएम फ्लाइंग ने आईटीआई प्रशासन को कुछ हिदायतें देने का काम किया है। सीएम फ्लाइंग को जींद आईटीआई में शिक्षकों के गैरहाजिर रहने की शिकायत मिली थी, जिस पर टीम ने यहां दस्तक दी थी। सीएम फ्लाइंग ने औचक निरीक्षण के दौरान मिली खामियों की विस्तृत रिपोर्ट बना कर मुख्यालय को भेज दी है। आगामी कार्रवाई औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा अमल मे लाई जाएगी। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि राजकिय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को औचक निरीक्षण किया गया था। साफ-सफाई को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री के निर्देश पर सेना ने आतंकियों को कल्पना से बड़ी सजा दीः ढांडा

एजेंसी

रोहतक। मोदी सरकार के 11 साल-संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत रोहतक में हुई लोकसभा स्तरीय कार्यशाला में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर और प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने मोदी सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों में शौचालय से लेकर ब्रह्मोस तक की उपलब्धियों को दुनिया ने देखा है। ढांडा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पीएम मोदी के निर्देशों पर हमारी सेना ने कल्पना से बड़ी सजा आतंकवादियों को दी है। प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को बेमिसाल बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए मार्ग पर चलकर प्रकृति से लेकर व्यक्ति तक संतुष्टि का अहसास करा रही है।

कार्यशाला को पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने भी संबोधित किया। कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि भारत दुनिया की चौथी

बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना है। यह सब मजबूत राजनीतिक सोच के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक सोच कमजोर है तो कोई ताकत किसी भी देश को गरीब होने से रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि आज भारत की राजनीतिक सोच परिपक्व है। प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कार्यशाला में बोलते हुए कहा कि मोदी और नायब सरकार ने हर व्यक्ति को सुखी करने का काम किया है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार में लोगों का जीवन सरल हुआ है। देश और प्रदेश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है, अब कई घंटों का सफर कुछ घंटों में तय हो रहा है। पूनिया ने कहा कि हमारे कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं। पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम इस बार हमारे 17 हजार 763 बूथों पर सुना और अपलोड किया गया। उन्होंने इसके लिए कार्यकर्ताओं को बधाई भी दी।

पानीपत में किसान को जिंदा जलाने में सरकार का संरक्षण : सुरजेवाला

एजेंसी

पानीपत। राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला पानीपत पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि हरियाणा के इतिहास में 75 वर्षों में जो अपराध नहीं हुआ, वह अब पानीपत की धरती पर सरकार के संरक्षण और मिलीभगत में हुआ। सुरजेवाला ने कहा कि साल 2014 में भाजपा सरकार के गठन के साथ ही एक जमीन डेवलपर का उदय हुआ, जिसका नाम है। सुमित कुमार नरवर। साल 2014 से 2021 तक हरियाणा की सत्ता के गलियारों में हर व्यक्ति सुमित कुमार नरवर व भाजपा सरकार में उसकी पहुंच और दबदबे को जानता है। उन्होंने कहा कि सुमित कुमार नरवर की ट्राइडेंट होल्डिंग कॉर्पोरेशन पैरेंट कंपनी है। इस लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप के दो पार्टनर हैं सुमित कुमार नरवर और पूनम नरवर। इससे पहले इसका नाम ट्राइडेंट रियल्टी था। सुमित नरवर का ट्राइडेंट ग्रुप ट्राइडेंट पार्क टाउन प्राईवेट लिमिट के नाम से पानीपत में सेक्टर 19 में लगभग 125 एकड़ में एक टाउनशिप बना रहे हैं सुमित कुमार नरवर की इस कंपनी ट्राइडेंट पार्क टाउन प्राईवेट लिमिटेड का विवाद गांव निजामपुर, जिला पानीपत निवासी एक गरीब किसान विजेंद्र कुमार से चल रहा था। पानीपत प्रशासन ने भी पार्टीशन के दावे में बहुत तीव्र गति से कार्रवाई कर इस गरीब किसान के हकों को खारिज कर सुमित कुमार नरवर की कंपनी के हक में फैसला दे दिया। दो जून 2025 की शाम को गांव निजामपुर किसान विजेंद्र कुमार पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर कंपनी के बाउंसरों द्वारा उसे जिंदा जला दिया गया। विजेंद्र अपनी जमीन न छीनने को लेकर बिलखता रहा, रोता रहा, लेकिन जो कंपनी अब सरकार बन गई है, उसके गुंडों ने पीड़ित किसान की एक नहीं सुनी। गरीब किसान विजेंद्र की जलाकर सुनियोजित तरीके से हत्या कर दी गई। रणदीप सुरजेवाला ने कहा, जब गरीब किसान विजेंद्र को परिवारजन उठाकर दिल्ली ले जा रहे थे, तो बाकायदा उसने स्वयं कैमरे पर कंपनी के कारिंदों द्वारा जिंदा आग लगाकर जलाने की बात कही। सरकार प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत है, 2 जून को कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

कॉर्पोरेट सीएसआर हस्तक्षेप के एक हिस्से के रूप में, श्री एस सुब्रमण्यन

एजेंसी

नवी मुंबई। ईडी (डब्ल्यूआर-आई) और श्री जसबीर सिंह, ईडी (सीएसआर) ने 3 जून 2025 को टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी), नवी मुंबई के एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर

(एक्ट्रेक) में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग को औपचारिक रूप से सीटी सिम्युलेटर सिस्टम सौंपा। रेडिएशन थेरेपी में एक आवश्यक उपकरण के रूप में यह अत्याधुनिक सीटी सिम्युलेटर सटीक उपचार योजना को सक्षम करने और देखभाल की डिलीवरी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे देश में कई कैंसर रोगियों को लाभ होगा। सीटी सिम्युलेटर सिस्टम को 6.70 करोड़ की लागत से वित्त पोषित किया गया है। डॉ. तेजपाल गुप्ता, विभागाध्यक्ष (रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग) तथा एसीटीआरईसी और पावरग्रिड के अन्य अधिकारी।

मारुति सुजुकी के खरखौदा और मानेसर में सौर क्षमता में 30 एमडब्ल्यूपी का विस्तार

नई दिल्ली। अपने परिचालन में नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती देते हुए यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने दो नई परियोजनाओं के साथ अपनी सौर क्षमता में 30एमडब्ल्यूपी का विस्तार करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि हरियाणा के खरखौदा में अपने नए संयंत्र में 20एमडब्ल्यूपी क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की और अपने मानेसर संयंत्र में 10एमडब्ल्यूपी क्षमता की एक अन्य सौर क्षमता शुरू की गयी है। इसके साथ, पिछले एक साल में मारुति सुजुकी की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 49एमडब्ल्यूपी से बढ़कर 79 एमडब्ल्यूपी हो गई है। इसके अलावा, कंपनी अपने उपभोग के लिए राज्य बिजली बोर्ड से प्राप्त हरित ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ा रही है। सौर ऊर्जा और हरित ऊर्जा से जुड़ी इन पहलों से कंपनी को रिन्यूएबल एनर्जी पर अपनी निर्भरता को सार्थक रूप से बदलने में मदद मिलेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी ताकेउचि ने कहा, हमारी पैरेंट कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पर्यावरण विजन 2050 और भारत सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ हम अपने ऑपरेशंस में नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल को व्यवस्थित रूप से बढ़ा रहे हैं। वित्त वर्ष 2030-31 तक मारुति सुजुकी की योजना 925 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश से 319एमडब्ल्यूपी की सौर क्षमता तक पहुंचने की है।

शक्कर में पूछपरख, खाद्य तेल में सुधार, दलहन- दाल मजबूत, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख रही। खाद्य तेलों में कामकाज सुधार लिए रहा। तिलहन में लिवाली रही। मंडी बंद रही। प्रायवेट में दलहन तथा दालों में मांग बताई गई। चावल में उठाव रहा।किराना बाजार सियागंज किराना बाजार में शक्कर में कांउटर सेल सुधार लिए रहा। जिससे भाव बने रहे। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ मजबूत रहा। खोपरा बूरा में मांग से तेजी हुई। हल्दी में ग्राहकी रही। तेल-तिलहन खाद्य तेलों में आज मूंगफली तेल 10 रुपये ऊंचा होकर बिका। तिलहन में पूछपरख रही। दाल-दलहन संयोगितागंज अनाज मंडी महेश जयंती पर बंद रही। प्रायवेट में दलहन जिन्सों में मांग रही। दालों में उठाव बना बताया गया। चावल में काउंटर सेल रही।

अमूल' ने स्पेन में किया दूध लॉन्च

आणंद। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (अमूल) ने स्पेन में दूध लॉन्च किया और स्पेन की सहकारी संस्था कोऑपरेटिवा गनेडेरा डेल वैले डे लॉस पेड्रोचेस (सीओवीएपी) के साथ साझेदारी की है। अमूल के प्रबंध निदेशक श्री जयेन मेहता ने बुधवार को यहां जारी अपने बयान में कहा कि अमूल ने स्पेन और यूरोपीय संघ (ईयू) में अमूल दूध लॉन्च किया है। इसके लिए अमूल ने स्पेन की प्रमुख प्रथम श्रेणी की सहकारी संस्था कोऑपरेटिवा गनेडेरा डेल वैले डे लॉस पेड्रोचेस के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। लॉन्च समारोह भारत के दूतावास, मैड्रिड में आयोजित किया गया, जिसमें दिनेश के. पटनायक, स्पेन के भारतीय राजदूत, डी. फर्नांडो हेरिडिया नोगुएरा, उप निदेशक अंतरराष्ट्रीय संबंध, कृषि, मत्स्य एवं खाद्य मंत्रालय, रिकार्डो डेलगाडो विस्कैनो, अध्यक्ष सीओवीएपी तथा अमूल के वरिष्ठ अधिकारीगण और स्पेन में अमूल के चैनल पार्टनर्स की उपस्थिति रही। अमूल ब्रांड को विश्व की सबसे शक्तिशाली डेयरी ब्रांड और भारत की सबसे बड़ी उपभोक्ता उत्पाद समूह ब्रांड के रूप में मान्यता प्राप्त है। 36 लाख से अधिक डेयरी किसानों के साथ अमूल दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था है।

मई में 211 करोड़ से अधिक आधार प्रमाणीकरण लेनदेन

एजेंसी

नई दिल्ली। आधार संख्या धारकों ने मई 2025 में 211 करोड़ से अधिक प्रमाणीकरण लेनदेन किए, जिससे ऐसे लेनदेन की स्थापना के बाद से अब कुल संख्या 15,223 करोड़ से अधिक हो गई है। इसके अतिरिक्त मई 2025 में 15.49 करोड़ फेस प्रमाणीकरण लेनदेन दर्ज किए गए। भारतीय विशिष्ठ पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आज यहां इस संबंध आंकड़े जारी करते हुये कहा कि मई में आधार प्रमाणीकरण लेनदेन पिछले महीने की तुलना में अधिक हैं। मई 2024 में 201.76 करोड़ ऐसे लेनदेन हुये थे। यूआईडीएआई ने कहा कि बढ़ती संख्या दर्शाती है कि कैसे आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रभावी कल्याण वितरण में एक सुविधाजनक भूमिका निभा रहा है, और सेवा प्रदाताओं द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं का स्वेच्छा से लाभ उठा रहा है। यह लाखों लोगों के

लिए जीवन को आसान बनाने का उत्प्रेरक है। प्रमाणीकरण की बढ़ती संख्या आधार के व्यापक उपयोग और उपयोगिता तथा देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास को दर्शाती है। यूआईडीएआई के एआई/एमएल आधारित आधार फेस प्रमाणीकरण समाधानों में भी लगातार वृद्धि देखी जा रही है। मई 2025 में, 15.49 करोड़ फेस प्रमाणीकरण लेनदेन दर्ज किए गए, जो इस प्रमाणीकरण पद्धति को अपनाने और आधार संख्या धारकों को इससे होने वाले लाभ को रेखांकित करता है। मंत्रालयों और विभागों, वित्तीय संस्थानों, तेल विपणन कंपनियों, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं सहित 100 से अधिक संस्थाएँ लाभ और सेवाओं के सुचारू वितरण के लिए फेस प्रमाणीकरण का उपयोग कर रही हैं। इसी तरह, मई में 37 करोड़ से अधिक ई-केवाईसी लेनदेन किए गए। आधार ई-केवाईसी सेवा ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं सहित क्षेत्रों में व्यापार करने में आसानी को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

केवीआईसी ने 8,794 लाभार्थियों को 300 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की

एजेंसी

नई दिल्ली। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत देशभर में 8,794 लाभार्थियों को 300 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मंत्रालय के खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत मंगलवार को वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित कर देशभर के 8794 लाभार्थियों को 300 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की। यह संवितरण करीब 884 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति के एवज में किया गया। मंत्रालय के मुताबिक यह कार्यक्रम केवीआईसी केंद्रीय कार्यालय, इरला रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसमें केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने लाभार्थियों को वर्चुअल माध्यम से सब्सिडी जारी की। इस अवसर पर केवीआईसी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रूप राशि सहित केंद्रीय कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आरबीआई ने नीतिगत ब्याज दर को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई दर में नरमी के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज द्वैमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद यह एलान मुंबई में किया। आरबीआई के इस फैसले से होम लोन और कार लोन की ईएमआई कम होने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, ऐसा बैंकों की ओर से ब्याज दरों में कटौती के एलान के बाद ही हो पाएगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महंगाई दर में नरमी के बीच आरबीआई ने घरेलू अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, चालू वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.50 फीसदी रहने का अनुमान है, जो

हमारे पहले के पूर्वानुमान के अनुसार जारी रहेगी, जिसमें पहली तिमाही 6.50 फीसदी, दूसरी तिमाही 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही 6.4 फीसदी रहेगी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने साल 2025 में लगातार तीसरी बार एमएमसी की बैठक में नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में कटौती का एलान किया है। इससे पहले आरबीआई ने इस वर्ष फरवरी और अप्रैल में लगातार दो बार रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी तक की कटौती की थी, जिससे यह घटकर 6 फीसदी पर आ गई थी, जो इस बार की कटौती के बाद घटकर 5.50 फीसदी हो गई है।

राफेल लड़ाकू विमान की मेल बॉडी अब बनेगी भारत में

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन (टीएएसएल) के साथ चार उत्पादन हसतांतरण करार किये हैं जिसमें तहत राफेल लड़ाकू विमान की मेन बॉडी का निर्माण भारत में किया जायेगा। इसे फ्यूजलाज कहा जाता है। इन दोनों कंपनियों ने यहां जारी संयुक्त बयान में कहा कि यह करार देश की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा भारत के एयरोस्पेस बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण निवेश का प्रतिनिधित्व करती है और उच्च परिशुद्धता विनिर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करेगी। साझेदारी के दायरे में, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स हैदराबाद में राफेल के प्रमुख संरचनात्मक खंडों का उत्पादन फ्रांस के बाहर किया जाएगा। यह भारत में हमारी आपूर्ति

के निर्माण के लिए एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित करेगी, जिसमें पूरी बॉडी का निर्माण किया जायेगा। वित्त वर्ष 2028 में असेंबली लाइन से पहला फ्यूजलाज बनने की उम्मीद है, इस सुविधा से हर महीने दो पूर्ण फ्यूजलाज तैयार होने की उम्मीद है। डसॉल्ट एविएशन के अध्यक्ष और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा, पहली बार राफेल फ्यूजलाज श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। भारतीय एयरोस्पेस उद्योग में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक टीएएसएल सहित हमारे स्थानीय भागीदारों के विस्तार के कारण, यह आपूर्ति श्रृंखला राफेल के सफल निर्माण में योगदान देगी और हमारे समर्थन से हमारी गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

भारत ने समुद्री बुनियादी ढांचे के लिए 20 अरब अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 20 अरब अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह संपर्क और व्यापार सुविधा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सोनोवाल ने ओस्लो में नोर-शिपिंग सम्मेलन में बोलते हुए भारत की बढ़ती समुद्री क्षमताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें अनुकूल नीति प्रेरित निवेश वातावरण, सिद्ध जहाज निर्माण शक्ति और क्षेत्रीय विकास में तेजी लाने के लिए नवीन वित्तपोषण योजनाएं शामिल हैं। सर्बानंद सोनोवाल ने

ओस्लो में नॉर-शिपिंग में नाविकों की भर्ती के लिए अधिक भागीदारी का आह्वान किया। पोत परिवहन मंत्री ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईईसी), पूर्वी समुद्री गलियारा (ईएमसी) और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) जैसे रणनीतिक गलियारों के साथ समुद्री संपर्क और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत ने मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह संपर्क और व्यापार सुविधा बढ़ाने पर केंद्रित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर की प्रतिबद्धता जताई है। सोनोवाल ने कहा, नीतिगत प्रोत्साहनों, व्यापार में आसानी और बुनियादी ढांचे में वृद्धि के माध्यम से, हम 2047 तक भारत को शीर्ष पांच जहाज निर्माण देशों में से एक के रूप में उभरने की नींव रख रहे हैं। सोनोवाल नॉर्वे और डेनमार्क की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

वित्त मंत्रालय ने राज्यों से बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा करने और जनता के लिए निर्बाध बैंकिंग सेवाएं बनाए रखने को कहा है।

सरकार का यह कदम हाल ही में बैंक परिसरों में असामाजिक तत्वों द्वारा बैंक कर्मचारियों के साथ आक्रामक व्यवहार करने की परेशान करने वाली घटनाओं के बाद आया है। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बैंकिग सुविधाओं तक जनता की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कहा है। नागराजू ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को संबोधित एक पत्र में बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा और जनता के लिए दैनिक वित्तीय जरूरतों और आर्थिक गतिविधियों को पूरा करने के लिए निर्बाध बैंकिंग सेवाओं को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। डीएफएस सचिव एम नागराजू ने मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा, हाल के दिनों में समाचार रिपोर्टों और सोशल मीडिया कवरेज ने बैंक परिसर के भीतर असामाजिक तत्वों द्वारा बैंक कर्मचारियों के साथ आक्रामक व्यवहार करने की परेशान करने वाली घटनाओं को उजागर किया है, जिसमें मौखिक दुर्व्यवहार, शारीरिक हमला और यहां तक कि परिचालन में बाधा डालना भी शामिल है। उन्होंने कहा, बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा और बैंकिंग तक निर्बाध सार्वजनिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निवारक कानूनी उपायों के साथ ऐसी कार्रवाइयों से दृढ़ता और तत्परता से निपटा जाना चाहिए।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 444 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन भी घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी दिखी। कारोबार के अंत में दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक?सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 443.79 अंक यानी 0.55 फीसदी की उछाल के साथ 81,442.04 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 130.70 अंक यानी 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 24,750.90 के स?तर पर बंद हुआ है विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह और मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 में गिरावट रही। कारोबार के दौरान

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से इटर्नल (पूर्व में जोमैटो) में सर्वाधिक 4.50 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ ही पावर ग्रिड, आईसीआईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर भी चढ़कर बंद हुए। इसके उलट इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। इसके अलावा एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि जापान का निक्की 225 नुकसान में रहा। यूरोपीय बाजार दोपहर कारोबार के दौरान बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.35 फीसदी बढ़कर 65.14 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को भी शेयर बाजार में तेजी रही। बीएसई का सेंसेक्स 260 अंक की बढ़त के साथ 80,998 के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी में भी 78 अंक की बढ़त के साथ 24,620 के स्तर पर बंद हुआ था।

भारत और किर्गिस्तान के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि लागू हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और किर्गिज गणराज्य की सरकार के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही भारत-किर्गिजस्तान के बीच बीआईटी आज से लागू हो गया। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण और किर्गिज गणराज्य के विदेश मंत्री झीनबेक कुलुबाएव मोल्दोकानोविच के बीच आज नई दिल्ली में हस्ताक्षर हुए। भारत और किर्गिज़ सरकार के बीच 14 जून, 2019 को बिश्केक में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) आज से लागू हो गई है। यह नई बीआईटी 12 मई, 2000 को लागू किए गए पहले के समझौते का स्थान लेगी, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश की सुरक्षा में निरंतरता सुनिश्चित होती है। वित्त मंत्रालय ने

कहा कि भारत-किर्गिज बीआईटी द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सुरक्षित तथा पूर्वानुमानित निवेश वातावरण को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बीआईटी का उद्देश्य एक दूसरे के क्षेत्र में किसी भी देश के निवेशकों के हितों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना है।

सुदर्शन वेणु टीवीएस मोटर के अध्यक्ष नियुक्त, 25 अगस्त को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली। ऑटोमोटिव कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी ने सुदर्शन वेणु को कंपनी का नया अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। वह 25 अगस्त से अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अपना पदभार संभालेंगे। टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बयान में बताया कि निदेशक मंडल ने

सर्वसम्मति से सुदर्शन वेणु को कंपनी का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। निदेशक सुदर्शन वेणु 25 अगस्त से कार्यभार संभालेंगे। टीवीएस बोर्ड का यह निर्णय ऐसे समय में आया है, जब वर्तमान चेयरमैन राल्फ स्पेथ ने पुनर्नियुक्ति लेने से इनकार कर दिया है। वे 22 अगस्त को कंपनी की एजीएम के बाद पद छोड़ देंगे। सुदर्शन वेणु ने नियुक्ति के बाद कहा, वर्तमान अध्यक्ष सर राल्फ स्पेथ कंपनी को वैश्विक स्तर पर और अधिक विकसित करने के लिए मार्गदर्शन देने में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह स्पेथ से निरंतर मार्गदर्शन की उम्मीद करते हैं।

2030 तक एक हजार हाईड्रोजन चालित ट्रकों के संचालन का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के निदेशक अभय बाकरे ने कहा कि 2030 तक सरकार का लक्ष्य एक हज़ार से अधिक हाइड्रोजन-संचालित ट्रकों के संचालन का है, जिसमें परिवहन क्षेत्र हरित हाइड्रोजन की मांग पैदा करने वाला पहला क्षेत्र होगा और इससे तीन वर्षों के भीतर डीजल के साथ 25से 30 प्रतिशत लागत अंतर को कम करने में मदद मिलेगी। श्री बाकरे ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर 'मोबिलिटी में क्रांति लाना- ऑटोमोटिव उद्योग को स्वच्छ और सर्कुलर भविष्य की ओर ले जाना' विषय पर आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि परिपक्व प्रौद्योगिकी और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ, 7-8 साल पहले अपनी शुरुआत के बाद से भारत में ईवी ने तेजी से विस्तार किया है। 2035 तक सियाम के पेशेवर मार्गदर्शन और आईएम की प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर सड़कों पर हाइड्रोजन वाहनों की एक महत्वपूर्ण संख्या की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि विकेन्द्रीकृत पहुँच को सक्षम करने के लिए 10 स्वीकृत हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले गलियारों के साथ हरित हाइड्रोजन अवसंरचना विकसित हो रही है। 2030 तक, हमारा लक्ष्य एक हज़ार से अधिक हाइड्रोजन-संचालित ट्रकों का है, जिसमें परिवहन क्षेत्र हरित हाइड्रोजन की मांग पैदा करने वाला पहला क्षेत्र होगा, जो तीन वर्षों के भीतर डीजल के साथ 25 से30 प्रतिशत लागत अंतर को कम करेगा। भारी उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. हनीफ कुरैशी ने कहा, भारत में पहले से ही 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण हासिल किया गया है और 11 से अधिक कंपनियां फ्लेक्स-फ्यूल इंजन विकसित कर रही हैं। स्वच्छ तकनीकें भविष्य हैं, और हरित अर्थव्यवस्था के साथ-साथ, हम विनिर्माण के स्वदेशीकरण को प्राथमिकता दे रहे हैं। हाइड्रोजन को अपनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है और पुराने वाहनों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए डीजल ट्रकों को स्क्रैप करने और स्थानीय रूप से निर्मित घटकों को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ आवंटित करने के साथ एक इलेक्ट्रिक ट्रक कार्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारत 14,000 इलेक्ट्रिक बसें चला रहा है, जो अपनी तरह का सबसे बड़ा टेंडर है, साथ ही हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक एम्बुलेंस के लिए पहल भी कर रहा है। सियाम के अध्यक्ष और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड एवं टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा, सर्कुलर इकोनॉमी को आगे बढ़ाने के लिए, हमें तीन प्रमुख हस्तक्षेपों की आवश्यकता है- पहला, ओईएम को हल्के वजन वाली तकनीक और कुशल वाहन जीवनचक्र प्रबंधन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत नीतिगत ढांचा; दूसरा, 125 स्वीकृत स्क्रैपिंग सुविधाओं की मदद से, जिनमें से 65 चालू हैं, जीवन-अंत वाहनों को स्क्रैप करने को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन या हतोत्साहन तंत्र; और तीसरा, प्रभावी ईओएल, वाहन संग्रह केंद्र स्थापित करने के लिए संयुक्त उद्योग-सरकारी अभियानों के माध्यम से रीसाइक्लिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करना। इस सम्मेलन में सरकार, उद्योग जगत, थिंक टैंक और इंजीनियरिंग के लोगों ने भाग लिया और पर्यावरण के प्रति जागरूक मोबिलिटी सिस्टम, सर्कुलरिटी, बदलाव में तेजी लाने और जिम्मेदार कार्रवाई को सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया।

भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, बेन स्टोक्स करेंगे कप्तानी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ शुरू होने वाली रोथसे टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर कप्तान बेन स्टोक्स के हाथों में होगी। खास बात यह है कि सरे के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार जून 2022 में हेडिंग्ले में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना डेब्यू मैच खेला था। हालांकि हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज़ के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी और फिलहाल वे मेडिकल निगरानी में हैं ब्रायडन कार्स, जैकब बेटल और क्रिस वोक्स की भी टीम में वापसी हुई है। ये तीनों खिलाड़ी दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे। वहीं, तेज़ गेंदबाज़ गस एटकिंसन को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण चयन से बाहर कर दिया गया है।इंग्लैंड और भारत के बीच कुल पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी, जिसका अंतिम मुकाबला 4 अगस्त को लंदन के किआ ओवल में होगा।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेटल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, ज़ैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और क्रिस वोक्स।

प्राइम वॉलीबॉल लीग को मिला नया सदस्य, गोवा गार्जियंस बना 10वां फ्रेंचाइज़ी

मुंबई। भारत की सबसे तेज़ी से बढ़ती खेल लीगों में शामिल प्राइम वॉलीबॉल लीग ने अपने विस्तार की घोषणा करते हुए गोवा गार्जियंस को 10वीं फ्रेंचाइज़ी के रूप में शामिल किया है। गोवा पर आधारित यह टीम लीग के चौथे सीज़न में पहली बार मैदान में उतरेगी, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2025 से होगी। गोवा गार्जियंस टीम का मालिकाना हक़ राजू चेकुरी के पास है, जो नेतेनरिच कंपनी के चेयरमैन, प्रेसिडेंट और सीईओ हैं। खेलों के प्रति गहरी रुचि रखने वाले चेकुरी ने कहा, गोवा गार्जियंस के साथ प्राइम वॉलीबॉल लीग में शामिल होना सिर्फ एक टीम लॉन्च नहीं, बल्कि भारतीय वॉलीबॉल में एक दीर्घकालिक निवेश है। हमारा लक्ष्य है भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की एथलेटिक प्रतिभा को निखारना और उन्हें वैश्विक मंच प्रदान करना।' उन्होंने कहा, 'मेरा सपना है कि भारत अगले दशक में ओलंपिक में वॉलीबॉल में प्रतिस्पर्धा करे। इसके लिए हमें एक लीग, एक सोच बनकर मिलकर काम करना होगा ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर और प्रशिक्षण मिल सके। गोवा गार्जियंस इसी मिशन के लिए समर्पित है।'

पीयूष चावला ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, दो बार रहे विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा

नई दिल्ली। भारत के दो बार के विश्व कप विजेता लेग स्पिनर पीयूष चावला ने पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 36 वर्षीय चावला ने इंस्टाग्राम पोस्ट करके इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'मैदान पर दो दशक से अधिक समय बिताने के बाद इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है।' चावला में 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीत में भारतीय टीम का हिस्सा थे। चावला ने पेशेवर क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 1000 से अधिक विकेट हासिल किए। 2012 में अपने अंतिम प्रदर्शन तक पांच वर्षों में भारत के लिए 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 मैच खेले जिसमें उन्होंने 43 विकेट लिए। चावला ने कहा, भारत का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक, इस अविश्वसनीय यात्रा में हर पल किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस को दिल से धन्यवाद जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया।

जोफ्रा आर्चर वापसी की तैयारी में, भारत के खिलाफ खेलेंगे दूसरा टेस्ट

लंदन। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा कि पारंपरिक प्रारूप में चार साल पहले अपना पिछला मुकाबला खेलने वाले स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अगले महीने भारत के खिलाफ टीम के दूसरे टेस्ट मैच के लिए वापसी कर सकते हैं। 5 मैच की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक एजबस्टन में होगा। 30 वर्षीय आर्चर ने कई बार चोटिल होने के कारण 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला है और हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए टीम में उनके चयन के लिए भी विचार नहीं किया गया क्योंकि वह हाल ही में समाप्त हुई इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान अंगूठे में हुए फ्रेक्चर से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। राइट ने कहा कि जॉफ (आर्चर) काफी अच्छी तरह उबर रहे हैं। उनके लिए योजना यह है कि वह कुछ प्रथम श्रेणी मैच खेलें। ससेक्स की दूसरी टीम का हिस्सा बनें और फिर पहले टेस्ट के दौरान डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेलें। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह ससेक्स के लिए खेलेगा ।

नॉर्वे शतरंज 2025 : कार्लसन अंतिम राउंड से पहले बढ़त पर, गुकेश ने किया दबाव तेज

एजेंसी

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे शतरंज 2025 का नौवां राउंड रोमांच से भरपूर रहा, जहां शीर्ष खिलाड़ियों के निर्णायक मुकाबलों ने अंक तालिका को पूरी तरह हिला कर रख दिया है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने फबियानो करूआना के खिलाफ अहम जीत दर्ज की। शुरुआत से ही कार्लसन ने बढ़त बना ली थी और एंडगेम तक पहुंचते-पहुंचते करूआना की मजबूत डिफेंस को तोड़ते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश और चीन के शीर्ष खिलाड़ी वे यी के बीच मुकाबला बेहद रोचक रहा। शुरुआती दौर में वे यी की एक बड़ी चूक का फायदा उठाते हुए गुकेश ने आक्रामक खेल दिखाया और जीत की ओर बढ़ते चले गए। एंडगेम में उन्होंने सटीकता के साथ जीत को सुनिश्चित किया। हिकारु नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी के बीच

क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन अर्मागेडन गेम में नाकामुरा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक बटोर लिए। अंतिम राउंड से पहले मैग्नस कार्लसन आधा अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि गुकेश डी नजदीकी पीछा कर रहे हैं। फाइनल राउंड अब बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

नॉर्वे महिला शतरंजः कोनेरू हम्पी की बढ़त, पर खिताबी रेस अभी बाकी महिलाओं के टूर्नामेंट में भी नौवां राउंड बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। सभी तीन मुकाबले निर्णायक रहे, जिससे अंतिम दिन के पहले अंक तालिका में बड़ा उलटफेर हुआ है। वैशाली रमेशबाबू और सारा खादेमअलशारिया के बीच मुकाबला बेहद जटिल रहा। सारा ने समय पर दबाव बनाए रखा और अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए मुकाबला जीत लिया। जू वेनजुन और अन्ना मुजिचुक की भिड़ंत में अन्ना ने शुरू में ही एक्सचेंज की कुर्बानी देकर खेल में पकड़ बनाई। जू की एक बड़ी रक्षात्मक गलती के चलते अन्ना ने आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। कोनेरू हम्पी और लेई तिंगजी के मुकाबले में हम्पी ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन एक बड़ी गलती ने गेम का रुख पलट दिया। लेई ने मौके का फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की। अब अंतिम राउंड से पहले अन्ना मुजिचुक दो अंकों की बढ़त के साथ टॉप पर हैं, लेकिन हम्पी कोनेरू सहित शीर्ष चार खिलाड़ियों के पास अब भी खिताब जीतने का मौका है।

इंडोनेशिया ओपन 2025: पी.वी. सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं, ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी बाहर

एजेंसी

जकाता। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2025 में सफर प्री-क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु ने मैच की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में 10-16 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए गेम 21-18 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में चोचुवोंग ने आक्रामक खेल दिखाया और 10 अंकों की बढ़त बनाते हुए गेम 21-10 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी लंबे समय तक बराबरी पर रहीं, लेकिन आखिरी क्षणों में चोचुवोंग ने बढ़त बनाते हुए गेम 21-18 से जीतकर मैच अपने नाम किया।

ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी हारीः महिला युगल मुकाबले में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी जापान की युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो के खिलाफ 13-21, 22-24 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

पुरुष युगल में भारत की

उम्मीदें बरकरार

भारत की चुनौती टूर्नामेंट में अभी बाकी है, क्योंकि पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी आज बाद में अपने मुकाबले में उतरेगी।

फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में बड़ा उलटफेरः सबालेंका ने गत चैंपियन स्वियातेक को किया बाहर

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 में महिला एकल वर्ग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने चार बार की चैंपियन और गत विजेता इगा स्वियातेक को सेमीफाइनल में 6-7(1), 6-4, 6-0 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ स्वियातेक की रोलां गैरो पर 26 मैचों की जीत की लय भी टूट गई। इगा स्वियातेक ओपन युग (1968 से) में पहली महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं, जो पेरिस में लगातार चार खिताब जीततीं। हालांकि सबालेंका की ताकतवर खेल शैली के आगे वह टिक नहीं सकीं। उन्होंने मैच की शुरुआत से ही गलतियों की झड़ी लगा दी और पहले तीन गेम में ही सात अनफोर्स्ड एरर कर बैठीं। सेमीफाइनल में सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि स्वियातेक ने वापसी करते हुए पहला सेट टाइब्रेक में 7-6(1) से जीत लिया, लेकिन सबालेंका ने दूसरा सेट 6-4 से और निर्णायक सेट 6-0 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं और स्वियातेक

का खेल बिखरता चला गया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह जीत मेरे लिए खास है, लेकिन मैं जानती हूं कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है। तीसरे सेट में मैं अपनी सर्विस खोज पाई और यह मेरे लिए परफेक्ट रहा। मैच के बाद इगा स्वियातेक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा से खास रहा है। हालांकि मैं इस बार चैंपियन नहीं बन सकी, लेकिन मैं यहां फिर लौटूंगी।' उन्होंने सबालेंका के खेल की तारीफ करते हुए कहा, 'पहले और तीसरे सेट में उनकी गति और ताकत के आगे मैं संघर्ष करती रही।' अब सबालेंका का सामना फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ से होगा, जिन्होंने फ्रांस की वाइल्डकार्ड एंट्री लोइस बॉइसन को आसानी से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा, जिसमें सबालेंका पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने की कोशिश करेंगी।

रॉब वॉल्टर बने न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के नए हेड कोच

एजेंसी

वेलिंगटन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व व्हाइट-बॉल कोच रॉब वॉल्टर को न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। वॉल्टर अगले तीन वर्षों तक टीम की कमान सभी फॉर्मेट्स–टेस्ट, वनडे और टी20–में संभालेंगे। 49 वर्षीय वॉल्टर दक्षिण अफ्रीका की कोचिंग से हाल ही में अलग हुए थे, जबकि उनके अनुबंध की मियाद अभी दो साल और बची थी। उनके नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, वहीं 2024 टी20 वर्ल्ड कप में टीम फाइनल तक पहुंची थी।

गौर करने वाली बात यह है कि वॉल्टर की फैमिली पहले से ही न्यूजीलैंड में रहती है और उन्होंने हॉक्स बे में अपना ठिकाना बनाया हुआ है। न्यूजीलैंड की घरेलू टीमों ओटागो वोल्ट्स और सेंट्रल स्टैग्स के साथ कोचिंग अनुभव भी उनके खाते में है। वॉल्टर ने 2022-23 सीज़न में सेंट्रल स्टैग्स को फोर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड जीत दिलाई थी। इसके अलावा वह 2022 में भारत दौरे पर गई न्यूजीलैंड ए टीम के कोच भी रह चुके हैं और आईपीएल में असिस्टेंट कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं। वॉल्टर न्यूजीलैंड के मौजूदा कोच गैरी स्टीड की जगह लेंगे। हालांकि, शुरुआत में न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने अलग-अलग फॉर्मेट्स के लिए अलग कोच नियुक्त करने का विचार किया था, लेकिन बाद में उन्होंने एक ही व्यक्ति को तीनों फॉर्मेट की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। उनका कार्यकाल अगले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल, 2027 वनडे वर्ल्ड कप, 2026 और 2028 टी20 वर्ल्ड कप, और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक तक चलेगा।नियुक्ति के बाद वॉल्टर ने कहा, ब्लैककैप्स लंबे समय से एक सफल और विश्वसनीय टीम रही है, और इस टीम के साथ काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक बेहद रोमांचक अवसर है, जहां कई बड़े टूर्नामेंट और

द्विपक्षीय सीरीज सामने हैं। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वीनिंक ने वॉल्टर की नियुक्ति पर कहा, रॉब एक विश्वस्तरीय कोच हैं जिनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में उनकी सफलता और हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के साथ उनकी उपलब्धियां उन्हें ब्लैककैप्स के लिए आदर्श कोच बनाती हैं।

शुभमन गिल की टेस्ट कप्तानी की शुरुआतः 'स्पष्टता और आत्मविश्वास' को बनाना चाहते हैं टीम की पहचान

एजेंसी

मुंबई। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने अपने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण को लेकर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाया। 25 वर्षीय गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ से अपनी कप्तानी की शुरुआत करने जा रहे हैं और उनका लक्ष्य है – टीम के भीतर विश्वास और पारदर्शिता की संस्कृति को विकसित करना। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, 'मेरे पास कोई खास कप्तानी का स्टाइल नहीं है। जितना ज़्यादा खेलते हो, उतना ज़्यादा अनुभव आता है और आपकी अपनी शैली खुद सामने आती है। मेरे लिए सबसे जरूरी चीज़ है खिलाड़ियों से संवाद, उन्हें उनकी ताकत और कमजोरी को लेकर सहज महसूस कराना। अगर खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे

अपना 100फीसदी दे पाते हैं। गिल ने रोहित शर्मा की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा, 'रोहित भाई की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी साफ़-साफ़ बात करने की शैली। वे जानते थे कि खिलाड़ियों से क्या चाहिए और उसे साफ़ तरीके से बताते थे। मैं भी वही अपनाना चाहूंगा।' भारत को हाल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में गिल को बड़ी चुनौती के साथ कप्तानी सौंपी गई है। इस पर गिल ने कहा, हर दौरे में दबाव होता है। हमारे पास अच्छा कॉम्बिनेशन है – अनुभव और टैलेंट का। नए सिरे से शुरुआत करने का मौका है और हम इसके लिए तैयार हैं। गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान हैं और 1988 में एक टेस्ट के लिए कप्तान बने रवि शास्त्री के बाद सबसे कम उम्र के टेस्ट लीडर हैं। गिल ने बताया कि टीम का बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा,'हम 10 दिनों का कैंप करेंगे और 13 से 16 जून के बीच एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी होगा। उसी के बाद हम तय करेंगे कि कौन किस क्रम पर खेलेगा।' गौरतलब है कि भारत की 18 सदस्यीय टीम में पहली बार शामिल हुए हैं बी. साई सुधर्शन, जबकि 8 साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं करुण नायर। अभिमन्यु ईश्वरन को भी बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर विकल्पों में नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा शामिल हैं।

एसएलआई को लेकर उत्साहित अंजुम मौदगिल, बोलीं- युवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी प्रतियोगिता

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की शुरुआत को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि यह पहली बार हो रहा है कि निशानेबाजी के लिए कोई लीग आयोजित की जा रही है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं पिछले 17 वर्षों से इस खेल से जुड़ी हूं और मैंने इसे लगातार आगे बढ़ते देखा है। अब जब इसकी एक प्रतियोगिता होने जा रही है, तो यह खेल को और मजबूती देगी और लोग इसके बारीक पहलुओं को भी समझ पाएंगे। देश में निशानेबाजी को बढ़ावा देने के लिए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने पिछले महीने शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) के उद्घाटन संस्करण की घोषणा की थी। यह लीग इस वर्ष 20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच खेली जाएगा। लीग में देश एवं विदेश के प्रमुख निशानेबाज भाग लेंगे। भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल ने एनआरएआई की ओर से जारी बयान में कहा कि यह प्रतियोगिता भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर की तैयारियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि हम वरिष्ठ खिलाड़ियों ने वर्षों से एक तय ढांचे में खेला है, लेकिन जो नई पीढ़ी आ रही है, वह बहुत आत्मविश्वासी है और ज्यादा से ज्यादा अनुभव लेना चाहती है। ऐसे में इस तरह की प्रतियोगिताएं उनके लिए बहुत सहायक होंगी।

मध्य प्रदेश लीग सीजन-2 का भव्य उद्घाटन, ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- एमपीएल बना खिलाड़ियों का लॉन्चपैड

एजेंसी

ग्वालियर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में बहुप्रतीक्षित मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) सीजन-2 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों, आयोजकों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए क्रिकेट के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव को रेखांकित किया। सिंधिया ने कहा, क्रिकेट आज केवल एक खेल नहीं, बल्कि देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है। यह खेल लोगों को जोड़ता है, और एमपीएल जैसे आयोजन युवाओं के लिए अवसरों के द्वार खोलते हैं। उन्होंने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए बताया कि उन्हें अपने पिता, स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी के साथ दुनिया के दिग्गज क्रिकेटरों से मिलने का सौभाग्य मिला था। केंद्रीय मंत्री ने

हाल ही में आईपीएल 2025 की विजेता बनी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि आरसीबी की कप्तानी हमारे राज्य के रजत पाटीदार ने की और टीम को पहली बार चैंपियन बनाया। रजत ने न केवल शानदार खेल दिखाया बल्कि नेतृत्व के अद्भुत गुण भी प्रस्तुत किए। एमपीएल के इस सीजन में महिला टीमों को भी शामिल किया गया है, जिसे लेकर सिंधिया ने कहा, महिला खिलाड़ियों की भागीदारी ने इस आयोजन को सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत पहल बना दिया है। मैं आश्वस्त हूं कि पुरुषों की पांच टीमों के साथ महिला खिलाड़ियों की तीन टीमें भी इस बार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एक नया इतिहास रचेंगी। सिंधिया ने एमपीएल को एक लॉन्चपैड करार देते हुए कहा कि एमपीएल वह मंच है जहां आईपीएल सहित अन्य राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स के चयनकर्ता खिलाड़ियों को देखने आते हैं। पिछले साल इसी लीग से 11 खिलाड़ियों का चयन आईपीएल के लिए हुआ था। यह मध्य प्रदेश के खेल विकास की दिशा में मील का पत्थर है। उन्होंने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने इस तरह की पेशेवर राज्य स्तरीय क्रिकेट लीग की शुरुआत की है।

'विराट कोहली ने सिर्फ 18 साल इंतजार किया, तेंदुलकर का इंतजार और भी लंबा था' : सहवाग

नई दिल्ली। विराट कोहली का IPL ट्रॉफी के लिए लंबा इंतजार मंगलवार रात को खत्म हुआ जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। RCB के स्टार खिलाड़ी 2008 में लीग की शुरुआत से सिर्फ RCB जुड़े हैं और खिताब का सूखा खत्म करने में उन्हें 18 साल लग गए। लेकिन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि तेंदुलकर का विश्व कप ट्रॉफी जीतने का इंतजार और भी लम्बा था और फिर भी उन्होंने कभी उम्मीद नहीं खोई। सहवाग ने एक क्रिकेट वेबसाइट से कहा, 'उन्होंने (कोहली ने) ट्रॉफी जीतने के लिए केवल 18 साल इंतजार किया। सचिन तेंदुलकर ने 1989 से 2011 तक इंतजार किया। इसलिए, कोहली को कम इंतजार करना पड़ा और फिर भी सचिन ने कभी उम्मीद नहीं खोई।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को लेकर भारतीय निशानेबाजों में उत्साह, एनआरएआई ने किया लोगो का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में गुरुवार दोपहर नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने बहुप्रतीक्षित शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का लोगो औपचारिक रूप से लॉन्च किया। इस मौके पर म्यूनिख में 8 से 15 जून तक होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2025 की तैयारी में जुटे कई भारतीय निशानेबाज भी मौजूद रहे और लीग के पहले संस्करण को लेकर अपनी खुशी जाहिर की।

टॉप शूटर्स हुए शामिल

पेरिस ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और सरबजोत सिंह के साथ देश के कई नामी निशानेबाज जैसे अर्जुन बाबूटा, संदीप सिंह, एलावेनिल वलारिवन, रमिता, सिफ्ट कौर समरा, अंजुम मौदगिल, वरुण तोमर, अर्जुन सिंह चीमा, चैन सिंह, किरण अंकुश जाधव, आशी चौकसे, श्रियांका सदांगी, सरुचि, पलक, सिमरनप्रीत कौर बरार, अखिल श्योराण, सैन्यम, निश्चल और राही जीवन सरनोबत ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

लोगो से मिला मनोबल, सिफ्ट समरा ने कही दिल की बात

50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की विश्व रिकॉर्डधारी सिफ्ट कौर समरा ने कहा, हम एनआरएआई के आभारी हैं कि उन्होंने हमें इस शुभ अवसर का हिस्सा बनने का मौका दिया। भारत में शूटिंग के प्रति बढ़ती जागरूकता और इस तरह की लीग का आयोजन, खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ावा देता है, खासकर वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले।

2022 एशियाड मेडलिस्ट आशी चौकसे ने नए लोगो की सराहना करते हुए कहा, ÷इस लोगो में जिस प्रकार से बोल्ड रंगों का इस्तेमाल किया गया है, वह भारतीय खिलाड़ियों की ताकत और आत्मविश्वास को दर्शाता है। यह सिर्फ एक चिह्न नहीं बल्कि एक संदेश है, जिसे हमें खिलाड़ियों के तौर पर निभाना है। अनुभवी राइफल शूटर श्रियांका सदांगी ने कहा, यह लोगो वही संदेश देता है जो एनआरएआई इस लीग के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाना चाहता है। पेरिस ओलंपिक में भारत की सफलता के बाद शूटिंग में रुचि बढ़ी है और यह लीग उस रूचि को नई ऊंचाई पर ले जा सकती है। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का पहला सीजन 20 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 के बीच आयोजित होगा। इसमें मिक्स्ड टीम इवेंट्स-पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री पोजिशन), शॉटगन (ट्रैप और स्कीट), इवेंट्स होंगे।

गुवाहाटी में ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन के बॉक्सिंग अकादमी का उद्घाटन

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने उत्तर गुवाहाटी के बारचंद्रा में लोवलीना बोर्गोहेन बॉक्सिंग अकादमी का भव्य उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक पहल न केवल पूर्वोत्तर भारत में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें विश्व स्तरीय मुक्केबाज़ बनाने का सपना भी साकार कर रही है। यह बॉक्सिंग अकादमी गुवाहाटी की अपनी तरह की पहली पहल है, जो युवाओं को बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधाएं, अत्याधुनिक 26म26 साइज की बॉक्सिंग रिंग और पूरी तरह सुसज्जित जिम प्रदान करती है। यह अकादमी न केवल प्रशिक्षुओं को बुनियादी ढांचे से सशक्त करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार भी करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा ने लवलीना की सराहना करते हुए कहा, लवलीना ने ओलंपिक में पदक जीतकर असम और भारत को गौरवान्वित किया है। अब वह एक प्रेरणा बनकर उभरी हैं और इस अकादमी के माध्यम से उन्होंने असम के युवाओं के लिए सुनहरा मंच तैयार किया है। राज्य सरकार अकादमी को 2 करोड़ रुपये की सहायता राशि देगी और हॉस्टल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण

तथा अन्य खर्चों में भी सहयोग करेगी। लवलीना ने अकादमी की शुरुआत की यात्रा को याद करते हुए बताया, 2024 ओलंपिक के बाद मुझे कुछ समय मिला और 2021 में खरीदी गई जमीन पर मैंने अपने सीमित संसाधनों से एक बुनियादी अकादमी बनाने का फैसला किया। इसमें एक अच्छी बॉक्सिंग रिंग, कुछ पंचिंग बैग और एक जिम की व्यवस्था की गई है जो विद्यार्थियों के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी उपलब्ध है। अपने विजन को साझा करते हुए उन्होंने कहा, मेरा सपना है कि 2028 तक हम ऐसे मुक्केबाज तैयार करें जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें। मैं युवाओं को एक ऐसा मंच देना चाहती हूं, जहाँ वे अपने सपनों को साकार कर सकें। सभी वर्गों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिल सके, इसके लिए अकादमी में न्यूनतम शुल्क ?500 प्रतिमाह रखा गया है। इसमें तीन आयु वर्ग बनाए गए हैं÷ 8 से 12 वर्ष, 13 से 18 वर्ष और 18 वर्ष से अधिक आयु वाले खिलाड़ी। यह पहल न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है और निश्चित रूप से भारत के खेल भविष्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगी।

इन 13 तरीकों से त्वचा होगी साफ और बेदाग

आप अपनी त्वचा को खूबसूरत बनाए रखने के लिए कई तरह के जतन करते हैं, लेकिन ये ब्लैकहेड्स ...जब तक त्वचा पर उभर आते हैं और सारी कोशिशों पर पानी फेर देते हैं। लेकिन ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं.. अजी ब्लैकहेड्स ही तो हैं। यह लीजिए हम बता देते हैं, आपको इस मुसीबत से निजात पाने के ढेरों उपाय। अब तो खुश ... चलिए जान लेते हैं ब्लैकहेड्स हटाने और त्वचा को साफ व बेदाग बनाने के के यह 13 उपाय -

1 कॉर्नस्टार्च -

कॉर्नस्टार्च यानि मक्के का आटा और विनेगर को तीन अनुपात एक मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ब्लैकहेड्स वाले हिस्से पर लगाकर कम से कम 15 मिनट तक रखें। इसे आप आधा घंटा भी लगाकर रख सकते हैं। अब आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें। इससे आपकी समस्या दूर हो सकती है।

2 दही -

दही सेहत के साथ सौंदर्य का भी खजाना है। किसी कटोरी में तीन चम्मच दही लेकर उसमें लगभग दो चम्मच ओटमील या जौ का आटा मिलाएं। अब इस मिश्रण में एक चम्मच जैतून का तेल और इतनी ही मात्रा में नींबू का रस डालकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे या ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर, पांच से सात मिनट के बाद ठंडे पानी से धो लें। फिर देखिए असर।

3 बादाम -

बादाम के पाउडर को जौ के आटे में मिलाकर गुलाबजल के साथ मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को प्रभावित स्थान पर उंगलियों के पोरों से लगाएं। लगभग 15 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। इस प्रयोग से ब्लैकहेड्स की समस्या खत्म होती है।

4 चावल -

जी हां, चावल भी आपके चेहरे को बेदाग और खूबसूरत बनाने में मदद करता है। इसके लिए चावल को दूध में लगभग 5 घंटे तक भि?गोकर, इसे मिक्सर में पीसकर स्क्रब बना लें। अब इसे सामान्य स्क्रब की तरह ही प्रयोग करें। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या समाप्त होगी।

5 टूथपेस्ट -

ब्लैकहेड्स प्रभावित स्थान पर टूथपेस्ट की एक पतली सी परत लगाएं और लगभग 20 से 25 मिनट तक इसे रहने दें। इसके बाद जब आप इस परत को हटाएंगे, तो त्वचा पर ब्लैकहेड्स या सफेद दानें आपको नजर नहीं आएंगे। इस प्रयोग को दो हफ्ते तक एक दिन छोड़कर करें। ऐसा करने से यह समस्या पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

6 नींबू -

नींबू में प्राकृतिक अम्ल होता है, जो त्वचा की गंदगी साफ करने में मदद करता है। इसके लिए एक नींबू का रस निकालकर उसमें एक चुटकी नमक मिलाएं और इस मिश्रण को ब्लैकहेड्स वाले स्थान पर लगाकर लगभग 20 मिनट तक रखें। इसके बाद इसे हल्के गर्म पानी से अच्छी तरह से धो लें। यह नुस्खा काफी कारगर है।

7 आलू -

आलू भी इस मामले में बड़े काम की चीज साबित होगा। कच्चे का आलू का टुकड़ा ब्लैकहेड प्रभावित स्थान पर अच्छी तरीके से रगड़ें। अब इसके रस को कुछ समय तक त्वचा पर रहने दें और 15 मिनट के बाद धो लें।

8 धनिया पत्ती -

हरा धनिया स्वाद बढ़ाने में जितना कारगर है, उतना ही सुंदरता के लिए भी। इसकी पत्तियों को चुटकी भर हल्की के साथ पीसकर पेस्ट बना लें। इस इस पेस्ट को ब्लैकहेड वाले स्थान पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद धो लें। ब्लैकहेड तो कम होंगे ही, त्वचा में जान आ जाएगी।

9 ओटमील -

ओटमील को ग्राइंडर में पीसकर गुलाबजल डालकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखें और ठंडे पानी से धो लें। इससे भी त्वचा की गंदगी साफ हो जाएगी।

10 बेकिंग सोडा -

बेकिंग सोडा में जरा सा पानी डालकर पेस्ट बनाएं और इसे स्क्रब की तरह त्वचा पर लगाएं। इससे त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य गंदगी समाप्त हो जाएगी। इसे 15 मिनट प्रयोग करने के बाद ठंडे पानी से धो लें।

11 मेथी की पत्तियां -

मेथी की पत्त?यों को पीसकर चेहरे पर लगाने से भी त्वचा की अंदरूनी सफाई हो जाती है, और झाइयां, दाग आदि नहीं रहते। इसका प्रयोग प्रतिदिन रात के वक्त किया जा सकता है।

12 शहद -

ब्लैकहेड्स से निजात पाने के लिए आप शहद का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए शहद की एक परत त्वचा पर लगाकर रखें और कुछ समय बाद इसे धो लें। इससे भी त्वचा के ब्लैकहेड और अन्य समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

13 टमाटर -

यह आपकी त्वचा को साफ करने के लिए बेहद कारगर चीज है। टमाटर को मैश करके इसका छिलका उतार दें और इसे प्रभावित स्थान पर कुछ घंटों के लिए लगाकर रखें और छोड़ दें। अब हल्के गर्म पानी से इसे धो लें। ऐसा करने से भी ब्लैकहेड और सफेद दानों की समस्या हल हो जाएगी।

खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5

हम खुद को खूबसूरत दिखाने के लिए तरह-तरह के जतन करते हैं। कभी कपड़ों के जरिए, तो कभी मेकअप और तरह तरह के स्टाईल अपनाकर हम खूबसूरत दिखने में सफल तो हो जाते हैं, लेकिन यह खूबसूरती कुछ ही समय तक रहती है। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी बातें, जो बनाती है, आपको अंदर से खूबसूरत -

आत्मविश्वास – खूबसूरत दिखने के लिए आप चाहें कुछ भी आजमाएं, चेहरे की चमक आत्मविश्वास से ही बढ़ती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात की पुष्टि की है। जब भी आप किसी कार्यक्रम या समारोह में शामिल होते हैं, या फिर कोई इंटरव्यू देने जाते हैं। हर जगह आत्मविश्वास से लबरेज चेहरा आकर्षित करता है।आपका यही आकर्षक आपको सबसे बेहतर बनाता है, जिसके कारण आपके आसपास के लोग खुद में आत्मविश्वास की कमी महसूस करने लगते हैं। कई बार आपका आत्मविश्वास आपके बिना कुछ किए ही आपको सफलता दिला देती है। प्रसन्न मन- मन की खुशी हमेशा चेहरे पर झलकती है, और चेहरे की चमक अपने आप बढ़ जाती है। हंसमुख चेहरा हर किसी के दिल में जगह बना लेता है, और हर कोई उसकी तरफ खुद-ब-खुद आकर्षित होने लगता है।किसी समारोह में तो यह खुशमिजाज चेहरा हर किसी के आकर्षण का केंद्र होता है। प्रसन्न मन का फायदा आपके चेहरे और स्वास्थ्य दोनों पर पड़ता है।प्रसन्न चेहरे की रौनक देखते ही बनती है।

मेडिटेशन – मेडिटेशन आपके मन को एकाग्र करने के साथ-साथ आपके मन को शांत करता है, जिसका असर आपके चेहरे पर प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई देता है। मन की शांति जब, सौम्यता और धैर्य के साथ चेहरे पर उतरती है, तो आंतरिक सुंदरता बेहद आकर्षित करती है। मेडिटेशन आपके हाव भाव और स्वभाव से आपको खूबसूरत बनाता है। यह आंतरिक खूबसूरती कुछ समय के लिए नहीं बल्कि हमेशा आपके साथ रहती है। खूबसूरती चाहिए तो पढ़ें 5 टिप्स

योग-व्यायाम – योग, व्यायाम या एक्सरसाईज, कुछ भी कह लें, लेकिन यह आपके शरीर और आत्मा, दोनों को एक साथ खूबसूरत बनाता है। आपके अंदर सकारात्मक उर्जा का संचार करता है, जो आपके चेहरे पर साफ तौर पर दिखाई देता है। योग, मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से प्रभावित करता है।और व्यायाम शरीर में रक्तसंचार को सुव्यवस्थित करता है, जिससे आपके चेहरे का ग्लो बढ़ जाता है, और विकृतियां भी दूर हो जाती है।

फल व सब्जियां – भोजन में तेल व मसालेदार पदार्थों के बजाए सात्विक भोजन एवं भरपूर मात्रा में फल और सब्जियों का सेवन आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। इसके इलावा इनमें पोषक तत्वों के साथ पानी की मात्रा भी होती है। हर तरह के फल का नियमानुसार सेवन अपके शरीर में विटामिन व मिनरल्स की कमी को दूर कर शरीर को स्वस्थ खता है, और चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाता है। सकारात्मक

नजरिया –

आप अपने जीवन में चाहें कितने भी सफल क्यों न हों, कितने भी बेहतर क्यों न हों, वह सफलता कोई मायने नहीं रखती, जब तक आप खुद सकारात्मक न हों। सकारात्मकता का आपके व्यकतित्व पर उतना ही असर पड़ता है, जितना पोषक तत्वों का शरीर पर। सकारात्मकता आपको अंदर ये खूबसूरत बनाती है। आप अपने अंदर एक रौनक महसूस करेंगे, जो आपके चेहरे पर भी दिखाई देती है।

मैजिक मुल्तानी मिट्टी का

चेहरे की चमक को बरकरार रखने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किसी भी उम्र में किया जा सकता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा में कसाव और रंगत में निखार आता है। यह स्किन के लिए बढ़िया टोनर और मॉश्चराइजर भी है। तो फिर क्यों न मुल्तानी मिट्टी से सौंदर्य निखार के कुछ नुस्खे आप भी आजमाइए।

रोमकूपों की सफाई हो जाए

मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग त्वचा के रोमकूपों की गंदगी की सफाई के लिए करना हो तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 4 छोटे चम्मच टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर प्रतिदिन लगाएं। रोमकूप साफ हो जाएंगे। इसे हाथों या अन्य जगह भी लगा सकती हैं।

झाइयां दूर हो जाए

चेहरे की झाइयां दूर करने के लिए थोड़ी अरहर की दाल का पाउडर, दही व पिसी हल्दी में थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के नियमित प्रयोग से झाइयां दूर हो जाएंगी।

मुंहासे गायब हो जाएं

मुंहासे सता रहे हों तो 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 छोटा चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। मुंहासों वाली स्किन पर मुल्तानी मिट्टी का लेप सप्ताह में दो बार लगाएं। इससे त्वचा स्वस्थ व निर्मल हो जाएगी और मुंहासे भी गायब हो जाएंगे।

त्वचा हो जाए मुलायम

त्वचा को मुलायम व चमकदार बनाने के लिए 2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच, चंदन पाउडर, 2 छोटे चम्मच नारियल पानी, 2 छोटे चम्मच खीरे का रस मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। सप्ताह में 1 बार लगाने से त्वचा साफ, सुंदर और आकर्षक हो जाएगी।

सांवलापन दूर हो जाए

त्वचा का सांवलापन कम करने के लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी में चौथाई छोटा चम्मच ग्लिसरीन और 2 बड़े चम्मच गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट तक लगाएं। फिर साफ, गुनगुने पानी से धो डालें। सप्ताह में दो बार इस फेस पैक का प्रयोग करने से सांवली त्वचा में काफी हद तक निखार आ जाता है।

झुर्रियों से बचाव हो जाए

चेहरे को झुर्रियों से बचाने के लिए बादाम की 4–5 गिरियां पीस लें। इसमें 4 छोटे चम्मच खीरे का रस तथा 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बनाएं। महीने में चार बार इसका नियमित प्रयोग करें। कुछ दिनों बाद झुर्रियां कम हो जाएंगी।

केश मुलायम, रेशमी और घने हो जाएं

दो बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 1 बड़ा चम्मच दही घोलकर उसमें एक बड़ा चम्मच नीबू का रस मिलाएं। अच्छी तरह केशों की जड़ों में लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें। इससे केश मुलायम, रेशमी तथा घने होने के साथ अधिक समय तक काले भी रहेंगे।

बिग बॉस 19 में 'बबीता जी' की एंट्री?

मुनमुन दत्ता

को मिला ऑफर, सलमान के शो में आ सकती हैं नजर!

जब से सुपरस्टार सलमान खान के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस के 19वें सीजन की वापसी की पुष्टि हुई है, तब से इस शो को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. कहा जा रहा है कि कलर्स टीवी का ये रियलिटी शो जल्द ही शुरू हो सकता है. इसी बीच, शो में नजर आने वाले संभावित कंटेस्टेंट के नामों पर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं. अब खबर आ रही है कि पॉपुलर कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की 'बबीता जी' यानी मुनमुन दत्ता भी इस बार 'बिग बॉस' के घर का हिस्सा बन सकती हैं.

बिग बॉस के सीजन 19 में मेकर्स सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को नहीं बल्कि सिर्फ एक्टर्स को शामिल करना चाहते हैं और यही वजह है कि वो टीवी और फिल्मों के ऐसे एक्टर्स को अप्रोच कर रहे हैं, जो उन्हें अच्छा कंटेंट दे पाएं. टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक हमेशा की तरह इस बार भी बिग बॉस की टीम ने मुनमुन को संपर्क किया है. दोनों के बीच बातचीत चल रही है. लेकिन अब तक मुनमुन ने इस शो में शामिल होने के लिए हां नहीं कहा है.

कई बार मिल चुका है बिग बॉस का ऑफर

पिछले 10 सालों से मुनमुन दत्ता 'बिग बॉस' के लिए अप्रोच किया जा रहा है. लेकिन अक्सर वो इस शो में शामिल होने से इनकार कर देती हैं. अब इस बार मुनमुन शो का हिस्सा बनती हैं या नहीं, यह देखना दिलचस्प होगा. हालांकि, इस खबर ने सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, और मुनमुन दत्ता को लेकर खूब चर्चा हो रही है.

विवादों से भी रहा है 'बबीता जी' का नाता

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में 'बबीता जी' का किरदार निभाकर मुनमुन दत्ता ने घर-घर में अपनी पहचान बनाई है, लेकिन उनका नाम कुछ विवादों से भी जुड़ा रहा है. उनकी निजी जिंदगी में उम्र में 10 साल छोटे को-स्टार राज अनादकट के साथ उनके रिश्ते और गुपचुप सगाई की खबरें भी सुर्खियां बटोर चुकी हैं.

'बिग बॉस 19' में कौन-कौन आ सकता है नजर?

'बिग बॉस 19' में फिलहाल जिन सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स के नामों की चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है, उनमें डेजी शाह, 'बालिका वधू' फेम शशांक व्यास, शरद मल्होत्रा, टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर कपल राम और गौतमी कपूर, खुशी दुबे और मून बनर्जी शामिल हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, होस्ट सलमान खान जून के आखिर तक 'बिग बॉस 19' के प्रोमो की शूटिंग शुरू कर सकते हैं. यानी कलर्स टीवी का ये शो जुलाई में टीवी पर ऑन-एयर हो जाएगा, जिसके बाद फैंस को घर के अंदर होने वाले ड्रामे का बेसब्री से इंतज़ार रहेगा.

'हम हमेशा के लिए एक हो गए...' कैंसर से जूझ रहीं

हिना खान

ने बॉयफ्रेंड रॉकी संग रचाई गुपचुप शादी

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की अक्षरा यानी एक्ट्रेस हिना खान हमेशा ही सुर्खियों में रहती हैं. वो कैंसर से जंग लड़ रही हैं, इसी बीच हिना के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है. एक्ट्रेस ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल से शादी कर ली है. हिना और रॉकी ने काफी गुपचुप तरीके से शादी की. अब उन्होंने फैंस के लिए अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं.

एक्ट्रेस हिना खान ने शादी कर ली है. हिना कैंसर से जंग लड़ रही हैं, इसी बीच उन्होंने फैंस के लिए एक चौंकाने वाली खबर शेयर की. हिना ने अपने बॉयफ्रेंड रॉकी संग सात फेरे लिए. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं. फैंस हिना और रॉकी की तस्वीरों पर खूब प्यार बरसा रहे हैं.

हिना ने शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

एक्ट्रेस हिना खान ने अपनी शादी की तस्वीरों के साथ बेहद खूबसूरत कैप्शन भी शेयर किया है. एक्ट्रेस ने लिखा दो अलग जहानों को जोड़कर हमने एक दुनिया बना ली है. हमने अपने सारे गिले-शिकवों को मिटाकर एक ऐसा रिश्ता बना लिया है जो जीवन भर के लिए है. हम एक दूसरे की दुनिया हैं और आज से हम एक दूसरे के हो गए हैं. हिना और रॉकी की तस्वीरों पर फैंस अलग-अलग तरह के कमेंट्स कर रहे हैं.

साड़ी में परी लग रहीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस ने अपनी शादी की कई तस्वीरें शेयर कीं. इन तस्वीरों में हिना और रॉकी बहुत प्यारे लग रहे हैं. हिना और रॉकी ने बहुत सादे तरीके से शादी की. उन्होंने अपने ब्राइडल लुक को भी सटल रखा. हिना ने ओपल ग्रीन कलर की साड़ी पहनी है, जिसके साथ उन्होंने सिल्वर कलर की चुन्नी पेयर की. उन्होंने इसके साथ बहुत ही खूबसूरत और सिम्पल तरीके की ज्वैलरी भी पहनी है. हिना की साड़ी को मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया है. वहीं हिना के दूल्हे राजा रॉकी ने भी ऑफ वाइट शेरवानी पहनी है.

जब सलमान के सामने गोविंदा ने डेविड धवन से की ये डिमांड, वरुण के पापा ने दिया था ऐसा जवाब

बॉलीवुड में एक समय डायरेक्टर डेविड धवन और सुपरस्टार गोविंदा की जोड़ी काफी मशहूर थी. दोनों ने साथ में करीब डेढ़ दर्जन फिल्में की थीं और दोनों दिग्गजों की ज्यादातर फिल्में टिकट खिड़की पर हिट साबित हुईं. हालांकि बाद में दोनों के रिश्ते किसी वजह से बिगड़ गए थे. हालांकि सालों बाद दोनों के बीच सुलह हो गई थी. वहीं जब दोनों की दोस्ती काफी अच्छी थी तब एक बार गोविंदा ने सलमान खान के सामने डेविड धवन से ऐसी डिमांड कर दी थी, जिस पर हंसते हुए डेविड ने गोविंदा को कमीना कह दिया था.बात है आज से सालों पहले की. डेविड धवन और गोविंदा साथ में सलमान खान के शो 'दस का दम' पर पहुंचे थे. तीनों के बीच इस दौरान काफी मस्ती मजाक हुआ था. तीनों ने ढेर सारी बातचीत की और इसी बीच अपने डांस के लिए मशहूर गोविंदा ने डेविड से डांस की अपील कर दी थी. बाद में वो डांस करते हुए भी दिखे जिस पर सभी हंसने लगे थे.

गोविंदा ने डेविड से की थी डांस की डिमांड

गोविंदा ने सलमान खान के सामने डेविड धवन का मजाक उड़ाते हुए कहा था, मुझे बड़ी तमन्ना है. इस पर सलमान ने पूछा, क्या? तो गोविंदा ने कहा, मैं चाहता हूं डेविड वो वाला डांस करके दिखाए. फिर सलमान पूछते हैं, कौन सा? इस पर गोविंदा ने कहा था, एक बार जो जाए जवानी फिर ना आए जो गाना है.

डेविड बोले- तू बहुत कमीना है

गोविंदा की बात सुनते ही सलमान ने भी डेविड की तरफ देखते हुए हां कहा. फिर डेविड ने हंसते हुए गोविंदा को कहा था. तू बहुत कमीना है. तू मेरा दोस्त है. इस पर गोविंदा ने कहा, डेविड तू वो कैसे करेगा मैं देखना चाहता हूं, जब तेरी तोंद हिलेगी. इस पर सभी हंसने लगते हैं. डेविड पहले तो डांस के लिए मना करते रहे, हालांकि फिर उन्होंने इस गाने पर गोविंदा के साथ डांस किया था.

गोविंदा-डेविड ने इन फिल्मों मे साथ किया काम

90 के दशक में बॉलीवुड में गोविंदा और डेविड की जोड़ी काफी मशहूर थी. दोनों ने 'कुली नंबर 1', 'साजन चले ससुराल', 'हीरो नंबर 1', 'बनारसी बाबू', 'शोला और शबनम, 'आंखें', 'राजा बाबू', 'दीवाना मस्ताना', 'बड़े मियां छोटे मियां, 'हसीना मान जाएगी', और पार्टनर सहित 17 फिल्में की थीं.

तारक मेहता... की भिड़े भाभी की बेटी की खूबसूरती देख दीपिका-आलिया को भूल जाएंगे, हो गई हैं इतनी बड़ी

टीवी का मशहूर सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' दर्शकों के लिए एक इमोशन बन गया है. इस शो के हर किरदार ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है, फिर चाहे वो जेठालाल और दयाबेन हों या फिर भिड़े मास्टर और उनकी पत्नी माधवी भिड़े. माधवी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस सोनालिका जोशी ने अपनी सादगी और 'अचार-पापड़' के बिजनेस से सबको खूब हंसाया है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि असल जिंदगी में भी उन्हें 'सोनू' की तरह एक बेटी है. सोनालिका की रियल लाइफ 'सोनू' का नाम आर्या जोशी है. आर्या अब काफी बड़ी हो गई हैं. खुद को कैमरा की नजरों से दूर रखने वाली आर्या खूबसूरती में दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट को पीछे छोड़ सकती हैं.

सोनालिका जोशी की बेटी आर्या जोशी को ज्यादातर लोग नहीं जानते. तारक मेहता के फैंस ने छोटी आर्या को ज्यादातर अपनी मां के इंटरव्यू में देखा होगा लेकिन अब आर्या बड़ी हो गई हैं और उनके कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं. इन वीडियो में आर्या बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश दिख रही हैं. उनकी खूबसूरती ऐसी है कि लोग उनकी तुलना बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस, जैसे दीपिका पादुकोण या आलिया भट्ट से करने लगे हैं. आर्या का मॉडर्न अंदाज़, आत्मविश्वास और उनकी सादगी का मेल लोगों को खूब पसंद आ रहा है. उनका स्टाइल अपनी मां से बिल्कुल अलग है.

पढ़ाई पर है आर्या का पूरा फोकस

आर्या जोशी फिलहाल ग्लैमर की दुनिया से थोड़ी दूर हैं और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे रही हैं. हालांकि, उनकी मां सोनालिका जोशी अक्सर अपनी और आर्या की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. दोनों मां-बेटी को एक साथ गाना गाना बहुत पसंद है. उनके म्यूजिक वीडियो पर भी फैंस खूब प्यार लुटाते हैं.

आर्या एक अच्छी सिंगर ही नहीं बल्कि टैलेंटेड डांसर भी हैं. लेकिन फिलहाल वो कैमरे की नजरों से दूर रहना चाहती हैं और यही वजह है कि आर्या ने अपनी पर्सनल सोशल मीडिया प्रोफाइल प्राइवेट रखी है, फिलहाल सोशल मीडिया पर उनके महज 344 फॉलोअर्स हैं.